आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा-खून से सने हैं सीईसी के हाथ - 12

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6 प्रतिशत पर सीजीए ने जारी किए आंकड़े - 12

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज - 13

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 11:15 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 29 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 5, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत की जीडीपी ने भरी रफ्तार, दूसरी तिमाही में 8.2%, डेढ़ साल में सबसे तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.6 प्रतिशत

▪ विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से अर्थव्यवस्था को मिली ग्रोथ

थी। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 की जनवरी–मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी।

सुधारों को आगे बढ़ाते रहेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताता है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2% की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है। हमारी सरकार सुधारों को आगे बढ़ाती रहेगी और प्रत्येक के जीवन को आसान बनाने के लिए काम करती रहेगी।

नया भारत रक्षा करने से न पीछे हटता, न हिचकिचाता

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछली सरकारें आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देने में भले ही हिचकिचाती रही हों, लेकिन नया भारत अपने लोगों की रक्षा करने से न तो पीछे हटता है और न ही हिचकिचाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल मंत्र सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखना है, साथ ही धर्म की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है।

कर्नाटक के उडुपी में लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, पिछली सरकारें आतंकी हमलों के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थीं। मोदी यहां लक्ष कंठ गीता पारायण में भाग

▪ प्रधानमंत्री ने उडुपी में 14वीं 15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की

▪ कहा- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक

लेने आए थे, जहां एक लाख लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। यह कार्यक्रम उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ ने आयोजित किया था। मोदी ने कहा, गीता हमें शांति और सत्य के लिए प्रयास करने और अत्याचार करने वालों को कुचलने की शिक्षा देती है। हम वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का जाप भी करते हैं।

कर्नाटक के उडुपी में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करते प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

जनता को दिलाए नौ संकल्प

मोदी ने जनता को नौ संकल्प दिलाए जिनमें- जल संरक्षण, देश में एक पेड़ मां के नाम, एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास और स्वदेशी, पांचवां संकल्प प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, छठा स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सातवां योग को जीवन का हिस्सा बनाना, आठवां पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग और नौवां देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करना है।

गोवा में भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी जनसभा को संबोधित किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

ब्रीफ न्यूज

25 लाख के इनामी समेत 10 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन'' पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के वरिष्ठ सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा समेत कुल 65 लाख रुपये के इनामी 10 माओवादियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले डीकेएसजेडसी सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा के सिर पर 25 लाख तथा डिविजनल कमेटी सदस्य सरोज उर्फ मल्लू सोढ़ी के सिर पर आठ लाख रुपये का इनाम है।

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम बरी

रामपुर। पूर्व सांसद और सपा नेता अमर सिंह और उनके परिजनों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिली है। शुक्रवार दोपहर बाद आजम खां वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। लखनऊ के गोमती नगर थाने में सपा नेता अमर सिंह ने 17 अक्टूबर 2018 में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम के खिलाफ दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि आजम ने जौहर विवि में उन्हें, दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए बहू-बेटियों को तेजाब से जलाने की धमकी दी थी।

विश्वास वहीं टिकता जहां मन शांत और भावनाएं होतीं शुद्ध : राष्ट्रपति

लखनऊ में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोलीं राष्ट्रपति

▪ कहा, सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत और भावनाएं शुद्ध होती हैं। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला है। शुक्रवार को प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) विषयक राज्य स्तरीय समारोह की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति ने राजयोग के जरिए आध्यात्मिक चेतना के विकास पर बल दिया।

राष्ट्रपति ने इस दौरान अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि वह दूसरों पर विश्वास करे। लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा कि जब हम कुछ क्षण रुककर स्वयं से संवाद करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने ओम शांति के संबोधन से वक्तव्य की शुरुआत की। कहा, भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व को दिया है। जिसका भाव यह है कि पूरा विश्व एक परिवार है। आज का मनुष्य के पास आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी व संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के दौर में मेडिटेशन जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तनाव और मूल्यहीनता के इस दौर में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मदर्शन, आत्म-शुद्धि और आत्म-विकास के मार्ग पर ले जाकर उसे नकारात्मकता, भय और भ्रम से मुक्त करता है। ध्यान की अवस्था में उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को परिवर्तित करती है, बल्कि वातावरण और समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

भारत राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद मान कर रहा जंग : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहुमुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती है। जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।

मासिक धर्म का सबूत मांगने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि हरियाणा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं। इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है। यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था। हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगा। सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका पर अब अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गयी है।

▪ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है

▪ याचिका पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

एमडीयू का है मामला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। विश्वविद्यालय ने कहा था कि उसने दो पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से अनुबंध पर नियुक्त किया था और घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

रिश्वत लेते रेंजर और वन दरोगा पकड़े गए

संवाददाता, निघासन (लखीमपुर)

रेंजर गजेंद्र प्रताप सिंह

▪ एंटी करप्शन टीम ने 40 हजार रुपये लेते ही दबोचा

अमृत विचार: दक्षिण वन रेंज में चल रही भ्रष्टाचार की शिकायतों के बीच शुक्रवार को एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेंज के वन क्षेत्राधिकारी (रेंजर) और वन दरोगा को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद टीम दोनों अधिकारियों को अपने साथ जिला मुख्यालय लेकर चली गई।

निघासन क्षेत्र के पिरथीपुरवा गांव निवासी किसान पूरन पुत्र डल्ला ने एंटी करप्शन विभाग को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी जमीन पर लगे शीशम के पेड़ों को काटने के लिए परमिट मांगा था। नियम के अनुसार वन विभाग को पेड़ों का निरीक्षण कर रिपोर्ट लगानी होती है। आरोप है कि काफी समय तक कार्यालय का चक्कर लगाने के बावजूद रिपोर्ट नहीं लगाई गई और रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह तथा वन दरोगा राजेंद्र वर्मा ने इसके बदले 40,000 रुपये की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता पूरन के अनुसार, रिपोर्ट लगाने और परमिट जारी करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही थी। कई दिनों तक चक्कर लगाने और रिश्वत मांगने की लगातार दबाव के चलते पूरन ने एंटी करप्शन मुख्यालय से संपर्क किया। शुक्रवार दोपहर इंस्पेक्टर रवि पांडे के नेतृत्व में टीम निघासन पहुंची। टीम ने किसान को बताए अनुसार 40,000 रुपए देकर कार्यालय भेजा। बताया जाता है कि रुपये लेने के बाद वन दारोगा राजेंद्र वर्मा रकम लेकर रेंजर के आवास पहुंचे। एंटी करप्शन टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके तुरंत बाद टीम ने रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह को भी उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। पूरे दस्तावेजीकरण के बाद एंटी करप्शन टीम दोनों आरोपियों को अपने साथ लेकर चली गई।

एंटी करप्शन टीम पहले से थी तैयार

शुक्रवार दोपहर एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक रवि पांडेय अपनी टीम के साथ पहले से दक्षिणी रेंज कार्यालय के बाहर मौजूद थे। टीम ने शिकायतकर्ता से कहा कि वह तय राशि लेकर कार्यालय जाए और जैसे ही पैसे लिए जाएं, टीम संकेत मिलते ही छापा डाल देगी। नियोजित योजना के अनुसार पूरन 40 हजार रुपये लेकर वन दरोगा राजेंद्र वर्मा के पास पहुंचा। जैसे ही दरोगा ने पैसे लिए, एंटी करप्शन टीम अंदर घुस गई और उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

हरिद्वार कुंभ : 3 शाही अमृत स्नान सहित 10 तिथियां घोषित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाला कुंभ दिव्य, भव्य और सुरक्षित होगा। इस ऐतिहासिक महापर्व के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार में गंगा किनारे सभी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं संतों के साथ बैठक कर सुझावों के साथ ही मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बैठक में कुंभ स्नान के साथ ही अमृत स्नान और महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की गई। 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति से कुंभ शुरू होगा। पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर, तीसरा 14 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

▪ मुख्यमंत्री धामी बोले- दिव्य-भव्य और सुरक्षित होगा 2027 कुंभ

दो विशेष तिथियां

- 07 अप्रैल – नव संवत्सर (नव वर्ष)
- 15 अप्रैल – श्रीराम नवमी

शाही अमृत स्नान

- 06 मार्च – महाशिवरात्रि
- 08 मार्च – सोमवती अमावस्या
- 14 अप्रैल – मेष संक्रांति

मुख्य पर्व स्नान

- 14 जनवरी – मकर संक्रांति
- 06 फरवरी – मौनी अमावस्या
- 11 फरवरी – बसंत पंचमी
- 20 फरवरी – माघ पूर्णिमा
- 20 अप्रैल – चैत्र पूर्णिमा

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश का निधन

कानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जायसवाल 1989 में कांग्रेस से कानपुर के महापौर बने थे। तब सभासद मेयर का चुनाव करते थे। 1999, 2004, 2009 में वे कांग्रेस से कानपुर के सांसद रहे। 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वे हार गए थे। 2019 में उन्हें भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने हराया था। 4 दिसंबर 2000 को सलमान खुर्शीद के स्थान पर उन्हें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे 2002 तक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे। मई 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय गृहराज्य मंत्री बनाया गया था। 2009 में उन्हें कोयला राज्यमंत्री का पदभार दिया गया। 2014 तक वे इस पद पर रहे।

▪ 81 वर्ष के दिग्गज कांग्रेस नेता को दिल का दौरा पड़ा

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर से दो दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए, चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी पुतिन का स्वागत करेंगी।

खगोल विज्ञान

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की घोषणा, निरंतर निगरानी में क्षुद्रग्रह, भविष्य में कुछ बन सकते हैं पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा

क्षुद्रग्रहों के रूप में 40 हजार खतरे मंडरा रहे पृथ्वी के पास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: खगोलविदों ने पृथ्वी के चारों ओर मंडराते 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों की खोज कर ली है। बड़े स्तर पर पृथ्वी के नजदीक घूम रहे ये क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अभी तक खोजे गए इन पिंडों की घोषणा करते हुए कहा कि इनसे निकट भविष्य में तो नहीं लेकिन भविष्य में कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

क्षुद्रग्रहों की अनदेखी कतई नहीं की जा सकती है। अतीत में दिए इनके घावों को भुलाया नहीं जा सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में नासा समेत दुनिया की कई दूरबीनों से इनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष की चट्टानें हैं, जिनका आकार कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक होता है।

इनकी कक्षाएं कुछ ऐसी होती हैं, जो उन्हें पृथ्वी के नजदीक ले लाती हैं और पृथ्वी से टकराने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। पृथ्वी के निकट घूमते इन क्षुद्रग्रहों की उत्पत्ति पृथ्वी के जन्म के साथ ही हुई है जिनकी उम्र भी पृथ्वी के बराबर यानी चार अरब साल मानी जाती है। ये सौर मंडल के निर्माण से बचा हुआ चट्टानी अवशेष है जिनमें अधिकांश मंगल और बृहस्पति के बीच सूर्य की परिक्रमा करते हैं। निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह उन्हें कहा जाता है, जिसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा के करीब 45 मिलियन किमी के भीतर लाती है। ये दूरी बेहद खतरनाक मानी जाती है, जिसके चलते इनके पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ जाता है।

अंतरिक्ष में विचरते क्षुद्रग्रहों की तस्वीर।

1898 में पहले क्षुद्रग्रह 'इरोस' की खोज

खगोलविदों ने वर्ष 1898 में पहले क्षुद्रग्रह इरोस की खोज की थी। इनकी भयावहता की गंभीरता को समझते हुए खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के चारों ओर नजर रखनी शुरू की। समय के साथ तकनीक व आधुनिक दूरबीनों की सुविधाएं बढ़ने से इनकी खोज वर्ष 1990 में अधिक होने लगी। करीब तीन दशक में सर्वाधिक 10 हजार से ज्यादा क्षुद्रग्रहों को खोजा गया और अभी तक 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों को खोजा जा सका है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, इसमें दौराय नहीं कि पृथ्वी के पास घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़े खतरे हैं। इन पर सतत निगरानी रखे जाने की जरूरत है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

डबल इंजन की सरकार में बदलती विकास की तस्वीर, समाज का चेहरा बना अमृत विचार

भाजपा की डबल इंजन की सरकार में विकास की तस्वीर बदल रही है। हर क्षेत्र में हो रहे विकास से भाजपा लोगों का भरोसा बन चुकी है। लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। देश ही नहीं दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास को नई दिशा दी है। लोगों की हर मूलभूत सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बिजली, सड़क, पानी आदि हर क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। छोटे शहरों को बड़े शहरों से जोड़ने काम हुआ है। जिससे व्यापार आसान हो गया। दुरुस्त हुई सड़कों से किसानों राह आसान हुई है। स्थानीय जनप्रतिनिधि के हर प्रस्ताव को लेकर तेजी से काम चलता है। शिक्षा को लेकर भी परिवर्तन नजर आता है। भाजपा की विकास यात्रा में अमृत विचार समाचार पत्र समाज का चेहरा बना है।

नवोदय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चे, मिनी स्टेडियम में संवार रहे स्वास्थ्य

विधानसभा बिसौली के बच्चे आवासीय शिक्षा के लिए बाहर जाते थे। उन्हें बहुत परेशानी होती थी। उनकी यह समस्या दूर करने के लिए विकास खंड आसफपुर के गांव सीकरी में 90 करोड़ रुपये की लागत से नवोदय विद्यालय का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 15 किमी के छह मार्गों का निर्माण 2689.80 लाख रुपये की लागत से कराया गया। बगरैन में पांच करोड़ की लागत से मिनी स्टेडियम बना। नगर पंचायत मुड़िया को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा दिलाया। पांच साल में विधायक निधि से 325.0468 लाख रुपये से 64 सीसी मार्गों का निर्माण कराया गया। 106.77 लाख रुपये से 8 खड़ंजे बनवाए गए। मुख्यमंत्री संवर्धन विकास योजना के अंतर्गत विकास खंड वजीरगंज के गांव पेपल स्थित प्राचीन शिव मदिर के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रुपये स्वी त कराए। जूनियर हाईस्कूल ढिलवारी, मदनजुड़ी, बसई, शाह, बीघा नगला को कक्षा कक्ष के लिए 46.15 लाख रुपये अनुदान दिया। 16 गांवों में बारात घ का निर्माण 150.04 लाख रुपये से हुआ। वाहनों के इंतजार के दौरान लोगों को सुरक्षित रखने के लिए 65.140 लाख रुपये से 20 यात्री शेड बनवाए गए। सेहत के क्षेत्र में योगदान दिया। कोविड के समय एक करोड़ रुपये के आधुनिक व जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए गए। राहगीरों का पथ सुगम करने को 163.40 लाख रुपये 60 हाई मास्ट लाइटें लगवाईं। विधानसभा बिसौली में जिला पंचायत द्वारा 10 करोड़ रुपये सड़कों का निर्माण हुआ। किसानों को अपने पशुओं के इलाज के लिए परेशानी न हो इसके लिए गांव दसौलीगंज में 40 लाख रुपये की लागत से पशु चिकित्सालय बनवाया गया। इसके अलावा 19 लाख रुपये से 19 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया गया। त्वरित विकास योजना 2019-20 में 5 करोड़ रुपये से 9 मार्गों के लेपन कार्य व निर्माण हुए। इसके साथ 3 करोड़ रुपये अन्य विकास कार्य कराए गए। गड्ढा मुक्ति योजना के अंतर्गत 35 मार्गों का मरम्मत कार्य 568.30 लाख रुपये से हुआ। डूडा के माध्यम से नगर क्षेत्र बिसौली, सैदपुर, फैजगंज, मुड़िया में 11 सीसी मार्ग बने। पेजयल की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए 13 नए सरकारी नलकूप बनवाए गए और 14 सरकारी नलकूपों का पुर्ननिर्माण हुआ। आजादी के बाद से विधानसभा में इतने नलकूप नहीं बने उससे दो गुने अपने कार्यकाल में बनवाए गए। प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए भानपुर, फैजगंज बेहटा, परवेज नगर में नए विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना हुई। बिसौली नगर, दिसौलीगंज, सैदपुर, आसफपुर के विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि कराई।

खरुआ के 147 किसानों को मिलेगा भूमि अधिग्रहण का लाभ

आठ साल चली सुनवाई के बाद आए निर्णय का स्वागत, आतिशबाजी की, अधिग्रहण की गई 74 एकड़ भूमि का नए कानून के हिसाब से मिलेगा मुआवजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आठ वर्ष के इंतजार के बाद कोर्ट ने किसानों को राहत दी है। एसएसबी भूमि अधिग्रहण प्रकरण में खरुआ गांव के 147 किसानों के चेहरे लंबे समय बाद खिल उठे हैं। अधिग्रहित 74 एकड़ भूमि पर नए कानून के मुताबिक मिलने वाले मुआवजे के फैसले ने किसानों की वर्षों की पीड़ा को राहत में बदल दिया। निर्णय की खबर फैलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और किसानों ने आतिशबाजी कर स्वागत किया। यह फैसला न सिर्फ आर्थिक मजबूती देगा, बल्कि किसानों के सम्मान और अधिकार की बड़ी जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। इतना ही नहीं इस जीत का श्रेय उन्होंने किसान नेता वीएम सिंह को दिया है।

जिले में एसएसबी की स्थापना के बाद उसका मुख्यालय बनाने को वर्ष 2004 में ललौरीखेड़ा के निकट खरूआ की जमीन को चिन्हित कर प्रशासन ने अधिग्रहित कर लिया था। इसमें करीब 61 खाता नंबरों से 147 किसानों की करीब 74 एकड़ जमीन प्रशासन ने ली थी। इतना ही नहीं 22 जनवरी 2007 को इस जमीन का अमल दरामद भी एसएसबी के नाम करा दिया था। उस समय जमीन के बदले दी जा रही कीमत को लेकर कुछ किसानों ने विरोध किया था। इस दौरान किसानों की जमीन पर कब्जा करने के लिए एसएसबी ने कैंप लगा दिए। इस पर किसान नेता वीएम सिंह और गयासुद्दीन किसानों के पक्ष में आगे आए। इस दौरान किसानों ने लाठियां तक खाई। कई बार भूख हड़ताल और प्रदर्शन भी हुआ। इसके बाद 2013 में नए भूमि अधिग्रहण कानून के लागू होने के बाद किसानों और सरकार के बीच नए कानून के अनुसार भुगतान की सहमति भी बनी, परंतु वर्ष 2015 में सरकार ने अधिसूचना जारी कर फिर पुराने कानून के तहत ही भुगतान का निर्णय ले लिया। उस समय प्रति बीघा 2.65 लाख रुपये की दर से भुगतान किया गया था। विरोध के दबाव में उस वक्त मुआवजा देने की बात तो कही, लेकिन खरुआ गांव के किसानों को भुगतान नहीं मिला। इसके बाद किसान कृष्ण कुमार शर्मा की ओर से 10 दिसंबर 2017 को कोर्ट में रिट दायर की गई। लंबी सुनवाई के बाद गुरुवार को कोर्ट ने किसानों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि अधिग्रहित भूमि का मुआवजा नए कानून के तहत दिया जाए। साथ ही सर्किल रेट का चार गुना अधिक मुआवजा देने का आदेश दिया है। शुक्रवार को इस निर्णय की जानकारी मिलते ही गांव में उत्साह का माहौल बन गया। किसानों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और आतिशबाजी कर निर्णय का स्वागत किया। गांव में जगह-जगह किसान समूह बनाकर अपनी खुशी का इजहार करते नजर आए। किसानों ने कहा कि इस जमीन के मुआवाजे को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी है। जिसमें वीएम सिंह की अहम भूमिका रही। जिसकी वजह से यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। इस फैसले के आधार पर ही अब आगे लोग अपना मुआवजा ले सकते हैं।

कोर्ट का निर्णय आने के बाद खुशी में आतिशबाजी करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

सरकार को अन्नदाता पर ध्यान देने की जरूरत

खरुआ की जमीन अधिग्रहण को लेकर वर्ष 2003 में अधिसूचना जारी हुई थी। वर्ष 2006 में अधिग्रहण शुरू हुआ तो किसानों की जमीन का मुआवजा बेहद कम था। इसे लेकर किसानों का समर्थन करते हुए इस केस की कोर्ट में लड़ाई लड़ी। इस दौरान जमीन पर कब्जा करने की कोशिश भी की गई थी। जिस पर किसानों ने प्रदर्शन किया था। सपा सरकार ने 2015 में अधिसूचना जारी की। जिसमें उन्होंने अधिग्रहण के समय का रेट देने की बात कही। मगर 2013 में नए भूमि अधिग्रहण कानून लागू हो चुका था, लेकिन सरकार अधिग्रहण के समय का रेट दे रही थी। इसलिए इस पर स्वयं कोर्ट में केस लड़ा। काफी लंबी लड़ाई लड़ने के बाद कोर्ट ने हक में फैसला दिया है। किसान अन्नदाता है, सरकार को अन्नदाता पर ध्यान देने की जरूरत है।

– वीएम सिंह, किसान नेता

चार किसान हार गए जिदंगी की जंग

किसानों की भूमि अधिग्रहण मामले में चार किसान जिदंगी की जंग भी हार गए। बता दें कि इस गांव की आबादी करीब दो हजार से अधिक है। जहां सभी का पेशा खेती ही है। एसएसबी कैंप स्थापित होने के बाद यहां यूनिट बनाने के लिए जमीन चिन्हित की जा रही थी। पहले ग्राम समाज की जमीन को अधिग्रहण किया था। मगर उसके आसपास किसानों की जमीन को बंजर बताते हुए अधिग्रहण करने की प्रक्रिया शुरु की गई थी। मगर मुआवजे की धनराशि नहीं मिल पा रही थी। किसान जमीन बचाने को आंदोलन करने लगे थे। गांव के तमाम किसान शामिल रहे। बताते हैं कि किसान डोरीलाल, लोचन, कोमिल और तेजराम का निधन भी हो चुका है। अब फैसला आने पर उनके परिजनों ने उन दिनों को याद करते हुए इस फैसले पर खुशी जताई।

किसानों ने की थी खुदकुशी की कोशिश

पूर्व जिपं सदस्य गयासुद्दीन ने बताया खरुआ की जमीन बचाने की लड़ाई 2006 में शुरू हुई। जब एसएसबी किसानों की भूमि पर जबरन कब्जा करने पहुंची थी। दिल्ली जाकर वीएम सिंह को पूरा मामला बताया और उनके साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया था। उस वक्त एसएसबी टेंट और डिटेंशन कैंप लगा चुकी थी, जिन्हें अपने साथियों व ग्रामीणों के सहयोग से रातों-रात हटवाया और जमीन वापस दिलाई। 2008 में जब दोबारा जबरन कब्जे की कोशिश हुई थी, तो वीएम सिंह के साथ आंदोलन किया गया था। साथ ही किसानों ने आत्महत्या तक करने की कोशिश की थी। वीएम सिंह ने किसानों से चार गुना मुआवजा दिलाने का वादा किया था और हाईकोर्ट के फैसले ने साबित कर दिया कि संघर्ष बेकार नहीं गया। नया कानून लागू होते ही किसानों को पूरा हक मिलेगा।

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.45

सूर्यास्त 05.16

जिले में आज

- सदर समेत समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे से।
- भाजपा कार्यालय पर एसआईआर को लेकर पदाधिकारियों की बैठक दोपहर 12 .35 बजे।
- पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक दोपहर 02 बजे।
- यातायात माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत कई जगह विशेष कैंप सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

बंदर के हमले में महिला घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम महुआ निवासी गीता देवी छत पर सूख रहे कपड़ों को उतारने गई। इसी दौरान छत पर बैठे बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। वह जब बंदरों से बचने को जीने की ओर भागी। इसी समय उनका पैर फिसल गया और वह छत पर गिर गई। उनके गिरते ही बंदरों ने उनके सिर में काटकर घायल कर दिया। गीता देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए उनके परिवार के लोग लेकर आए। चिकित्सक द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है।

सड़क हादसे में दो युवक घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : गजरौला मार्ग पर बाइक की टक्कर से साइकिल सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा गुरुवार शाम हुआ। गांव आमडार निवासी अरविंद कुमार पुत्र नत्थूलाल और बृजेश कुमार पुत्र विजयपाल साइकिल से बरखेड़ा गजरौला मार्ग पर एक दुकान से खरीदारी करने जा रहे थे। इस बीच बाइक ने साइकिल में टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। दोनों को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम

दंगल में भिड़ते पहलवान। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: अमरिया क्षेत्र के सरैंदा पट्टी गांव में हजरत मस्तान शाह मियां के 159 वें सालाना उर्स में चल रहे विराट एकता कुश्ती दंगल में तीसरे दिन शुक्रवार को कई कुश्ती हुई। नेपाल के लकी थापा पहलवान और राजस्थान के खड़क सिंह पहलवान के बीच हुए मुकाबले में लकी थापा पहलवान ने जीत दर्ज की। भूरा पहलवान जम्मू कश्मीर और शमशेर पहलवान कुरुक्षेत्र के बीच रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें भूरा पहलवान ने जीत हासिल की। लकी थापा पहलवान नेपाल और जल्लाद पहलवान राजस्थान के बीच हुए मुकाबले में लकी थापा पहलवान ने जीत दर्ज की। शुक्रवार को परवेज पहलवान कलियर शरीफ नवाब अली पहलवान पंजाब के बीच कुश्ती हुई और भीम पहलवान राजस्थान और परवेज पहलवान कलियर शरीफ के बीच कुश्ती बराबरी पर छूटी।

डीएम ने मातृ वंदन एवं चेहरा प्रमाणीकरण की कम प्रगति पर जताई नाराजगी

गांधी सभागार में बैठक के दौरान समीक्षा करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीएम की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। जिसमें डीएम ने बाल विकास विभाग के मासिक कार्यों की समीक्षा के साथ जनपद के पोषण कार्यक्रम पर बिंदुवार जानकारी ली। मातृ वंदन योजना एवं चेहरा प्रमाणीकरण में कम प्रगति पर डीएम ने खासी नाराजगी जताई।

गांधी सभागार में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बिंदुवार कार्यों की प्रगति प्रस्तुत की। जिसमें केंद्रों पर वजन मशीन न होने की जानकारी भी दी गई। जिस पर

● ब्लाक स्तर पर आयुष्मान कार्ड बनवा सकता हैं आंगनबाड़ी वर्कर

डीएम ने निर्देश दिए कि जिन केंद्रों पर वजन मशीन नहीं है, उन सभी केंद्रों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। कहा कि विभिन्न विभागों के सहयोग से वजन मशीनों की कमी को पूरा किया जायेगा। बैठक में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में टीकाकरण के लिए लाभार्थी के कम संख्या में पहुंचने की जानकारी दी गई। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए इस कार्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, प्रधानों का सहयोग लेने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ ने आयुष्मान कार्ड के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शासन से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सूची प्राप्त हुई है। जिनको आयुष्मान कार्ड बनवाने हैं, वह अपने सीडीपीओ के माध्यम से ब्लॉक में ही कार्ड बनवा सकती हैं। डीएम ने मातृ वंदन योजना में बरखेड़ा,मरौरी, ललौरीखेड़ा ,अमरिया एवं चेहरा प्रमाणीकरण में परियोजना पूरनपुर, बरखेड़ा, बीसलपुर, अमरिया की कम प्रगति पर खासी नाराजगी जताई। विभाग में सहायिकाओं की नियुक्ति में पूरी पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया समय से संपन्न कराने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही मतदाता निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में पूरे मनोयोग के साथ कार्य करने की निर्देश दिए।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर बालक की मौत

संवाददाता, बीसलपुर

● पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमृत विचार: ट्रैक्टर के पीछे लगी चक्की की चपेट में आकर एक बालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सायर निवासी एक ग्रामीण ट्रैक्टर में आटा चक्की लगाकर गांव-गांव जाकर गेहूं पीसने का काम करता है। वह शुक्रवार को काम पर जा रहा था। इसी दौरान जब वह महादेवा में कुछ ग्रामीणों के यहां गेहूं पीसने के बाद अगले गांव को ट्रैक्टर लेकर चला। इसी बीच गांव के कई बच्चे ट्रैक्टर के पीछे लगी आटा चक्की पर लटक गए। बताते हैं कि कई बार मना करने के बाद भी नहीं मानें। इस दौरान ग्राम महादेवा निवासी शमशाद का 10 वर्षीय पुत्र अरमान ट्रैक्टर के पीछे लगी आटा चक्की पर लटक रहा था। अचानक उसका हाथ फिसला और वह ट्रैक्टर के पीछे लगी मशीन के पहिए के नीचे आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर चुर्रासकतपुर चौकी प्रभारी अंकित कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रैक्टर और उसके पीछे लगी आटा चक्की को कब्जे में ले लिया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली के पशुपतिनाथ मंदिर के पास के रहने वाले वेद प्रकाश ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 27 नवंबर की शाम छह बजे वह बीसलपुर से बरेली अपने घर कार से वापस जा रहे थे। रास्ते में जिओ पेट्रोल पंप के आगे मोहम्मदपुर भजा गांव के पास उसकी कार में ट्रक ने टक्कर मार दी और कार को खाई में घसीटते ले गया। जिससे उनकी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आरोप है, कि ट्रक चालक नशे की हालत में था। कोतवाली पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विकास कराने के नाम पर किया खेल, डीएम ने बैठाई जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● पूरनपुर ब्लाक के गांव आनंदपुर-भगवंतापुर के ग्रामीणों ने डीएम से की शिकायत

अमृत विचार : ग्राम पंचायत में विकास कार्य कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया गया है। मामले की शिकायत डीएम से की गई। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दो सदस्यीय जांच समिति गठित करते हुए 15 दिन के अंदर जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

मामला पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत आनंदपुर भगवंतापुर का है। गांव निवासी कांशीराम, राकेश कुमार, रामचद्र, दिलेराम, मनोज कुमार आदि ने पिछले दिनों डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को शिकायती पत्र सौंपा था। आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में विकास कार्य के आई धनराशि का प्रधान सतीश गिरी एवं सचिव विजय कुमार ने दुरुपयोग किया है। शासन की ओर से दी जाने वाली योजनाओं का क्रियान्वयन भी सही तरीके से नहीं किया है। इसका ग्रामीणों को आपेक्षित लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत के मामले में दो सदस्यीय जांच समिति गठित की है। जांच समिति में भूमि संरक्षण अधिकारी कौशल किशोर एवं शारदा सागर खंड के सहायक अभियंता को नामित किया गया है। नामित जांच अधिकारियों को 15 दिन के अंदर जांच कर आख्या रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत पर जांच के लिए जिलाधिकारी द्वारा दो सदस्यीय टीम गठित की गई है।

भाजपा नेता के बयान पर छिड़ी सियासत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● सपा जिलाध्यक्ष बोले: सार्वजनिक तौर पर मांगी जाए माफी

● पूरनपुर लाइनपार इलाके में अंडरपास की मांग से जुड़ा मामला

अमृत विचार: एक दिन पहले पूरनपुर रेलवे स्टेशन पर हुए कार्यक्रम के दौरान लाइनपार इलाके में अंडरपास की मांग को लेकर पहुंची महिलाओं से अपशब्द कहने का आरोप सपा ने लगाया है। इसे लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सपा जिलाध्यक्ष ने निशाना साधते हुए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की मांग की है।

बता दें कि गोरखपुर पीलीभीत एक्सप्रेस का इज्जतनगर (बरेली) तक विस्तार किए जाने को लेकर गुरुवार को पूरनपुर रेलवे स्टेशन पर विधायक समेत कई भाजपा नेता जमा हुए थे। इस दौरान पूरनपुर के लाइनपार इलाके की तमाम महिलाएं वहां पहुंची थी और अंडरपास की मांग पूरी न होने पर प्रदर्शन किया था। उनका कहना था कि इससे डेढ़ लाख आबादी प्रभावित है। आरोप है कि इस दौरान मंच से उतरकर आए एक भाजपा पदाधिकारी ने अपशब्द कह दिए। इसके बाद वीडियो वायरल होने के साथ ही राजनीति भी गरमा गई है। सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने अब इस मामले में निशाना साधा है। उनका कहना है कि पूरनपुर लाइनपार की बड़ी आबादी वर्षों से अंडरपास की मांग कर रही है। महिलाएं अपनी तकलीफ और परेशानियां बताने कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थीं, लेकिन उनकी आवाज सुनने के बजाय अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर राजनीतिक रंग देने की कोशिश की गई। उन्हें सपा समर्थक बताकर पल्ला झाड़ना और जनता की असली समस्या से ध्यान हटाना जनविरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने मांग की है कि विवादित बयान देने वाले भाजपा नेता पर तुरंत कार्रवाई की जाए। अंडरपास व फुटब्रिज की मांग पर सरकार तत्काल ठोस निर्णय ले। महिलाओं से की गई अभद्रता पर सार्वजनिक माफी मांगी जाए।

> महिलाओं का सम्मान करना हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। भाजपा नेता अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए जनता पर ही आरोप लगाने लगे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। समाजवादी पार्टी जनता की लड़ाई लड़ेगी। यह मुद्दा राजनीति का नहीं, जनता की सुरक्षा और सुविधा का है। इसे लेकर संघर्ष जारी रखेंगे।
>
> – जगदेव सिंह जग्गा, सपा जिलाध्यक्ष

एफडी ने बाघ गणना प्रशिक्षण से पूर्व बताईं बारीकियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आज से शुरू होगा प्रशिक्षण

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ गणना शुरू होने जा रही है। इससे पूर्व फील्ड डायरेक्टर (एफडी) एच. राजामोहन ने रेंज अफसरों को बाघ गणना संबंधी बारीकियों से रूबरू कराया। बताया इस बार राष्ट्रीय बाघ गणना गाइडलाइन के अनुसार कराई जाए।

फील्ड डायरेक्टर कार्यालय में शुक्रवार को फील्ड डायरेक्टर एच राजामोहन की अध्यक्षता में बैठक हुई। बताया गया कि राष्ट्रीय बाघ गणना का कार्य 10 दिसंबर से शुरू किया जाना है। प्रशिक्षित स्टाफ एस्टीमेशन करने वाली टीमों को शनिवार से प्रशिक्षण देगा। इस बार बाघ गणना का डाटा एप के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। हालांकि यह कार्य पूर्व की भांति मैनुअल भी किया जाता है। फील्ड डायरेक्टर एच राजामोहन ने कहा कि गणना को लेकर संवेदनशीलता का पूरा पालन किया जाए। इस कार्य में तनिक भी लापरवाही न बरती जाए। गाइडलाइन के मुताबिक ही गणना का कार्य संपन्न कराया जाए। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बाघ गणना को लेकर एस्टीमेशन करने वाली टीमें पूरी गंभीरता से कार्य करें। बैठक में उप प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चौहान, क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव, रोबिन सिंह, अरुण मोहन श्रीवास्तव, लल्लन दीक्षित, शहीर अहमद के अलावा वन एवं वन्यजीव प्रभाग से क्षेत्रीय वनाधिकारी रोहित जोशी, शेर सिंह आदि मौजूद रहे।

महिला से छेड़छाड़ विरोध पर कुल्हाड़ी से हमला

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया गांव का निवासी राजेश कुमार एक साल से उसका पीछा करते हुए परेशान कर रहा है। रास्ते में अक्सर रोककर छेड़छाड़ करता है। उसका पति अक्सर मजदूरी करने के लिए बाहर जाता है। 20 नवंबर की रात 11 बजे राजेश कुमार कुल्हाड़ी लेकर उसके घर में घुस आया और छेड़छाड़ की। विरोध करने पर सिर में कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे वह घायल हो गई। शोर मचाने पर परिवार के सदस्य आ गए और आरोपी धमकी देकर भाग गया। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वाहनों में लगवाए रिफ्लेक्टर, 77 का चालान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गन्ना वाहन में रिफ्लेक्टर लगवाते सीओ विधि भूषण मौर्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: यातायात माह के दौरान नियम उल्लंघन कर दौड़ रहे वाहनों पर कार्रवाई की गई। सीओ ट्रैफिक की अगुवाई में टीमें शुक्रवार को भी चेकिंग करती रही। इस दौरान गन्ना वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी लगवाए गए। नियम उल्लंघन मिलने पर चालान किया गया। पुलिस की चेकिंग से खलबली मची रही।

एसपी के निर्देशन में चल रहे यातायात माह नवंबर के दौरान सीओ ट्रैफिक विधि भूषण मौर्य की अगुवाई में टीमें असम चौराहा, डिग्री कॉलेज चौराहा आदि पर चेकिंग की गई।

परिवहन विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। गन्ना परिवहन में लगे ट्रक/ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालकों को मानकों के अनुरूप परिवहन, पूर्ण दस्तावेज रखने, ओवर हाइट न चलने और रिफ्लेक्टर युक्त लाल कपड़े के प्रयोग के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान ओवर हाइट चलने वाले वाहनों के चालान किए गए और गन्ना ढोने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाकर चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।इस दौरान 77 वाहनों के चालान करते हुए 80500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 20 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

दावत में जा रहे युवक को घेरकर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दावत में जा रहे दो भाइयों के साथ रंजिशन मारपीट की गई। बांके से जानलेवा हमला भी गया। जिसमें वह चोटिल हो गए। पुलिस ने घायलों की मां की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के मोहल्ला यार खां निवासी आबिद बी पत्नी रहमत नवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पुत्र नाजिम, अजीम, अजीम की पत्नी गुरुवार को मोहल्ले में बरात घर में दावत खाने जा रहे थे। रास्ते में इस्लामिया स्कूल से आगे हसीन मियां और उनके पुत्र हसन और हसनैन ने रंजिशन उसके पुत्र नाजिम और अजीम के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। विरोध पर बांके से हमला कर दिया। अजीम की पत्नी ने बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की। शोर पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। उसके दोनों घायल पुत्रों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार: ग्राम मिघाई निवासी रामभरोसे लाल की पुत्री आरती देवी ने बताया उसकी शादी 27 नवंबर 2022 को बरेली के नवादा शेखान थाना बारादरी निवासी राजीव कुमार श्रीवास्तव से हुई थी। ससुराल पक्ष के लोग दहेज से संतुष्ट नहीं थे। मायके से पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज में लाने की मांग कर रहे थे। पति राजीव कुमार श्रीवास्तव, सास गीता देवी, ससुर राम सिंह, जेठ विपिन कुमार भूरे, मुकेश कुमार, जेठानी शशि पत्नी भूरे, पूनम देवी पत्नी विपिन कुमार,ननद मिथिलेश ने मांग पूरी न होने पर फंदे से लटकाकर जान लेने की और जलाने की कोशिश की। 13 मार्च 2024 को घर से निकाल दिया। पुलिस जांच कर रही है।

गांव के बाहर फंदे से लटका मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● एक दिन पहले ही नोएडा से घर वापस आया था मृतक

अमृत विचार: एक दिन पहले ही नोएडा से घर वापस आए युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव गांव के बाहर फंदे से लटका मिला। प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है।

हजारा थाना क्षेत्र के ग्राम अशोक नगर नई बस्ती निवासी गुडानंद मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका बड़ा पुत्र सनी (20) नोएडा में एक दुकान पर काम करता था। गुरुवार को वह कई दिन बाद घर वापस आया था। दूसरे ही दिन शुक्रवार सुबह उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव गांव से करीब दो सौ मीटर बाहर की तरफ शीशम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। परिवार में कहासुनी डांट व फटकार से आहत होकर खुदकुशी करने की चर्चाएं तेज रहीं। पुलिस जांच कर रही है। एसओ हजारा शरद कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के घनश्याम कॉलोनी निवासी काजल गुप्ता की ओर से कोर्ट के आदेश पर सुनगढ़ी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। उसने बताया उसकी शादी तीन साल पहले दीपेश गुप्ता निवासी सेक्टर पांच सुरेश शर्मा मार्केट नोएडा से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से उसके पति के अलावा सास प्रतिभा कुमारी, ससुर हीरालाल,जेठ नन्हेंलाल लाल गुप्ता ने दहेज में पांच लाख रुपये और एक प्लाट की मांग करना शुरू कर दी। दहेज न देने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। तीन अक्टूबर को शाम 5 बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट करते हुए उसका गला दबाकर हत्या की कोशिश की, इसके बाद उसकी ससुराल से निकाल दिया। किसी तरह वह अपने मायके पहुंची और परिजनों को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

दहेज न देने पर शादी करने से किया इंकार

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के एक युवक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने बेटी का विवाह डॉक्टर नरेंद्र भास्कर निवासी ग्राम अंडरायन थाना जहानाबाद के साथ 30 जून 2015 को तय किया था। 30 नवंबर 2025 को शादी होना तय हुई थी। शादी खर्च की राशि 12 लाख रुपये तय हुई थी। अब तक वह 13 लाख रुपये खर्च कर चुका है। इसके बाद भी नरेंद्र भास्कर उसके पिता भगवत दयाल, भाई राजू, सौरभ, बहनोई हर प्रसाद ने 24 नवंबर को दहेज में आठ लाख रुपये अतिरिक्त की मांग की। उसने दहेज देने से मना किया तो आरोपियों ने शादी करने से इंकार कर दिया, जबकि शादी की पूरी तैयारी और कार्ड भी बंट चुके हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

बीडीओ ने निरीक्षण किया

कलान, अमृत विचार : खंड विकास अधिकारी कलान मिर्जापुर ने ब्लॉक क्षेत्र के गांव के पृथ्वीपुर कुबेरपुर एवं दमुलिया ईकरी खेड़ा कबरा सलेमपुर आदि गांव में होने वाले एसआईआर मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर संबंधित बीएलओ द्वारा कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर तेजी लाने की के निर्देश दिए तथा अपात्र लोगों के सूची में दर्ज नाम हटाए जाएं एवं पात्र लोगों को ही शामिल करने का दिशा निर्देश दिया।

लापता ग्रामीण की संदिग्ध हालात में मौत, जंगल के भीतर मिला शव

गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम बैजूनागर में हुई घटना, टीम पड़ताल में जुटी

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में एक ग्रामीण की मौत हो गई। लापता होने के दूसरे दिन उसका शव खेत के नजदीक स्थित जंगल के भीतर लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीमें पहुंची। मौका मुआयना कर जानकारी की। मौत को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए टीमें जांच पड़ताल करती रही। फिलहाल शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम बैजूनागर के रहने वाले 50 वर्षीय जीवनलाल खेती करते थे। गुरुवार को वह घर से बिना बताए निकले और लापता हो गए। देर शाम तक उनकी तलाश की जाती रही, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। खेत के नजदीक में ही पीटीआर की माला रेंज का जंगल है। ऐसे में अनहोनी की आशंका भी सता रही थी। दूसरे दिन शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे उसका शव माला रेंज के जंगल की गढ़ा बीट में जामुन के पेड़ के नीचे लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। एसओ गजरौला बृजवीर सिंह भी पुलिस बल के साथ पहुंच गए। मौका मुआयना कर जानकारी की गई। परिवार वालों में चीख पुकार मच गई। शव के पास ही मृतक के जूते और दरांती पड़ी हुई थी, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। परिजन भी मौत को लेकर कुछ खास नहीं बता सके। जिसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पत्नी कलावती समेत अन्य परिजन का रोकर बुरा हाल रहा। मृतक के एक पुत्र और एक पुत्री है।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, परिवार में मचा कोहराम

कई दिन से चल रहे थे परेशान

लापता होने के दूसरे दिन ग्रामीण का शव मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत की वजह स्पष्ट होने और कार्रवाई को गति देने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। इधर, अभी तक की जांच में ये भी सामने आया है कि जीवनलाल कई दिन से तनाव में थे। इसके पीछे कर्ज को लेकर भी बात निकलकर आ रही है। फिलहाल इसे लेकर पुलिस पड़ताल करा रही है।

> एक ग्रामीण का शव मिलने की सूचना पर पुलिस गई थी। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर स्पष्ट हो सकेगी, उसी आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। जांच पड़ताल कराई जा रही है।
> – बृजवीर सिंह, एसओ गजरौला

22 याड्र्स क्रिकेट अकेडमी का फाइनल में प्रवेश

पीलीभीत, अमृत विचार: फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के पहले सेमीफाइनल मैच में 22 याड्र्स क्रिकेट अकेडमी ने केपीएस बरेली को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

22 याड्र्स क्रिकेट अकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केपीएस की टीम ने 25.1 ओवरों में सभी विकेट खोकर 87 रनों का स्कोर बनाया। हर्ष चौधरी ने सर्वाधिक 20 रन बनाए। अंश सिंह ने 15 रन की पारी खेली। 22 याड्र्स अकेडमी से नरेंद्र ने पांच और विवान गंगवार ने तीन, तन्मय और कार्तिकेय ने एक- एक विकेट चटकाया। जवाब में 22 याड्र्स की टीम ने इस लक्ष्य को आसानी से 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। कार्तिकेय ने सर्वाधिक रन 40 रनों की पारी खेली और अभिराज ने नाबाद 7 रन और अजय ने नाबाद 25 रन बनाए। केपीएस की तरफ़ से अंशुमन और प्रियांश ने एक एक विकेट चटकाया। नरेंद्र को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया।

भाकियू भानु ने सौंपा ज्ञापन, उठाए कई मुद्दे

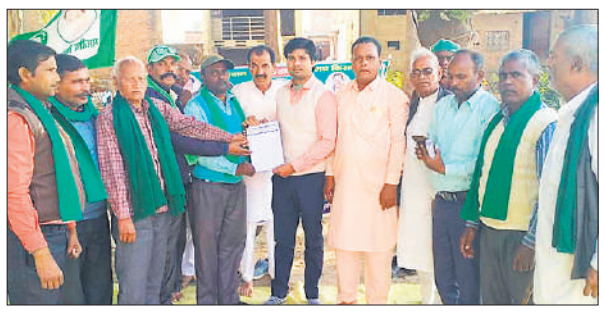

अमरिया तहसील में ज्ञापन देने पहुंचे कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दिसंबर के पहले सप्ताह तक समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अमरिया एसडीएम को पंचायत के बाद ज्ञापन सौंपा। किसानों से जुड़ी समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई।

ज्ञापन में बताया कि पूर्व में कई बार मांग पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन उनमें रखे गए बिंदुओं पर समाधान नहीं हो सका है। इसे लेकर संगठन की ओर से रोष जताया गया। बताया जिन लोगों के प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्री आवास की सर्वे हुई है, उन पात्र परिवारों की सूची दी जाए। छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गोआश्रय स्थल भिजवाने की मांग की गई। गन्ना क्रय केंद्रों पर खड़ी तौल एवं घटतौली पर अंकुश लगाया जाए। माधोपुर फरदिया नहर कैलाश रजवाह की सफाई मशीन के द्वारा कराने के बाद नहर की पटरी एवं रोड पर मिट्टी डाल दी गई है। जिससे रास्ता अवरुद्ध है और राहगीरों को कठिनाई हो रही है। इसका समाधान तत्काल कराया जाए। नवादा श्यामपुर गांव में एक चकरोड पर कब्जा है, उसे हटवाने की मांग की। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष रामगोपाल प्रजापति, रघुवीर सिंह, तहसील अध्यक्ष पीलीभीत नंद किशोर राठौर, सुखलाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

20 जर्जर मार्गों पर होगा विशेष मरम्मत कार्य, 15 करोड़ रुपये होंगे खर्च

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से मिली स्वीकृति
- कृषि विपणन सेवाओं के लिए सत्रह मार्गों पर चल रहे कार्यो की अवशेष धनराशि भी आवंटित

अमृत विचार: केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से जर्जर सड़कों का विशेष मरम्मत कार्य जल्द शुरू होगा। विधायकों की ओर से दिए गए प्रस्तावों पर जिले की 20 जर्जर सड़कों की विशेष मरम्मत कार्य को स्वीकृति दी गई है। इसमें 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। चीनी मिल परिक्षेत्र में कृषि विपणन सेवाओं के लिए 17 सड़कों पर चल रहे चौड़ीकरण, पुनर्निर्माण और नवनिर्माण कार्य के लिए भी अवशेष धनराशि का आवंटन किया गया है।

स्वीकृत किए गए मार्गों में पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की चिड़ियाटोला से अकाल रतन फार्म होते हुए नाकरसर मल्लपुरी गुरुद्वारा संपर्क मार्ग, खिरकिया बरगदिया संपर्क मार्ग व शेष भाग, अमरैयाकलां से महादिया संपर्क मार्ग, पूरनपुर कलीनगर मार्ग से भीमपुर नौगजा केशोपुर संपर्क मार्ग, बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र का न्यूरिया हुसैनपुर संपर्क मार्ग, जौनापुरी से अमीननगर संपर्क मार्ग, सूरजपुर से बढ़वार संपर्क मार्ग, शिवनगर से ग्रांट नंबर एक उर्फ बानगंज संपर्क मार्ग, पीलीभीत बस्ती मार्ग से शिवनगर संपर्क मार्ग, बरखेड़ा पिपराखास मार्ग, दौलतपुर से करोड़ संपर्क मार्ग की छूटी कड़ी संपर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराया जाएगा। विधानसभा बीसलपुर क्षेत्र के सिमरौली संपर्क मार्ग, अकबरगंज सिमरा से लौंगहा नहर की पुलिया तक का विशेष संपर्क मार्ग आदि की मरम्मत भी इसमें शामिल है। समस्त संपर्क मार्गों की लंबाई करीब 49 किमी है और लागत 15 करोड़ है। इन जर्जर मार्गों के विशेष मरम्मत कार्य और चीनी मिल परिक्षेत्र के विपणन कार्यो के लिए चालू कार्यों पर अवशेष धनराशि के आवंटन से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की यात्रा सुगम हो सकेगी।

> इन जर्जर मार्गों पर विशेष मरम्मत कार्य से पीलीभीत के ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों का आवागमन सुगम होगा। जिले की स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास का सशक्त आधार भी बनेगा। केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार पीलीभीत के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।
> – जितिन प्रसाद, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद

एसआईआर को लेकर लगाया जागरुकता शिविर

शिविर में मौजूद समिति सदस्य व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समाधान विकास समिति के तत्वाधान में राजकीय पुस्तकालय पीलीभीत में एसआईआर पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

समाधान विकास समिति के लक्ष्मीकांत शर्मा, जहानाबाद इंटर कॉलेज जहानाबाद के पूर्व प्रधानाचार्य सतीश चंद्र, सेवानिवृत शिक्षक तिलक राम ने बताया कि सरकार के नए नियम के अनुसार हर मतदाता को एसआईआर फॉर्म भरना अनिवार्य है। अब इस नए नियम के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक की जानकारी दोबारा सत्यापित की जाएगी, जिससे मतदान प्रक्रिया स्वच्छ एवं पारदर्शी हो। इसका उद्देश्य चुनाव आयोग तक प्रत्येक मतदाता की सही जानकारी पहुंचाना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों की विचार प्रस्तुति में रजनी, कमलेश कुमार और संगीता देवी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शांति स्वरूप, भारत वर्मा, कुशल पटेल, निशा, सोनी देवी ने अच्छे विचार प्रस्तुत किए।

पेड़ काटने पर भिड़े कर्मचारी, खुली पोल

पीलीभीत, अमृत विचार: पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में लगे सूखे पेड़ को कटाने को लेकर दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आपस में भिड़ गए। इसमें नियम उल्लंघन और मारपीट करने तक का आरोप लगा दिया गया। फिर मामला एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए कई गंभीर आरोपों तक पहुंच गया।

एक कर्मचारी ने दूसरे पर जिम्मेदारों की शह पर गोलमाल का आरोप लगाया तो दूसरा भी पीछे नहीं रहा। उसने भी दूसरे पर गोदाम से कोलतार निकालने में किए जा रहे गोलमाल की बात कहना शुरू कर दिया। बात सिर्फ यही नहीं थमी जो कर्मचारी पेड़ कटवा रहा था उस पर आरोप लगाया कि वह तो हरे पेड़ चूना डालकर सुखा रहा है। विरोध करने पर हमला करने की भी बात कही। जबकि दूसरे ने इंकार किया। अफसर को वाट्सअप पर सूचना देने की भी बात कही। जिसके बाद कई लोग जमा हुए और मामला शांत कराया।

अब दो दिसंबर को होगी परीक्षा

पीलीभीत, अमृत विचार: राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा पूर्व में अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा कर दी गई है। 2 दिसंबर को स्प्रिंगडेल केंद्र पर परीक्षा होगी। जिसमें कक्षा 12 के भौतिक विज्ञान, इतिहास, पर्यावरण विज्ञान और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के पेपर होगें। कक्षा 12 की परीक्षा का समय दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक होगा। कक्षा 10 की चित्रकला की परीक्षा दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक होगी। पूर्व में 19 सितंबर को जारी मूल तिथि-पत्र में उल्लिखित समस्त दिशा-निर्देश प्रभावी रहेंगे।

आबादी के नजदीक गन्ने के खेत में पहुंचा बाघ, मचा हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- खेत में काम कर रहे मजदूरों में मची भगदड़, फार्म हाउस पर पहुंचकर बचाई जान
- सूचना पर पहुंची टीम, बराही रेंज से सटे बराही गांव का मामला

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के सटे इलाके में सुबह बाघ के दिखने से हड़कंप मच गया। खेत में बाघ को खड़ा देख गन्ने की छिलाई कर मजदूरों में भगदड़ मच गई। घबराए मजदूरों ने फार्म हाउस पर पहुंचकर जान बचाई। इधर बाघ की मौजूदगी की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची वन वन विभाग की टीम ने जांच पड़ताल के बाद निगरानी बढ़ा दी है। इधर किसानों का कहना है कि क्षेत्र में एक बाघिन अपने शावकों के साथ देखी जा रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही एवं माला रेंज से सटे इलाकों में बाघ समेत अन्य वन्यजीवों की चहलकदमी बढ़ने लगी है। खेतों में वन्यजीवों की मौजूदगी से मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका भी बढ़ने लगी है। गांव निवासी किसान सुखदीप सिंह ने बताया शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे मजदूर खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे थे। इस दौरान उनकी नजर एक खेत से निकलकर दूसरे खेत में जा रहे बाघ पर पड़ी। बाघ को देख मजदूरों में भगदड़ मच गई। घबराए मजदूर फार्म हाउस की ओर भाग खड़े हुए। इसकी जानकारी होते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। कुछ देर बाद ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों का कहना था कि बाघ ने एक छुट्टा पशु को भी निवाला बनाया है और उसके बाद उसे गन्ने के खेत में खींचकर ले गया है। इसी कारण बाघ यहां मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने पिछले कई दिनों से क्षेत्र में शावक के साथ एक बाघिन के घूमने की भी बात कही है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों खेतों में गन्ने की छिलाई कर रही है। वहीं खेतों में जंगली जानवर भी घूम रहे हैं। भय के चलते मजदूर भी काम करने का तैयार नहीं हैं। वन विभाग को माकूल इंतजाम करने चाहिए। इधर सूचना पर स्थानीय रेंज की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद निगरानी बढ़ा दी है।

खेत में बाघ की मौजूदगी की जानकारी पर जुटी भीड़। ● अमृत विचार

> सूचना मिलने पर टीम को मौके पर भेजा गया था। टीम को परिस्थितियों के अनुसार निगरानी करने के निर्देशित किया गया है। ग्रामीणों से भी अपील है कि वे खेतों में अकेले न जाकर समूह में जाएं।
> – भरत कुमार डीके, डीएफओ, सामाजिक वानिकी प्रभाग।

अपना वोट बनवाने के लिए दिखाएं जागारुकता

एसआईआर को लेकर जागरुक करते देवस्वरुप पटेल। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक एवं किसान नेता देव स्वरूप पटेल एसआईआर को लेकर भाजपा नेताओं के साथ क्षेत्र में निकले। ग्राम वैदखेड़ा, रायपुर, शिवपुरी, नवदिया बोनी, दौलतपुर हीरा, शाबाजपुर, जानपुर, मानपुर, मरौरी, खनंका, मलूकापुर, करमापुर माफी गांव पहुंचकर लोगों को जागरुक किया। कहा कि गहन पुनरीक्षण अभियान देश के लोकतंत्र को मजबूत करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। पटेल ने कहा कि केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद का संदेश है कि एसआईआर अभियान में सभी बीएलओ का साथ दें। सभी मतदाता अपना वोट बनवाने को जागरूकता के साथ स्वयं आगे आएं। अगर कहीं कोई विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में किसी को कोई दिक्कत आती है उसके लिए अधिकारी खुद जुटे हुए हैं। ग्राम दौलतपुर हीरा में रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया और जानकारी ली।

विरोध में डटे रहे ठेकेदार

पीलीभीत, अमृत विचार: ठेकेदारों के बीच चल रही टेंडर को लेकर खींचतान के बीच जिला पंचायत का माहौल गर्माया हुआ है। शिकायत के बाद दूसरे दिन भी ठेकेदार दफ्तर के बाहर जमा रहे और जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि का इंतजार होता रहा कि शायद कोई हल निकाला जा सके।

बीते दिनों जिला पंचायत में कई कार्यों की ई-निविदाएं निकाली गई थी। इसमें हुए टेंडर का कई पंजीकृत ठेकेदार विरोध कर चुके है। आरोप है सार्वजनिक अवकाश के दिन टेंडर खोले गए और जिनको काम दिया गया है उनके अभिलेख भी अधूरे हैं। डीएम की ओर से कमेटी गठित कर दी गई है। इसकी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शुक्रवार को भी ठेकेदार जिला पंचायत में डेरा जमाए रहे और जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि का इंतजार मुलाकात के लिए किया जाता रहा। दोपहर दो बजे तक अध्यक्ष प्रतिनिधि नहीं पहुंच सके थे।

फतेहपुर की घटना के विरोध में सौंपा ज्ञापन

एसडीएम बीसलपुर को ज्ञापन देते लेखपाल। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के लेखपालों ने शुक्रवार को तहसील कार्यालय के पास धरना देकर नारेबाजी की। जनपद फतेहपुर में लेखपाल सुधीर कुमार की मौत को लेकर छह सूत्रीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन एसडीएम नागेंद्र पांडेय को सौंपा गया।

लेखपाल संघ के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष प्रशांत गंगवार के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचे और धरना दिया। उन्होंने जनपद फतेहपुर में सुधीर कुमार लेखपाल द्वारा की गई आत्महत्या को लेकर ज्ञापन दिया। जिसमें मांग करते हुए कहा कि संजय कुमार सक्सेना पीसीएस अधिकारी का नाम अज्ञात के स्थान पर प्राथमिकी में दर्ज किया जाए। मृतक की मां को 50 लाख रुपये सहायता धनराशि दी जाए, मृतक के परिवार को सरकारी नौकरी दी जाए, एसआईआर की अंतिम तिथि आगे बढ़ाई जाए, लेखपालों के साथ सद-व्यवहार, संवेदनशीलता एवं संवाद स्थापित करने, उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ पदाधिकारी के साथ शासन के निर्देशानुसार नियमित बैठक करने के निर्देश समस्त जिलाधिकारियों और एसडीएम को निर्गत किए जाएं। लेखपालों को सामान्य उप निर्वाचन, मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान परिभाषित ड्यूटी के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में एक माह का वेतन के बराबर मानदेय भुगतान दिलाने की मांग की। इस मौके पर विनय कुमार, सुनील कुमार, कुशवेंद्र, केके सागर, जय मेहरा, जाहिद अली, सीमा देवी, सनी आदि लेखपाल शामिल रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

कमरे में रखी अलमारी से जेवर चोरी

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नौगमा मुबारिकपुर का मजरा कछिया नगला निवासी सरोजनी पत्नी बृजेश मौर्य ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया है कि बृहस्पतिवार की रात वह अपने मकान के कमरे में लेटी हुई थी और चचेरा भाई आया हुआ था। वहीं सास एक दावत में गई हुई थी। जिससे पड़ोस के कमरे में कोई लेटा नहीं था। जिसमें जेवर कपड़ों की अलमारी रखी थी। चोरों ने बृहस्पतिवार की रात किसी समय अलमारी से सोने का मांगबेदा मंगलसूत्र झाले बेसर चांदी का हाथफूल आदि चुरा लिया।

आरोपियों को फांसी दिलाने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नई बस्ती तिलहर के समाजसेवियों और सभासदों ने लालकिले में हुए बम विस्फोट के आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन पर वार्ड 22 नई बस्ती के सभासद सुमित गुप्ता, उमरपुर के सभासद संदीप रस्तोगी, एडवोकेट पदर सिंह, समाजसेवी कौशल कुमार गुप्ता और तिलहर के अन्य कई निवासियों के हस्ताक्षर किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि दोषियों को फांसी की सजा देकर न्याय सुनिश्चित किया जाए।

रेलिंग और रोशनी न होने से लगातार हो रहे हादसे

लंबे समय से उठाई जा रही सड़क के सुधार की मांग, जिम्मेदार बने हुए हैं अंजान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अनियंत्रित कार के गौहनिया तालाब में उतरने के बाद एक बार फिर अव्यवस्थाओं के सुधार की मांग ने जोर पकड़ा है। तालाब के आसपास की जर्जर सड़क से लेकर अन्य अव्यवस्थाओं को दूर करने में बरती जा रही अनदेखी पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि आखिर लगातार हादसों के बाद भी निस्तारण क्यों नहीं? जबकि इस पर दिव्यांगों, स्कूली बच्चों की भी आवाजाही बड़ी संख्या में होती है। फिलहाल अब जल्द ही जर्जर मार्ग के सुधार की बात नगर पालिका के जिम्मेदार कह रहे हैं।

टनकपुर हाईवे से सटे गौहनिया चौराहा से जिला अस्पताल मोड़ के बीच ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण को लेकर लंबे समय से प्रयास चल रहे हैं। टनकपुर हाईवे व माधोटांडा मार्ग के किनारे स्थित इस गौहनिया तालाब में प्राकृतिक जल स्त्रोत के चलते हमेशा पानी भरा रहता है। मगर तालाब के आसपास हो रहे अतिक्रमण की वजह से उसका स्वरूप काफी बिगड़ चुका है। तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना पर भी काम शुरू किया गया था। पीटीआर जाने वाले पर्यटकों को रोमांचित करने के लिए गौहनिया तालाब को मिनी नैनीताल के रूप में विकसित करने की तैयारियां चली। यह कार्य पर्यटन विभाग के स्तर होने की बातें कही गई। इससे सटकर अवध नगर कॉलोनी को सड़क जाती है। इसके पास बरात घर, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, रेशम फैक्ट्री , होमगार्ड कार्यालय, स्कूल आदि हैं। इसके बावजूद लंबे समय से इस सड़क की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। इस तालाब की बाउंड्री पर रेलिंग नहीं है। ऊपर से जर्जर सड़क और रोशनी के पर्याप्त इंतजाम नहीं है। जिसके चलते कई हादसे हो चुके हैं। कई बार चार पहिया वाहन सवार तालाब में गिर चुके हैं। कईयों की जान भी इस तालाब में डूबकर जा चुकी है।

गुरुवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर तालाब में चली गई थी। जिसमें चालक फंस गया था और नाविक समेत दो लोगों की मदद से उसकी जिंदगी बचाई जा सकी थी। इस हादसे के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इस दौरान एक बार फिर अव्यवस्था को दूर न किए जाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मार्ग से स्कूली वाहन भी गुजरते हैं। सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। कई हिस्से से तो सड़क कटकर तालाब में समां चुकी है और नजदीक से पैदल निकलते वक्त भी तालाब में गिरने का डर सताता रहता है। इसी तालाब में सभासद के पति की भी डूबकर मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई युवाओं ने इस तालाब में कूदकर खुदकुशी करने की भी कोशिश की थी। सभासद के स्तर से भी कई बार सुधार के लिए प्रस्ताव रखे गए। हिंदू महासभा समेत कई संगठन भी इस अव्यवस्था को दूर करने की मांग रख चुके हैं, लेकिन हालात बद से बदतर बने हुए हैं। इसके बावजूद अभी तक कोई सुधार नहीं है। तालाब के पास ही जिला पंचायत का बरात घर भी है। इसमें समारोह आयोजित करने के दौरान देर रात तक आवाजाही रहती है। ऐसे में जर्जर मार्ग पर रोशनी के भी पर्याप्त इंतजाम नहीं है। बारिश के दिनों में तो जलभराव के बाद सड़क और तालाब का अंतर भी पता नहीं लगता है। सालों से चली आ रही बदहाली को दूर करने में जिम्मेदार बेपरवाह नजर आ रहे हैं।

गौहनिया तालाब से सटी अवध नगर कॉलोनी जाने वाली जर्जर सड़क। ● अमृत विचार

तालाब से सटकर गुजरती स्कूल वैन।

चेयरमैन बोलीं: सड़क का हो चुका टेंडर, जल्द शुरू होगा काम

गौहनिया तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य पर्यटन विभाग के स्तर से होना है। शुरुआत में 12 लाख का बजट मिला था, मगर उससे काम होना संभव नहीं था। इसलिए बजट वापस कर दिया गया था। दोबारा से प्रस्ताव बनाकर भेजा है, बजट आते ही काम शुरू कराया जाएगा। अवध नगर कॉलोनी वाली सड़क का टेंडर हो चुका है। जल्द ही काम भी शुरू हो जाएगा।

– डॉ. आस्था अग्रवाल, चेयरमैन नगर पालिका पीलीभीत

लोस चुनाव में मचा था मतदान बहिष्कार का शोर

बता दें कि कई बार कहने के बाद भी जब इस मार्ग की बदहाली दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो विरोध के सुर भी उठे थे। अवध नगर कॉलोनी टनकपुर हाईवे से सटी हुई है। इस कॉलोनी में करीब 250 से अधिक आवास हैं। कई मकानों में सड़क, सुविधा नहीं तो वोट नहीं, के पोस्टर भी चस्पा कर दिए गए थे। कॉलोनी वासियों का कहना था कि मूलभूत सुविधाओं के लिए नगर पालिका को सभी टैक्स देते हैं, लेकिन फिर भी बदहाली दूर नहीं हो रही। सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। जिनकी न तो मरम्मत कराई जा रही है और न ही नए तरीके से बनवाया जा रहा है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। उस वक्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही नगरपालिका के जिम्मेदार पहुंचे थे और लोगों को सुधार का आश्वासन दे दिया गया था। मगर अब डेढ़ साल बाद भी हालात बेहतर नहीं हो सके हैं। हादसे दर हादसे हो रहे हैं, इसके बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा सका है।

केंद्र प्रभारी की मनमानी से किसान परेशान

बीसलपुर, अमृत विचार: मंडी समिति परिसर में खोले गए 33 धान क्रय केंद्रों पर विगत तीन अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई। अभी तक लगभग 70 हजार कुंतल धान की खरीद हो चुकी है। मगर, मंडी के क्रय केंद्रों से धान का उठान न होने के कारण मंडी के सभी टीन शेड धान की बोरियों से पटे हैं। नियम दरकिनार कर केंद्र प्रभारियों ने धान की खरीदने में लगभग रोक लगा दी।

जिसके चलते मंडी में धान विक्रय करने आने वाले किसानों की ट्रालियों की लाइनें बिलसंडा मार्ग पर लगी हुई है। लगभग तीन हजार कुंतल से अधिक धान लदा हुआ है। किसान अपना धान विक्रय करने को लगातार केंद्र प्रभारी से गुहार लगा रहे है कि धान की तौल हो जाए। केंद्र प्रभारी जगह न होने की मजबूरी बताकर धान क्रय करने मे आना-कानी कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनके धान खरीदने के लिए लेखपाल द्वारा उन्हें टोकन भी जारी कर दिए हैं।मंडी के एमओ जय सिंह का कहना है कि वह प्रयासरत है। शीघ्र ही धानों का उठान शुरू हो जाएगा और किसानों का धान भी खरीदा जाएगा।

एसआईआर: फॉर्म जमा हुआ है या नहीं, घर बैठे जाने

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अपने क्षेत्र के बीएलओ की जानकारी भी करना आसान
- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में 4 दिसंबर तक जमा होंगे फॉर्म

अमृत विचार: जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। इसे लेकर मतदाताओं में अपने गणना प्रपत्र जमा करने के बाद उसे बीएलओ द्वारा ऑनलाइन किया गया अथवा नहीं, इसको लेकर मतदाताओं में संशय की स्थिति बनी हुई है। वहीं कुछ मतदाता अपने बीएलओ के संबंध में जानकारी लेना चाहते हैं। इन सब परिस्थितियों में मतदाता स्वयं घर बैठे अपने फॉर्म आदि की स्थिति जांच सकते है। वहीं यदि कोई त्रुटि है तो इसकी सूचना सीधे बीएलओ को दे सकते हैं।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में 4 नवंबर से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चल रहा है। अभियान के तहत बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण करने के साथ मतदाताओं से भरवाकर उसे वापस प्राप्त कर बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज्ड कर रहे हैं। अभियान के दौरान फॉर्म जमा करने के बाद उसकी स्थिति जानने को लेकर मतदाताओं में चिंता है। कई मतदाताओं को यह पता नहीं चल पा रहा है कि उनके फॉर्म ऑनलाइन हो रहे हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में मतदाता स्वयं घर बैठे अपने फॉर्म की स्थिति जांच सकते है। इसके लिए निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://voters.eci.gov. in पर क्लिक करें। यहां जाकर आसानी से पता कर सकते हैं कि बीएलओ ने उनका फॉर्म ऑनलाइन जमा किया है या नहीं। वेबसाइट खोलने के बाद राज्य चुनना है। इसके बाद मतदाता पहचान पत्र संख्या दर्ज करनी है और सर्च के ऑप्शन में जाना है। जानकारी भरने के बाद यदि फॉर्म बीएलओ ने अपलोड कर दिया गया है, तो स्क्रीन पर सफलतापूर्वक जमा हुआ दिखाई देगा। वहीं जिन मतदाताओं ने अपना फॉर्म स्वयं ऑनलाइन भरा है, उनके लिए भी यही प्रक्रिया लागू है। इससे मतदाता बार-बार बीएलओ के पास जाने या कॉल करने की परेशानी से बच सकते हैं।

बीएलओ के बारे में ऐसे करें जानकारी

यदि किसी मतदाता के पास गणना प्रपत्र नहीं पहुंचा है, या उसे यह जानना है कि उनके क्षेत्र का बीएलओ कौन हैं। तो इसके लिए भी मतदाताओं को कहीं जाने की जरूरत नहीं है। इसके लिए भी मतदाता को https://voters.eci.gov.in में जाना है। सबसे पहले मोबाइल नंबर रजिस्टर करना होगा। एपिक नंबर के ऑप्शन में एपिक नंबर यानी वोटर आईडी नंबर अंकित करना होगा। एपिक नंबर डालकर सर्च करने पर बीएलओ का नाम आ जाएगा।

अब नोडल अधिकारियों की देखरेख में बंटेगा राशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम ने नोडल अधिकारियों को जारी किए निर्देश

अमृत विचार: जनपद की उचित दर दुकानों पर अब दिसंबर से फरवरी माह तक नामित नोडल अधिकारियों की देखरेख में राशन वितरण किया जाएगा। इसे लेकर डीएम ने नोडल अधिकारियों ने उचित दर की दुकानों पर उपस्थित रहकर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

जनपद में 850 से अधिक राशन कोटे की दुकानें संचालित की जा रही हैं। इन राशन कोटे की दुकानों से शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों के 3.50 लाख से अधिक कार्डधारक जुड़े हैं, जो हर माह इन राशन कोटे की दुकानों से राशन लेते हैं। इधर अब शासन ने राशन कोटे की दुकानों पर नोडल अधिकारियों की देखरेख में राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्देश पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने नामित नोडल अधिकारियों को दिसंबर से फरवरी 2026 तक राशन कोटे की दुकानों पर उपस्थित रहकर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि उचित दर विक्रेताओं द्वारा राशन कार्डधारकों को ई-वेईग मशीन लिंक्ड ई-पास के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण द्वारा राशन वितरण किया जाएगा। ऐसे राशन कार्डधारक जो किन्हीं कारणों से आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन लेने से वंचित रहते है तो उन्हें वितरण दिवस के अंतिम दिन ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से राशन मुहैया कराया जाएगा।

मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से होने वाले वितरण के समय कार्डधारक से आधार प्रमाणीकरण न होने के कारण तथा उसका परिवार किसी अन्य सदस्य का मोबाइल नंबर संरक्षित किया जाएगा। वहीं संबंधित पूर्ति निरीक्षक द्वारा उक्त मोबाइल नंबर की पुष्टि सुनिश्चित करते हुए कार्डधारक के मोबाइल नंबर को राशन कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम में लाभार्थी के डाटाबेस में फीड कराया जाएगा। बता दें कि शासन के निर्देशानुसार माह दिसंबर, जनवरी एवं फरवरी में अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को 14 किलो गेहूं प्रति कार्ड और 21 किलो चावल प्रति राशन कार्ड दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को दो किलो गेहूं प्रति यूनिट और तीन किलो चावल प्रति यूनिट निःशुल्क दिया जाएगा।

अब 20 मीटर के दायरे में चल सकेगी ई-पॉस मशीन, रुकेगी कालाबाजारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ई-पॉस मशीन में शुरू किया गया 3.31 का नया वर्जन
- शाम 8 बजे के बाद नहीं बेंच सकेंगे खाद, जल्द होगी अपडेशन

अमृत विचार: अब खाद की कालाबाजारी और मनमानी बिक्री पर अंकुश लग सकेगा। शासन ने ई-पॉस मशीन का नया 3.31 वर्जन जारी किया है। अब ई-पॉस मशीन लाइसेंसधारक की दुकान या समिति के 20 मीटर दायरे में ही चल सकेगी। वहीं शाम 8 बजे के बाद ई-पॉस मशीन स्वतः ही काम करना बंद कर देगी। ई- पॉस मशीन में यह अपडेशन भी जल्द होने वाला है।

जनपद में एक हजार से अधिक उर्वरक लाइसेंस धारक और समितियां है। यह सभी ई-पॉस मशीन के माध्यम से उर्वरकों की बिक्री करते हैं। इन दिनों जनपद में ई-पॉस मशीनों को अपडेट करने का काम चल रहा है। दरअसल शासन की ओर से ई-पॉस मशीन का नया वर्जन जारी किया गया है। अपडेशन पूरा होने के बाद सभी ई-पॉस मशीनें नए प्रारुप के अनुसार काम करने लगेगी। बता दें कि पिछले दिनों सरकार ने जनपद में उर्वरक बिक्री की समीक्षा की थी। समीक्षा में जिले के 57 उर्वरक बिक्री केंद्रों द्वारा शाम 8 बजे के बाद बिक्री करना पाया गया था। कालाबाजारी की आशंका के चलते इनमें कुछ के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। नई-पॉस मशीन का अपडेशन होने के बाद खाद की कालाबाजारी और मनमानी बिक्री पर पूरी तरह अंकुश लग जाएगा। विभाग के मुताबिक अपडेट होने के बाद ई-पॉस मशीन केवल उसी दुकान के 20 मीटर के दायरे में ही काम करेगी, जिसके लिए लाइसेंस जारी हुआ है। इससे अवैध गोदामों या दूसरी जगहों से होने वाली बिक्री रुक जाएगी। इस नए वर्जन में यह भी पता चल सकेगा कि किसान से पूर्व में कितनी खाद ली थी। फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरा होते ही सिस्टम किसान की जमीन का डाटा पढ़कर उसी अनुपात में खाद उपलब्ध कराएगा। वहीं रात में भी खाद की बिक्री के खेल पर अंकुश लगने जा रहा है। अपडेशन पूरा होने के बाद ई-पॉस मशीनें रात्रि आठ बजे के बाद काम करना बंद कर देगी। कुल मिलाकर नया वर्जन आने से खाद को लेकर चल रहे खेल पर काफी हद तक अंकुश लग सकेगा।

> ई-पॉस मशीन का नया वर्जन जारी किया गया है। जनपद में सभी ई-पॉस मशीनों को अपडेट किया जा रहा है। इससे खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लग सकेगा। – नरेंद्र पाल, जिला कृषि अधिकारी

बाइकों की टक्कर में तीन घायल

पीलीभीत, अमृत विचार: बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। गुरुवार रात यसवंतरी मंदिर से ठेका चौकी मार्ग की तरफ ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर हो गई। दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक स्कूटी भी टकरा गई। तीनों के चालक घायल हो गए। एसएन कॉलेज के शिक्षक इंतजार खान गुजर रहे थे वह रुक गए और दोनों वाहन साइड में कराए। एंबुलेंस को काल कर बुलाया। एएसपी विक्रम दहिया को कॉल की गई और फिर तब तक एंबुलेंस आ गई जिससे घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस की गाड़ी भी आ गई और दोनों वाहन को कोतवाली ले गई। शिक्षक इंतजार ख़ान ने बताया दोनों वाहन चालक हेलमेट नहीं लगाए थे अगर दोनों को हेलमेट लगा होता इतनी चोट नहीं आती।

लापरवाही पर बिफरा बोर्ड तो ईओ का वेतन रोका

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चेयरमैन की ओर से ईओ को जारी किया गया अंतिम चेतावनी नोटिस
- जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सफाई व्यवस्था समेत कई काम में थी लापरवाही

नगर पालिका पीलीभीत का भवन।

अमृत विचार : नगरपालिका में चल रही खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब ईओ की कार्यशैली पर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। कर्मचारियों के तबादले का आदेश निरस्त करने के बाद चेयरमैन और बोर्ड खफा हो गया है। इसके अलावा विकास कार्यों में बार-बार होने वाली देरी, फाइलों को रोककर रखने की प्रवृत्ति, जनसुनवाई में अनुपस्थिति और शासनादेशों की लगातार अवहेलना के चलते चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल की ओर से उनके खिलाफ शासन में पत्राचार किया है। साथ ही बोर्ड की संस्तुति पर उनका नवंबर माह का वेतन रोक दिया है। उन्हें अंतिम चेतावनी नोटिस भी जारी किया गया है।

बता दें कि नगरपालिका की ओर से निकाले गए टेंडर का वर्क आर्डर जारी न करने की वजह से कई निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। साथ ही 15वें वित्त आयोग और जन्म-मृत्यु के प्रमाण पत्र में देरी होने से पालिका की छवि धूमिल में हो रही है। इसे लेकर चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल की ओर से ईओ संजीव कुमार की कार्यशैली को देखते हुए नोटिस जारी किया है।

जारी किए गए नोटिस में कहा गया कि 15वें वित्त आयोग (अनटाइड/टाइड ग्रांट) एवं अवस्थापना निधि से प्राप्त धनराशि के महत्वपूर्ण कार्यों को अधिकारी द्वारा लगातार टालमटोल और लापरवाही के चलते समय पर आगे नहीं बढ़ाया जा सका। डीएम की 25 सितंबर 2025 की स्वीकृति के बावजूद निविदा प्रकाशन में 15 दिन की देरी हुई, जबकि तकनीकी और वित्तीय बिड खोलने में भी अनावश्यक विलंब किया गया। 27 नवंबर 2025 तक भी न्यूनतम निविदा दाताओं को स्वीकृति और कार्यादेश जारी न होने से विकास कार्य प्रभावित हुआ। निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने भी बताया कि अधिकारी फ़ाइलें अपने पास रोक लेते हैं, जिससे कार्य आगे नहीं बढ़ पाते। टाइड ग्रांट के तहत कार्ययोजना तैयार करने में 60 दिनों की देरी, जन्म-मृत्यु पटल पर कार्यरत लिपिक के बारे में जारी निर्देशों का पालन न करना, नागरिकों को प्रमाणपत्र जारी होने में हो रही समस्याओं का भी जिक्र किया है। ब्रह्मचारी घाट के सौंदर्यीकरण और रिटेंशनवाल निर्माण में 18 माह से चल रही देरी पर भी कोई पत्राचार या निरीक्षण न करने पर अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया गया है।

नवंबर माह का वेतना रोका गया

सफाई कर्मियों के ट्रांसफर को बिना अनुमोदन के ही निरस्त कर दिया गया। कई बार चेतावनियों के बावजूद सुधार न होने पर ईओ के नवंबर माह के वेतन पर रोक लगाई गई। साथ ही अंतिम चेतावनी जारी की गई है। चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने बताया कि ईओ की कार्यशैली में सुधार न होने के कारण पालिका की छवि धूमिल हो रही है। इसलिए उनको नोटिस जारी करते हुए नवंबर माह का वेतन रोका गया है। साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह भी पकड़ा गया

निघासन, अमृत विचार : पूछताछ के दौरान रिश्वत की बात रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह तक पहुंचने पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें भी हिरासत में ले लिया। प्राथमिक पूछताछ के बाद दोनों अधिकारियों को टीम अपने साथ जिला मुख्यालय ले गई है, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अचानक हुई इस कार्रवाई से दक्षिणी वन रेंज में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से परमिट जारी करने और निरीक्षण के नाम पर पैसे वसूले जाने की शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन पहली बार इतनी बड़ी कार्रवाई हुई है। एंटी करप्शन विभाग ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच कर रहा है।

अयोध्यापुर गांव में पशुशाला से 3 भैंसा चोरी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के अयोध्यापुर गांव निवासी गजराज ने बताया कि गांव में उनके घर के पास ही पशुशाला बनी है, जिसमें उनके कई पशु बंधे थे। बीती रात चोर उनके तीन भैंसा खोल ले गये हैं। सुबह जब वह सोकर उठे तो उन्हें भैंसा चोरी हो जाने की जानकारी हुई। गांव के बाहर किसी चौपहिया वाहन के टायरों के निशान बने मिले हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर पशुओं को वाहन में लादकर ले गये होंगे। उन्होंने पुलिस को तहरीर दी है।

आम के पेड़ों का अवैध कटान, अधिकारी चुप

कुकरा, अमृत विचार : महेशपुर वन रेंज की वन वीट हिम्मतपुर क्षेत्र में पड़रिया भट्टे से लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक झाले पर आम के पेड़ों का अवैध कटान हुआ है। इसकी शिकायत वन अधिकारियों से की गई है, लेकिन अधिकारी चुप्पी साधे हैं। इस बाबत महेशपुर के रेंज निर्भय प्रताप शाही का कहना है कि आम कटान का मामला संज्ञान में आया है। वनकर्मी को मौके पर भेजकर देखवाता हूं। दोषी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रुद्रमहायज्ञ की कलश यात्रा आज

औरंगाबाद, अमृत विचार : श्री रुद्रमहायज्ञ व संत समागम की कलश यात्रा 29 नवंबर को निकाली जाएगी। महायज्ञ की पूर्णाहुति चार दिसंबर को विशाल भंडारे के साथ होगी। यज्ञ अध्यक्ष मुरारी लाल गुप्ता ने बताया कि सभी तैयारी पूरी हो चुकी है। मुख्य यज्ञाचार्य पं. राम शत्रुहन शुक्ल रहेंगे।

एसआईआर फॉर्म भराने में दिक्कतें, बीएलओ परेशान

घरों में नहीं मिल रहे लोग, रिसीविंग न मिलने की भी शिकायतें, जबकि लोगों का आरोप है कि बीएलओ ने नहीं दी रिसीविंग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: एसआईआर फॉर्म भरवाने को लेकर बीएलओ लगातार परेशानियों का सामना कर रहे हैं। कई जगह लोगों के घर पर न मिलने से कार्य प्रभावित हो रहा है, जबकि दूसरी ओर कुछ लोगों का आरोप है कि उन्होंने भरे हुए फॉर्म जमा कर दिए, लेकिन बीएलओ की ओर से रिसीविंग नहीं दी गई। वहीं, बीएलओ का कहना है कि अधिकतर फॉर्म बांटे जा चुके हैं, लेकिन लोग उन्हें वापस नहीं कर रहे। कई परिवार घर पर मिलते ही नहीं, और जो मिलते हैं, वे बताते हैं कि अभी फॉर्म भर नहीं पाए हैं। इससे बीएलओ का कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

जिले में 28 लाख वोटरों के एसआईआर फॉर्म भरवाए जाने हैं। इसके लिए 2,903 बीएलओ तैनात हैं। इसमें शिक्षा विभाग, आशा बहुएं, रोजगार सेवक, आंगनवाड़ी, पंचायत सहायक आदि लगे हुए हैं। साथ ही बीएलओ की सहायता के लिए सुपरवाइजर लगाए गए हैं। फॉर्म जमा कराने की प्रक्रिया में अब केवल छह दिन शेष हैं, लेकिन अभी तक सिर्फ 48 प्रतिशत डिजिटलीकरण का कार्य पूरा हो पाया है। कुल लक्ष्य का आधे से अधिक काम अभी बाकी है। हालांकि पूरा प्रशासन इस कार्य काके पूर्ण कराने के लिए जुटा है। बीएलओज को सम्मानित भी किया जा रहा है। बीएलओ ने अधिकांश फॉर्म बांट भी दिए हैं, लेकिन लोगों का सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

अधूरा होगा फॉर्म तो भी नहीं कटेगा नाम : मूड़ा सवारान। एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि चार दिसंबर है। अगर मतदाता घर पर नहीं है या फॉर्म में मांगी गई जानकारी नहीं उपलब्ध हो पा रही है तो फार्म पर मतदाता की जन्मतिथि उसके माता-पिता का नाम भरकर हस्ताक्षर कर बीएलओ के पास जमा कर दें। मतदाताओं का नाम नहीं कटेगा। विशेष पुनरीक्षण अभियान गणना प्रपत्र पर जन्मतिथि माता-पिता का नाम व हस्ताक्षर आवश्यक हैं। मतदाता सूची से मतदाता का नाम नहीं कटेगा 9 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट में मतदाता का नाम होगा 13 तरह के प्रपत्रों में कोई भी प्रपत्र जमा कर अपना नाम बढ़वा सकते हैं।

क्या है इस घोषणा पत्र में : इस घोषणा पत्र में मतदाताओं को अपने माता-पिता की जानकारी देनी होगी। यदि उनका नाम एसआईआर सूची में नहीं है तो रिश्तेदारों की जानकारी, उनका विधानसभा क्षेत्र, भाग संख्या और मतदाता क्रमांक नंबर भी दर्ज करने होंगे। घोषणा पत्र पर मतदाता के साथ बीएलओ के हस्ताक्षर भी अनिवार्य होंगे। जिन वोटरों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं या बीएलओ के पास उनकी प्रविष्टि उपलब्ध नहीं है उन्हें 9 दिसंबर से नोटिस जारी किए जाएंगे। इसी दिन वोटर लिस्ट ड्राफ्ट का प्रकाशन भी होगा। हर व्यक्ति अपने पोलिंग बूथ पर जाकर अपना नाम देख सकेगा। अगर नाम नहीं है तो फॉर्म 6, संशोधन है तो फॉर्म 8 घोषणा पत्र के साथ भर कर देना होगा।

सिकंद्राबाद के राजनारायण मिश्र स्मारक इंटर कॉलेज में एसआईआर के भरे फार्म देखतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

प्रपत्र भरने के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

● 28 लाख वोटरों के एसआईआर फॉर्म भरवाए जाने हैं, इसके लिए 2,903 बीएलओ तैनात हैं

नया नाम जुड़वाने या सुधार के लिए भरना होगा घोषणा पत्र

एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के चलते अभी वोटर लिस्ट फ्रीज है। न नया नाम जोड़ा जा सकता है और न हटाने या सुधार की प्रक्रिया संभव है। यह सभी काम 9 दिसंबर से शुरू होंगे। परंतु इस बार मतदाता पंजीयन में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। एसआईआर के बाद नया नाम जोड़ने या सुधार करने के लिए घोषणा पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। फॉर्मेट तैयार होकर तहसीलों को भेजा जा रहा है। पहली बार लागू की जा रही इस व्यवस्था के तहत फॉर्म 6 नए मतदाता पंजीयन और फॉर्म 8 संशोधन या सुधार का फॉर्म भरने वालों को अब घोषणा पत्र भी साथ देना होगा।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

एसआईआर के भरे फार्म देखतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी।

बिलहरी। एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद्र ने क्षेत्र के स्कूलों और गांवों में बने बूथों पर भरे जा रहे एसआईआर फॉर्म के कार्य का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि गोला तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कुल मतदाता चार लाख 35 हजार 22 हैं, जबकि एसआईआर के तहत फार्म दो लाख 18 हजार जमा किये गये हैं, जो कि 55 प्रतिशत है। बाकी लोगो के फार्म अतिशीघ्र ही जमा कराये जाएंगे। उन्होंने सिकंद्राबाद, बिलहरी, रायपुर, जडौरा, कपरहा, घरथनियां, अजान, ममरी, हैदराबाद, कोटवारा सहित एक दर्जन से अधिक बूथों को चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं।

ज्वैलरी शॉप से लाखों की चोरी

फरधान, अमृत विचार: क्षेत्र के रूकदीपुर चौराहा स्थित एक ज्वैलरी शॉप में बीती रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ज्वैलर सुशील सोनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रोज की तरह रात में दुकान बंद कर अपने घर चला गया था। शुक्रवार सुबह जब वह दुकान पहुंचे तो शटर क्षतिग्रस्त पाया। अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखा सोने-चांदी के आभूषण, पुरानी पायल, करीब 200 ग्राम चांदी, खाता डायरी, तथा गुल्लक में रखे करीब 22 हजार रुपये नकद गायब थे। चोर वारदात को अंजाम देने के दौरान बेहद सावधानी बरतते हुए दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़कर फेंक गए और रिकॉर्डिंग में उपयोग होने वाला डीबीआर भी उठा ले गए, ताकि चोरी की कोई फुटेज पुलिस के हाथ न लगे। थाना प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच, संदिग्धों से पूछताछ और घटनास्थल के बारीकी से निरीक्षण में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक ने दावा किया कि उपलब्ध सुरागों के आधार पर चोरी का जल्द खुलासा किया जाएगा।

होमगार्ड भर्ती की अधिसूचना जारी

● मानदेय अच्छा होने के चलते युवा काफी समय से कर रहे थे इंतजार

● ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद परीक्षा की तिथि होगी घोषित

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृतविचार: होमगार्ड भर्ती अधिसूचना जारी होने के बाद से युवाओं में खुशी है। युवाओं का कहना है कि लंबे समय के बाद होमगार्ड भर्ती निकली है। पुलिस में सिपाही की भर्ती के बाद अब शासन की ओर से 45 हजार के करीब होमगार्ड भर्ती की अधिसूचना जारी की है युवाओं को भर्ती का काफी समय से इंतजार था।

अधिसूचना जारी होने के बाद से युवा होमगार्ड भर्ती की तैयारी में जुटे हैं। युवक और युवतियों में खुशी की लहर है। युवा वर्ग फॉर्म आने के बाद से जन सेवा केंद्रों पर ऑनलाइन करा रहे हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद परीक्षा की तिथि घोषित की जाएगी।

काफी समय से तैयारी कर रहे युवाओं ने राहत की सांस ली है कि जब तक कोई अन्य सरकारी नौकरी आती है। तब तक होमगार्ड का फॉर्म ही भरकर उसमें तैयारी की जाएगी।

पहली बार होगी लिखित परीक्षा

इस बार होमगार्ड के लिए यह पहली लिखित परीक्षा होगी। पहले होमगार्ड की भर्ती दौड़ के आधार पर हुआ करती थी। काफी युवा पहले से तैयारी कर रहे थे लेकिन अब होमगार्ड की अधिसूचना जारी होने के बाद युवक और युवतियां सक्रिय हो गए हैं। पहले 40 वर्ष तक होमगार्ड में भर्ती हुआ करती थी लेकिन अब 18 से 30 तक उम्र की अधिसूचना जारी हुई है जिससे कुछ युवाओं में खुशी तो कुछ को निराशा हाथ लगी है।

कई वर्षों से पुलिस की तैयारी में जुटे रहे थे। अब होमगार्ड की भर्ती में फॉर्म ऑनलाइन किया है। तैयारी शुरू कर दी है ताकि परीक्षा को पास किया जा सके। -निखिल सिंह

होमगार्ड की अधिसूचना जारी हो गई है जिसका काफी समय से इंतजार था। फॉर्म ऑनलाइन करा दिया है। जिसके बाद से जी-जान लगाकर तैयारी कर रहे हैं। -दिलीप कुमार

दुधवा में दिखा विलुप्तप्राय यलो ब्रीस्टेड बंटिंग

संवाददाता, पलिया कलां

● पेट्रोलिंग के दौरान सोनारीपुर रेंज ऑफिसर ने कैमरे में किया कैद

● आईयूसीएन ने प्रजाति को क्रिटिकली एंडेंजर्ड किया है घोषित

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में जैव-विविधता संरक्षण को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दक्षिण सोनारीपुर रेंज में पेट्रोलिंग के दौरान वन विभाग की टीम को एक अत्यंत दुर्लभ और विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी प्रजाति यलो ब्रीस्टेड बंटिंग दिखाई दी। वन एवं वन्यजीवों की फोटोग्राफी में विशेष रुचि रखने वाले क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने इस पक्षी को कैमरे में सफलतापूर्वक कैद कर लिया।

पेट्रोलिंग के दौरान अवलोकन किए गए इस पक्षी के संबंध में अध्ययन करने पर पाया गया कि यह वही प्रजाति है जिसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने क्रिटिकली एंडेंजर्ड, यानी अत्यंत जोखिमग्रस्त श्रेणी में रखा है। यह प्रजाति हर वर्ष साइबेरिया और मंगोलिया से भारत सहित कई दक्षिणी देशों की ओर प्रवास करती है, लेकिन तेज़ी से घटती संख्या के कारण इसके दर्शन अत्यंत दुर्लभ होते जा रहे हैं। वन अधिकारियों के अनुसार कुछ दशक पहले तक एशिया के बड़े हिस्सों में इस पक्षी की अच्छी संख्या पाई जाती थी, लेकिन अनियंत्रित शिकार, प्रवास मार्ग में आने वाली बाधाओं और आवासीय क्षरण के कारण इसकी जनसंख्या में भारी गिरावट आई है।

विलुप्तप्राय यलो ब्रीस्टेड बंटिंग।

दुधवा में दिखना जैव-विविधता संरक्षण का सकारात्मक संकेत :

दुधवा टाइगर रिजर्व के लिए इस प्रजाति का दिखना वैज्ञानिकों और वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए एक उत्साहजनक संकेत माना जा रहा है। क्रिटिकली एंडेंजर्ड प्रजाति के दर्शन से यह संकेत मिलता है कि दुधवा का पर्यावरण और वन्यजीव तंत्र अभी भी कई दुर्लभ प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल बना हुआ है। वन अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि वन क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी के दौरान यह दुर्लभ पक्षी दिखाई दिया। इसे कैमरे में कैद करना सौभाग्य की बात है। ऐसी प्रजातियों का संरक्षण सभी के लिए चुनौती और जिम्मेदारी दोनों है।

पक्षी प्रेमियों और पर्यटकों के लिए खुशखबरी

दुधवा में इस दुर्लभ पक्षी का दिखाई देना पक्षी-प्रेमियों और वाइल्डलाइफ़ फोटोग्राफरों के लिए एक सुखद समाचार है। वाइल्डलाइफ सीजन में इस प्रकार की प्रजातियों के दिखने से दुधवा आने वाले सैलानियों की रुचि और बढ़ने की संभावना है। दक्षिण सोनारीपुर रेंज के अधिकारी वन्यजीवों की सुरक्षा, प्रवासी प्रजातियों की निगरानी और जैव-विविधता संरक्षण को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे दुर्लभ पक्षियों का संरक्षण वन विभाग के लिए प्राथमिकता में रहेगा।

सीडीओ ने निरीक्षण में हालात देख जताई नाराजगी

● बीडीओ कार्यालय से लेकर सीएचसी तक मिली अव्यवस्थाएं

● छत जर्जर थी, जिस पर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : बेहजम क्षेत्र में शुक्रवार को सीडीओ अभिषेक कुमार के निरीक्षण ने प्रशासनिक अमले में खलबली मचा दी। अचानक बीडीओ कार्यालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे सीडीओ ने हालातों को देखा तो नाराजगी जताई। जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ बेहजम कार्यालय में अधिकतर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित मिले तथा अन्य की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार अन्य विकास खंडों में होने की सूचना दी गई। जिसकी जांच जिओटैग फोटो से की गई।

सीएचसी बेहजम में दवाइयों को चेक करते सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

मनरेगा एवं आवास योजनाओं से संबंधित अभिलेख अधूरे पाए गए। जॉब कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

एनआरएलएम कार्यालय का निरीक्षण करते हुए पाया कि छत जर्जर अवस्था में है, जिस पर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा गया। समूह गठन की प्रगति धीमी मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को कार्य में अपेक्षित गति लाने के लिए निर्देशित किया गया एवं संबंधित का जवाबदेही तय की जाएगी। परिसर में बने सभागार में स्पीकर लगाया गया था, परंतु माइक नहीं लगाया गया, जिसे उन्होंने गंभीर लापरवाही करार दिया। वहीं परिसर स्थित कुएँ के जीर्णोद्धार का कार्य अधूरा मिला। इन खामियों पर सीडीओ ने जेई सुरेंद्र कुमार एवं ग्राम विकास विभाग को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

प्रसूता-नवजात की देखभाल में लापरवाही पर सीडीओ ने लगाई फटकार

सीडीओ अभिषेक कुमार ने सीएचसी बेहजम के रजिस्ट्रेशन कक्ष, लेबर रूम, दवाओं एवं वैक्सीन की उपलब्धता की बारीकी से जांच की। लेबर रूम की हालत देखकर सीडीओ का पारा चढ़ गया। डिलीवरी के केवल छह घंटे बाद ही प्रसूता और नवजात को डिस्चार्ज कर देना, वह भी बिना जीरो डोज टीकाकरण। सीडीओ ने इसे गंभीर लापरवाही करार दिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। एमओआईसी डॉ. अनिल कुमार वर्मा को आदेश दिया गया कि प्रसूता व नवजात को कम से कम 48 घंटे अस्पताल में रखा जाए, ताकि सुरक्षित देखभाल सुनिश्चित हो सके। साफ-सफाई सुधारने और व्यवस्था दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए।

सीडीओ ने निरीक्षण के दौरान मिली कमियों पर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि विकास और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सुधार कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कड़ा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ के साथ पीडी डीआरडीए सोमनाथ चौरसिया तथा बीडीओ बेहजम शरद कुमार सिंह वह अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मिठाइयों में घटतौली एवं लकड़ी जलाने पर लगी रोक का किया विरोध

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर में बेखौफ हो रही मिठाइयों की घटतौली और अवैध लकड़ी जलाने की शिकायतों को लेकर अरिहंत वृक्षारोपण समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। समिति के संस्थापक प्रशांत जैन के नेतृत्व में दो ज्ञापन उपजिलाधिकारी प्रेमपाल सिंह के माध्यम से जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी और जिला सामाजिक वानिकी प्रभागीय अधिकारी को सौंपे गए। जिसमें कहा गया है कि नगर की कई मिठाई दुकानों पर लंबे समय से मिठाइयों की खुली घटतौली चल रही है।

अधिकांश विक्रेताओं द्वारा मिठाई तौलते समय डिब्बे और उसके ढक्कन का वजन भी मिठाई के भाव में शामिल कर लिया जाता है। इतना ही नहीं, कई दुकानों पर मिठाई के दाम के साथ डिब्बों के पैसे भी वसूले जा रहे हैं, जिससे आमजन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसके साथ ही समिति ने शिकायत की कि कई मिठाई दुकानदार कंडों और प्रतिबंधित प्रजाति की लकड़ियों को काटकर जला रहे हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है और पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए गए पेड़ों का अवैध कटान हो रहा है। समिति ने इन समस्याओं पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने, भविष्य में लापरवाही रोकने के लिए नोटिस और जुर्माना लगाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में समिति के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज अग्निहोत्री, वंश गोस्वामी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते समिति पदाधिकारी।

● अरिहंत वृक्षारोपण समिति के पदाधिकारियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

● कई मिठाइयों की दुकानों पर खुलेआम हो रही घटतौली

चावल उठान न होने से धान खरीद प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में नॉन एफआरके चावल के संप्रदान की अनुमति देने की मांग को लेकर पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को पत्र सौंपा है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस वर्ष प्रदेश में फोर्टिफाइड राइस कर्नेल की भारी कमी है, जिसके चलते राइस मिलों के पास तैयार चावल होने के बावजूद सीएमआर संप्रदान बाधित है और धान खरीद प्रभावित हो रही है।

एसोसिएशन के अनुसार एफआरके की अनुपलब्धता के कारण मिलों में भंडारण का संकट पैदा हो गया है। एडवांस लॉट तैयार होने के बावजूद प्रेक्षण न मिलने से किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं, जिससे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी बाधित हो रही है।

एसोसिएशन ने यह भी कहा कि

पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री को समस्या बताते राइस मिलर्स। ● अमृत विचार

● नॉन एफआरके के चावल के संप्रदान की अनुमति को सौंपा ज्ञापन

● पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने दिया आश्वासन

एफआरके के चावल की वैधता केवल एक वर्ष रहती है। भारतीय खाद्य निगम की पहले आओ, पहले पाओ प्रणाली के चलते यदि सीएमआर संप्रदान में देरी होती है तो चावल की उपयोगिता समाप्त होने का खतरा है, जिससे सरकार को आर्थिक नुकसान की आशंका है। पूर्व मंत्री ने राइस मिलर्स प्रतिनिधि मंडल की समस्याएं सुनीं और संबंधित मंत्री से फोन पर वार्ता की। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले पर प्राथमिकता से कार्यवाही की जाएगी और समस्या के समाधान के लिए जल्द ही अधिकारियों व मिलर्स के साथ बैठक आयोजित कर निर्णय लिया जाएगा।

बाघ ने बकरी को बनाया निवाला

पलिया कलां, अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के ग्राम घोला के मजरा सरवन नगर में शुक्रवार को गन्ने के खेत से निकले बाघ ने पड़ोस में चर रही बकरी को निवाला बना लिया, जबकि बकरी चराने वाली महिला ने भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाई। अवतार सिंह के फार्म के निकट ग्रामवासी सर्वजीत की पत्नी अपनी बकरियां चरा रही थी कि पड़ोस के गन्ने से निकले एक बाघ ने एक बकरी को अपनी चपेट में ले लिया और उसका गला काट कुछ मांस खा डाला। इससे बकरी की घटनास्थल पर ही जहां मौत हो गई, वहीं अन्य बकरियां व उन्हें चरा रही महिला अत्यंत भयभीत होकर भाग निकली। बाद में उसके द्वारा दी गई सूचना पर हो हल्ला मचाते हुए पहुंचे ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच बाघ के पग चिन्हदेखे और वन विभाग को सूचना दी, लेकिन कोई भी वनकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा।

चोरों ने तोड़े सीसीटीवी, गाड़ियों की ले गए नौ बैटरियां

● सिकंदराबाद में गैस एजेंसी पर हुई घटना

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार : नीमगांव थाना क्षेत्र के सिकंदराबाद में हुई लूट का खुलासा हुए 12 घंटे भी नहीं बीत पाए थे कि चोरों ने एक बार पुलिस को चुनौती दे दी। गुरुवार की रात चोरों ने इंडियन गैस एजेंसी पर दावा बोल दिया। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। चोर गैस एजेंसी परिसर में खड़ी दो ई-रिक्शा एवं एक पिकअप वाहन से कुल नौ बैटरियां चुराकर फरार हो गए।

घटना मोहम्मदी मार्ग पर स्थित इंडियन गैस एजेंसी में हुई। एजेंसी संचालक संजय के मुताबिक चोर दीवार फांदकर परिसर में घुसे और अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने खड़ी गाड़ियों से बैटरियां खोल लीं।

चोर बैटरियों को दीवार के रास्ते बाहर निकाल ले गए। भागते समय एक बैटरी एजेंसी से कुछ दूरी पर तालाब किनारे छोड़ गए, जबकि नौ बैटरियों को लेकर फरार होने में सफल रहे।

सिकंदराबाद चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, नीमगांव पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और बीटीएस लोकेशन के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। नीमगांव थाना प्रभारी प्रवीर गौतम ने बताया कि अभी पीड़ित की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

घटना स्थल पर मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

विद्यार्थी जीवन में योग विषय पर कार्यशाला आयोजित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : राजकीय पुस्तकालय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को विशेष कार्यशाला मानसिक स्वास्थ्य, योग एवं विद्यार्थी जीवन में योग विषय पर आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों को मानसिक संतुलन, अध्ययन क्षमता और सकारात्मक जीवनशैली के निर्माण में योग की भूमिका पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में आयुष विभाग के योग थैरेपिस्ट प्रिंस रंजन बरनवाल ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखना आवश्यक है। नियमित प्राणायाम, ध्यान, सूर्य-नमस्कार और श्वास तकनीकें मस्तिष्क की कार्यक्षमता, स्मरण शक्ति और फोकस को बढ़ाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कुछ सरल एवं प्रभावी योग अभ्यास कराए। योग सहायक राजदीपिका तिवारी ने विद्यार्थियों को मानसिक शांति तथा अध्ययन के दौरान मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए सरल ध्यान और श्वास-जागरुकता तकनीकों का व्यवहारिक अभ्यास कराया।

भूमि विवाद में गोभी की फसल जोती

भानपुर, अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर ग्राम डुडवा निवासी सत्रोहन लाल ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि विपक्षियों ने उसकी पैतृक भूमि पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की और खेत में लगी हरी गोभी की फसल को ट्रैक्टर से जोत दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सत्रोहन लाल का कहना है कि संबंधित भूमि पर लगभग 20 आम के पेड़ लगे हुए थे, जिनमें से 12 पेड़ों को विपक्षियों ने उखाड़ कर फेंक दिया। उन्होंने बताया कि यह भूमि उन्होंने किरन देवी पत्नी मुकेश कुमार निवासी ग्राम डुडवा को ठेके पर दी थी, जिनकी देखरेख में खेत में हरी गोभी की फसल तैयार थी। तहरीर के अनुसार जब किरन देवी मौके पर पहुंचकर फसल जोतने का विरोध करने लगीं, तो विपक्षी पक्ष ने उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। एसओ भीरा रोहित दुबे ने बताया कि मैने कल ही चार्ज संभाला है। मामले की जांच कराई जा रही है।

शिकायत निवारण को दो-स्तरीय व्यवस्था बनाई

पलिया कलां, अमृत विचार : भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के निर्देशानुसार सीएजी सदस्य संगठन रूरल कंज्यूमर्स फेडरेशन द्वारा पलिया कलां के बलदेव वैदिक इंटर कालेज में उपभोक्ता शिकायत निवारण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। फेडरेशन के अध्यक्ष नवीन कुमार दीक्षित ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली पर बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा दूरसंचार उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए दो-स्तरीय व्यवस्था की गई है। यदि उपभोक्ता सेवा प्रदाता के शिकायत केंद्र द्वारा किए गए समाधान से संतुष्ट नहीं हैं, या शिकायत का समय पर समाधान नहीं हुआ है, तो उपभोक्ता को सेवा प्रदाता के अपीलीय प्राधिकरण के पास अपील का अधिकार भी ट्राई ने दिया है।

पीड़ित बंदी ने लगाया जेल में पिटाई का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली तिकुनियां क्षेत्र के गांव इंदरनगर निवासी सुरेंद्र ने जिला प्रशासन को शिकायती पत्र देकर जेल कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि कारागार में उससे मिठाई के नाम पर चार हजार रुपये की मांग की गई और रुपये न देने पर उसकी पिटाई की गई। शिकायत पर डीएम ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पीड़ित बंदी सुरेंद्र।

सुरेंद्र का कहना है कि उसे 25 नवंबर को तिकुनिया पुलिस ने वारंट के आधार पर जेल भेजा था। आरोप है कि जेल पहुंचने के बाद उससे चार हजार रुपये की मांग की गई। पैसे न देने पर जेल कर्मियों ने मारपीट की, जिसमें उसकी आंख और शरीर पर चोटें आईं। सुरेंद्र ने आरोप लगाया कि जेल में उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। वह 28 नवंबर को रिहा हुआ, जिसके बाद उसने शिकायत दर्ज कराई है।

जिला प्रशासन को दिए शिकायती पत्र में सुरेंद्र ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर, आरोपों पर जेल अधीक्षक पीडी सलोनिया ने सफाई देते हुए कहा कि संबंधित बंदी नशे का आदी है और जेल में भर्ती होने के बाद से उसका इलाज कराया जा रहा था। रुपये मांगने और पिटाई के आरोप निराधार हैं। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है।

विद्यार्थियों के अलावा अन्य लोगों के चोटिल होने का रहता है डर, पर जिम्मेदारों ने नहीं ली है कोई सुधि

कई माह से बन रही नाले की पुलिया, यातायात हो रहा प्रभावित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शिवम चौराहे से स्टेशन जाने वाले रोड पर नाले की पुलिया जर्जर हो गई थी, जो सावन माह के पहले से ही बनाई जा रही है। पुलिया के तीन तरफ मच्छरदानी का कपड़ा लगाकर यातायात डायवर्ट कर दिया गया है। रोडवेज बसों के निकलने पर पुलिया के पास रास्ता संकीर्ण होने से विद्यार्थियों, राहगीरों, वाहन चालकों की जरा सी चूक होने पर बड़ा खतरा हो सकता है, पर जिम्मेदारों ने इसकी कोई सुधि नहीं ली है।

छोटी काशी में शिवम चौराहे से स्टेशन, रोडवेज बस अड्डे जाने वाली व्यस्त सड़क पर सावन माह प्रारंभ होने से पहले जर्जर पुलिया की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया था। छह महीने बीत जाने के बावजूद भी पुलिया की स्थिति जस की तस है। सावन माह में प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिया के तीन तरफ सीमेंटेड बड़े-बड़े बोल्डर रखवा दिए गए थे, ताकि कोई हादसा न हो। सावन माह बीतते ही बोल्डर तो हटवा लिए गए। तब से पुलिया के तीन तरफ मच्छरदानी का कपड़ा लगाकर बेरीकेटिंग कर दी गई है, जिससे अक्सर इस रोड पर जाम की स्थिति बनती, बिगड़ती है। रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डे को जाने वाली रोड पर बसों के अतिरिक्त ई रिक्शा, स्कूली बच्चों के छोटे-बड़े वाहन निकलते हैं, जो जाम में तो फसते ही हैं, साथ ही पुलिया के पास रास्ता संकीर्ण होने से दुर्घटना का भी खतरा बना रहता है। इस रोड पर रोडवेज की बस, ट्रेन से आने जाने वाले दैनिक यात्रियों का दिन और रात में भी आना-जाना रहता है। पुलिया के पास रास्ता संकीर्ण होने से यातायात प्रभावित होता है। दिन और रात में भी एक्सप्रेस ट्रेनों और पैसेंजर ट्रेनों से नगर में आने और जाने वाले लोग इसी मार्ग से निजी वाहन, ई रिक्शा आदि से आते, जाते हैं। ऐसे में दिन हो या रात हर समय पुलिया के पास दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। दिन में रोडवेज बसों के निकलने पर पुलिया के पास जगह का आभाव होने पर वाहनों की कतारें लग जाती हैं, जिससे आसपास के दुकानदारों सहित श्रद्धालुओं, राहगीरों, वाहन चालकों को भी समस्याएं होती हैं।

गोला में स्टेशन रोड पर नाले की पुलिया पर संकेतक लगा कपड़ा। ● अमृत विचार

> स्टेशन रोड पर पुलिया निर्माण, पत्थर आदि डलवाने का कार्य कॉरिडोर निर्माण करा रही कार्यदाई संस्था द्वारा कराया जा रहा है। देरी के मामले में उनके अधिकारी ही बता पाएंगे। **-संजय कुमार**, ईओ नगर पालिका

> कॉरिडोर निर्माण कार्य में लगे उनके जेसीबी, फ्यूरी मशीन, ट्रैक्टर ट्राली आदि वाहन भी आसानी से नहीं निकल पाते हैं। पत्थर पथवाये गए थे, जो अब मजबूत हो गए हैं, दिन में ट्रैफिक बहुत रहता है। शुक्रवार 28 नवंबर की रात में ही पत्थर डलवा दिए जाएंगे। **-नितिन सिंह**, जेई यूपीपीसीएल।

हत्या के आरोप में जेल गए बंदी की संदिग्ध हालात में हुई मौत

परिजनों का हंगामा, धौरहरा कोतवाली घेरी, एसपी ने प्रभारी निरीक्षक समेत तीन सिपाहियों को किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला कारागार में हत्या के विचाराधीन बंदी 55 वर्षीय सुरेश कुमार वर्मा की संदिग्ध हालात में शुक्रवार सुबह शौचालय में लटकती लाश मिली। जेल प्रशासन का कहना है कि बंदी ने जिला कारागार के शौचालय में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उधर, घटना की सूचना पर परिजनों का गुस्सा भड़क उठा। पहले उन्होंने धौरहरा कोतवाली का घेराव किया, फिर पोस्टमॉर्टम हाउस पर जमकर हंगामा किया। हालात इस कदर बिगड़े कि पूरा परिसर छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति संभालनी पड़ी। एसपी संकल्प शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक धौरहरा एसएचओ शिवाजी दुबे समेत तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया है।

मृतक सुरेश कुमार।

जेल अधीक्षक पीडी सलोनिया के अनुसार, 15 अक्टूबर को सुरेश पर गांव की ही महिला सीमा (40) की हत्या का आरोप लगा था। पुलिस ने इस मामले में बृहस्पतिवार देर शाम उसे जेल भेजा था। जेल सूत्रों के अनुसार, सुरेश रातभर सामान्य रूप से बैरक में रहा। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे उसने शौच जाने की अनुमति मांगी। वह निर्धारित शौचालय में गया, लेकिन काफी देर बाद भी बाहर नहीं निकला।

बंदी रक्षक ने आवाज लगाई, पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। भीतर जाकर देखा तो सुरेश गमछे से बने फंदे पर लटका मिला। इसकी जानकारी तत्काल जेल प्रशासन को दी गई। जेल अधीक्षक ने बताया कि सुरेश ने नहाने-धोने के लिए साथ लाए गमछे से फंदा बनाया। उन्होंने कहा कि अब से ऐसे वस्त्रों को भी प्रतिबंधित करने की कार्रवाई होगी। बहरहाल, घटना के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सवालों के घेरे में आ गई है।

बंदियों पर 24 घंटे निगरानी के लिए बंदीरक्षक और कारागार पुलिस की तैनाती रहती है। शौचालयों के दरवाजे भी केवल तीन फुट ऊंचे हैं और उन्हें बंद करने की कोई सुविधा नहीं है, ताकि किसी गलत गतिविधि की आशंका पर तुरंत निगरानी की जा सके। इसके बावजूद बंदी के गमछे से फांसी लगा लेने ने कारागार प्रशासन की कार्यप्रणाली पर अनेक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। देर रात कारागार में दाखिल हुए सुरेश ने कब, कैसे और किन परिस्थितियों में फांसी लगाई। यह जांच का विषय बन गया है।

पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों से जानकारी लेते विधायक विनोद शंकर अवस्थी।

> जेल बंदी के आत्महत्या करने की सूचना पर तत्काल डीएम के साथ मौका मुआयना किया। मामले की जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक धौरहरा समेत तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी। **-संकल्प शर्मा**, एसपी

- **जेल प्रशासन का दावा, फंदे से लटककर दी जान**
- **जिला कारागार की सुरक्षा पर खड़े हुए सवाल**

सांसद, विधायक पहुंचे पोस्टमार्टम हाउस, परिजनों को ढांढस बंधाया

सुबह करीब दस बजे खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा और धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। दोनों नेता परिजनों को ढाढस बंधाते रहे। गुस्साए परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन परिजन कार्रवाई होने तक शव का पोस्टमॉर्टम कराने से साफ इनकार करते रहे। लंबे मान-मनौव्वल के बाद आखिरकार परिजन पोस्टमॉर्टम के लिए तैयार हुए।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बंदी की मौत की वजह हैंगिंग

लखीमपुर खीरी। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि शव का पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया है, जिसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई है। मौत का कारण हैंगिंग आया है। परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर आरोप लगाए थे। मामला जिला कारागार से जुड़ा हुआ है। इसलिए पूरे घटनाक्रम की मजिस्ट्रेट और न्यायिक जांच कराई जाएगी। इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई होगी।

कोतवाली धौरहरा का घेराव करते आक्रोशित ग्रामीण। ● अमृत विचार

विधायक बोले- दूध का दूध, पानी का पानी होगा

लखीमपुर खीरी। जिला कारागार में आत्महत्या करने वाले बंदी सुरेश वर्मा मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक के परिजनों के पुलिस पर करीब पांच लाख रुपये घूस लेने का आरोप लगाए जाने के बाद मामला राजनीतिक रूप से गर्म हो गया है। इसी बीच धौरहरा से भाजपा विधायक विनोद शंकर अवस्थी का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि यहां दूध का दूध और पानी का पानी होगा। जो दोषी होगा, वह बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने आगे कहा कि दोषी चाहे कोई भी हो, कार्रवाई निश्चित है। उन्होंने परिजनों को न्याय का भरोसा दिलाते हुए कहा कि मामले की जांच पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी।

डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, उच्च स्तरीय जांच शुरू

जेल में निरीक्षण करने जाते डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा।

लखीमपुर खीरी। जेल बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने शुक्रवार सुबह जिला जेल पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह और एएसपी पवन गौतम भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने घटना स्थल का अवलोकन किया। मौके पर तैनात जेल कर्मचारियों से पूछताछ की। टीम ने पुरुष बैरक, महिला बैरक और संबंधित शौचालयों की स्थिति का भी जायजा लिया। डीएम ने जेल अधीक्षक से पूरी घटना का लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। घटना को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने मृतक का पोस्टमार्टम विशेष पैनल से वीडियोग्राफी के साथ कराया। साथ ही एसपी को 48 घंटे के भीतर जिला जेल का सेफ्टी एवं सिक्योरिटी ऑडिट पूरा कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए एडीएम (वित्त एवं राजस्व) नरेंद्र बहादुर सिंह को जांच अधिकारी नामित किया है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शव वाहन को लेकर पुलिस-परिजन आमने-सामने

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जेल में बंदी की मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर शुक्रवार को परिजन भड़क गए और जमकर हंगामा किया। परिजन शव को अपने निजी वाहन से ले जाने पर अड़े थे, जबकि सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी शव को सरकारी वाहन से ले जाने पर जोर दे रहेबते। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक विवाद चलता रहा। तनाव बढ़ता देख मौके पर पुलिस बल बढ़ाया गया। हंगामे के दौरान परिजनों ने नाराजगी जताते हुए शव को पोस्टमार्टम हाउस के बाहर छोड़ दिया और अपने घर लौटने लगे। इससे पुलिस के हाथ पाव फूल गए। बाद में पुलिस ने किसी तरह से समझा बुझाकर शांत कराया।

कोतवाली घेरकर की कार्रवाई की मांग

आत्महत्या की खबर मिलते ही परिजन भड़क उठे। उन्होंने धौरहरा कोतवाली का घेराव करते हुए धौरहरा एसओ शिवा जी दुबे पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का आरोप था कि पुलिस ने उनसे पांच लाख रुपये की वसूली की है। परिजन एसओ के निलंबन और रकम वापस किए जाने की मांग पर अड़े रहे। कोतवाली के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जुट गए और नारेबाजी करने लगे। हालात तनावपूर्ण हो चले थे। इसी बीच परिजन पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए और वहां भी हंगामा शुरू कर दिया। कई बार परिजनों और पुलिस में नोकझोंक की स्थिति बनी, लेकिन पुलिस किसी तरह उन्हें शांत कराने का प्रयास करती रही। पोस्टमार्टम के बाद जब गांव में शव लाया गया तो परिजनों में फिर उबाल आ गया। लोगों का कहना है कि सुरेश की गिरफ्तारी के दौरान और जेल भेजे जाने के बाद उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, जिसकी जांच आवश्यक है। मृतक की पत्नी, बेटी और भाई सहित ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक अधिकारियों द्वारा लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, शव को अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही तहसील और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। हालात को देखते हुए धौरहरा पुलिस, पीएसी और आसपास थानों का अतिरिक्त बल तैनात किया गया है ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने। पुलिस ग्रामीणों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास कर रही है, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच चल रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गांव में बढ़ते तनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर बनाए हुए है।

तीन घंटे थाना परिसर में तड़पती रही बुजुर्ग महिला

संवादाता, नकहा

अमृत विचार: एसपी की तमाम सख्ती के बाद भी कुछ थाना प्रभारियों पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। थाना शारदा नगर क्षेत्र में खेत पर जबरन कब्जे को लेकर विवाद में गांव की एक बुजुर्ग महिला को गंभीर रूप से घायल हो गई। वह तीन घंटे तक थाना परिसर में तड़फती रही। हालत बिगड़ने पर पुलिस के हाथ पाव फूल गए। आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर शांतिभंग के आरोप में चालान भेजा है।

गांव हजारिया निवासी पंकज कुमार ने बताया कि वह 27 नवंबर की सुबह करीब 7 बजे अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही बाल्टर और छोटे खेत पर कब्जा करने की नीयत से पहुंचे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी बुजुर्ग मां मेजो देवी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बुजुर्ग महिला जान बचाने के लिए भागीं, लेकिन आरोपियों ने उन्हें गिराकर धारदार हथियार से प्रहार करने की कोशिश की, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने घायल महिला को आनन-फानन में सीएचसी शारदा नगर पहुंचाया। आरोप है कि उपचार के बाद महिला को पुलिस थाने ले जाया गया, जहां करीब तीन घंटे तक उन्हें जमीन पर लेटाए रखा गया। बाद में दुबारा अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित पंकज कुमार का कहना है कि उनकी तहरीर पर पुलिस ने शांति भंग की कार्रवाई करते हुए आरोपियों का चालान भेजा है। इससे पीड़ित पक्ष और ग्रामीणों में आक्रोश है। इस बाबत थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घायल महिला को तीन घंटे थाने पर रोकने की बात गलत है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

थाना परिसर में घायल बुजुर्ग महिला।

- **हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में कराया भर्ती**
- **खेत पर कब्जे को लेकर मारपीट में घायल हुई थी**

दो इंस्पेक्टर समेत पांच दरोगा बदले, 24 दरोगाओं की नई तैनाती

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले की कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए एसपी ने देर रात बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। इनमें दो इंस्पेक्टर पांच दरोगाओं के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत 24 दरोगाओं को विभिन्न थानों पर तैनाती दी गई है।

यह तबादले गुरुवार की देर रात किए गए। एसपी संकल्प शर्मा ने पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत इंस्पेक्टर अखिलेश गंगवार को अपराध निरीक्षक थाना मैगलगंज, प्रभारी विषेश जांच प्रकोष्ठ इंस्पेक्टर विजय मिश्रा को निरीक्षक अपराध थाना उचैलिया के पद पर भेजा है। कोतवाली गोला में तैनात एसआई साहब लाल अब सदर कोतवाली की महेवागंज पुलिस चौकी के प्रभारी होंगे।

पुलिस लाइन से एसआई मुकेश कुमार को थाना नीमगांव की पुलिस चौकी सिकंद्राबाद का प्रभारी बनाया है। कोतवाली सदर के एसआई डिंपल यादव अब एलआरपी पुलिस चौकी के प्रभारी होंगे। वहीं एसआई प्रवीण कुमार को कोतवाली सदर से अलीगंज चौकी के प्रभारी पद पर भेजा गया है। थाना शारदानगर के एसआई अमरेश दत्त त्रिपाठी को जेल गेट चौकी प्रभारी बनाया गया है। एसआई राकेश राय पुलिस लाइन से पुलिस चौकी नीलकंठ छोटी काशी गोला के पद पर भेजा गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत एसआई राजू सागर और दृगपाल सिंह गौड़ को क्रमशःपसगवां और मैलानी का एसएसआई बनाया है। कोतवाली चंदन चौकी के थानाध्यक्ष रहे एसआई दृगपाल सिंह गौड़ को तीन दिन पहले एसपी ने लाइन हाजिर किया था।

पुलिस लाइन से एसआई खालिद खान को थाना खीरी, अजय कुमार यादव को थाना फरधान, राजकुमार को थाना संपूर्णानगर, अरुण कुमार श्रीवास्तव को थाना मझगई, अजय कुमार सिंह को कोतवाली तिकुनिया, कन्हैया मौर्य को थाना पढुआ, कन्हैया सिंह यादव को थाना निघासन भेजा है। इसी तरह पुलिस लाइन से एसआई दिनेश कुमार यादव को थाना भीरा, अमृत लाल यादव को थाना फूलबेहड़, गुलाब चंद्र पांडेय को कोतवाली तिकुनिया, सत्य नारायण सिंह को थाना खमरिया, सुखवीर सिंह को थाना शारदानगर, दीनानाथ को नवीन मार्डन थाना पलिया, रामचंद्र पाल को महिला थाना लखीमपुर, उमाशंकर सिंह को थाना उचौलिया, सूरज प्रकाश को थाना खमरिया, जुबैर अहमद को थाना पढुआ, आदित्य प्रताप सिंह, महिला एसआई सर्वेश मौर्य, अनिल कुमार तिवारी को थाना एएचटी और बृजेश कुमार सिंह को आईजीआरएस सेल भेजा है।

- **एसआई साहब लाल महेवागंज, मुकेश कुमार सिकंद्राबाद चौकी प्रभारी बने**

विद्यार्थी अभी से बनाएं परीक्षा का माहौल

मूड़ा सवारान,अमृत विचार: यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का कार्यक्रम जारी होने के बाद स्कूलों में तैयारियां जोरों पर है। परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होंगी। जो 12 मार्च तक चलेंगीं। जिसके लिए स्कूलों में शिक्षक विद्यार्थियों को परीक्षाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे हैं। विद्यार्थी तैयारी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयारी में जुट गए हैं। स्कूलों में भी परीक्षा को लेकर तैयारी चल रही है। विद्यार्थियों को शिक्षक पढ़ाई के लिए जरूरी टिप्स दे रहे हैं। उनके द्वारा टाइम टेबल के तहत विषयगत तैयारी करने की सलाह दी जा रही है।

एसएसबी ने चलाया संयुक्त यातायात सुरक्षा अभियान

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षित आवागमन और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने विशेष संयुक्त यातायात सुरक्षा एवं सार्वजनिक परिवहन जागरूकता अभियान चलाया गया।

द्वितीय कमांडेंट माधव चंद्र घोष के निर्देशन में आयोजित अभियान की मुख्य जिम्मेदारी सी समवाय बनकटी के प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद खोजा ने संभाली। बनकटी कार्यक्षेत्र में चलाए गए अभियान में जहां एसएसबी जवानों ने राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरलोडिंग से बचने और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया, वहीं अभियान के दौरान सार्वजनिक परिवहन चालकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नियमित वाहन फिटनेस, दस्तावेज़ों की वैधता तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के लिए प्रेरित किया गया। एसएसबी टीम ने लोगों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान कीं। सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों ने बताया कि सीमाई क्षेत्र में इस प्रकार के जागरूकता अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि यातायात अनुशासन और सड़क सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

यातायात सुरक्षा अभियान के अंतर्गत वाहन चालकों को समझाते एसएसबी जवान।

- **जवानों ने वाहन चालकों को यातायात के नियम बताए**

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र की एल आई सी पालिसी संख्या 253211044 में नाम शिवांश शुक्ला दर्ज है। जबकि उसका नाम बदलकर विदित शुक्ला किया गया है। जन्म प्रमाण पत्र में भी विदित शुक्ला ही दर्ज है। **अजीत शुक्ला पुत्र श्री राकेश बाबू शुक्ला निवासी 101, महमूदपुर, बरेली (उ.प्र.)**

RAM MURARI PUBLIC SCHOOL

Meeranpur Katra, Shahjahanpur

PGT Teachers Required

- Physics
- Mathematics
- English

School Counsellor

Send your CV on

ashokkagrawalmanu@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

छुट्टा गोवंशों के कारण आए दिन हो रहे हादसे

मूड़ा सवारान, अमृत विचार : खेतों और सड़कों पर छुट्टा घूम रहे गोवंशीय पशुओं से न सिर्फ फसलों को नुकसान है बल्कि लोगों के लिए यह खतरा बने हुए हैं। बीते 10 नवंबर को लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर मलूकापुर पेट्रोल पंप के पास गोवंशीय पशु से टकराकर एक बाइक सवार की मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद भी पशुपालन विभाग की नींद नहीं खुल सकी है।

करोड़ों खर्च फिर भी सड़कों पर भटक रहे गोवंश

सरकारी तंत्र की लापरवाही से जनता परेशान, बाजारों में हादसे का तो खेतों में बढ़ रहा फसल उजाड़ने का खतरा

संवाददाता, मूड़ा सवारान/लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः गोवंश को संरक्षित करने के लिए प्रदेश सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इसके बावजूद खेतों और सड़कों पर छुट्टा गोवंश घूम रहे हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण केवल गोवंश सड़कों पर ही नहीं, बल्कि उनसे घायल होने के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही कई घटनाओं में लोगों की मौत भी हो चुकी है।

ग्रामीण क्षेत्र में खेतों, बाजारों और सड़कों पर भोजन की तलाश में इधर-उधर घूमते गोवंशीय पशु देखे जा सकते हैं। किसान अपने खेतों में इनसे फसल बचाने में दिन रात जुटे हैं। कई बार किसानों के सामने स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है की गोवंश के हमले से लोगों की जान तक चली जाती है। पिछले वर्ष एक सांड ने किसान को उठाकर पटक दिया था, इससे उसकी मौत हो गई थी। साथ ही खेतों में फसल चरने से रोकने की कोशिश में कई किसान गोवंशीय पशुओं के हमले में घायल हो चुके हैं। प्रदेश सरकार की मंशा है कि सभी बेसहारा गोवंशों को गौशालाओं या गो आश्रय स्थल तक पहुंचाया जाए। ताकि उन्हें भोजन और सुरक्षा मिल सके। लेकिन यह योजना जमीन पर दम तोड़ती नजर आ रही है।

छुट्टा गोवंशों के बीच फंसी कार। ● अमृत विचार

> सड़कों पर घूम रहे गौवंशों को अस्थाई गोशाला में भेजा जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी गौवंश सड़कों पर न रहे। अगर कहीं लापरवाही मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।
> –**अभिषेक कुमार**, सीडीओ।

● **गोवंश से टकराकर बाइक सवार की जा चुकी जान, खुद भी होते हैं चोटिल**

ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई गई गोशालाओं में पर्याप्त चारा और सुविधा उपलब्ध नहीं है। लोगों का कहना है कि प्रशासन और जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते सड़कों पर घूमते गोवंश जन और धन दोनों के लिए खतरा बने हुए हैं। किसानों की मेहनत की फसल इन पशुओं की भेंट चढ़ रही है तो वहीं राहगीरों की सुरक्षा दांव पर है।

प्रशासन की उदासीनता खड़े कर रही सवाल

सरकार जहां गौवंश संरक्षण को लेकर गंभीर है वहीं स्थानीय प्रशासन की उदासीनता इस योजना पर सवाल खड़े कर रही है। यदि शीघ्र ही प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो यह समस्या आने वाले दिनों में और विकराल रूप ले सकती है। मौसम सर्द हो चुका है अब रातें ठंडी होने लगी हैं। ऐसे में खेतों पर रात गुजार रहे किसानों को और अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। किसान राजाराम, शिव मोहन, इंद्रपाल, सोबरन लाल आदि ने बताया कि रात के समय अभी इतनी परेशानी नहीं हो रही है जैसे-जैसे ठंड और बढ़ेगी दिक्कतें बढ़ती चली जाएंगी। गोवंश जब खेतों में घुस जाते हैं तो उन्हें निकलना मुश्किल हो जाता है।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा भाई उज्जवल सक्सेना दिनांक 25.11.2025 को घर से बिना बताए कहीं चला गया है। तलाश करने पर भी कहीं नहीं मिला है। यदि किसी को इस सम्बन्ध में कोई जानकारी तब कृपया निम्न पते पर सूचित करने का कष्ट करें।

हुलिया : रंग सांवला, उम्र 27 वर्ष, कद 5 फुट 9 इंच, काली जीन्स, नीली शर्ट, नीले जूते पहने है।

रूपक सक्सेना दुर्गा गली मकान नं. 436ए, मढ़ीनाथ, बरेली
मो. 9528615798, 9084593976

हादसे में किशोर घायल : तिलहर। गांव मंसूरपुर गोटिया निवासी अभिषेक शुक्रवार दोपहर बाइक से खेत पर जा रहा था। खेत के पास अचानक बाइक सड़क पर फिसल गई। अभिषेक गिरकर बेहोश हो गया। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे।

गोमती पुल के पास आग से खोखे राख

संवाददाता, औरंगाबाद/मैगलगंज

अमृत विचारः औरंगाबाद से बरबर रोड पर स्थित गोमती नदी पुल के किनारे बीती देर रात आग की अचानक उठी लपटों ने दो अस्थायी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते चाय होटल और अंडे का खोखा पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना ने आसपास के इलाके में हड़कंप मचा दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब एक बजे अचानक दुकानों की ओर से धुआँ उठना शुरू हुआ। कुछ ही पलों में तेज लपटों ने दोनों दुकानों को घेर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि व्यापारी और स्थानीय लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही दुकानों का अधिकांश सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात बताया जा रहा है, हालांकि प्रारंभिक अनुमान गैस स्टोव या शार्ट सर्किट की आशंका की ओर इशारा कर रहा है। सूचना पर औरंगाबाद चौकी प्रभारी सुनील तिवारी गश्त के दौरान तत्काल मौके पर पहुंचे।

गोमती नदी के किनारे रखे खोखे में लगी आग।

● **गश्त के दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कराया बचाव का प्रयास**

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की और दुकानों में रखे कुछ सामान को बाहर निकाला गया। लोगों के प्रयासों के बावजूद अंडे का खोखा पूरी तरह जलकर राख हो गया, जबकि चाय होटल में रखा अधिकांश सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। जलकर नष्ट हुई चाय होटल के स्वामी आलोक निवासी फरिया पिपरिया और अंडे के खोखे के स्वामी हमीदुल्ला हैं। दोनों दुकानदारों को आग से पुलिस ने बताया कि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता– द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :– 1183 / ग्र0अ0वि0 / निविदा / 2025–26 दिनांक 19.11.25

निविदा सूचना
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :–

01– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि क्षेत्र जलालाबाद।				
1	शाहजहाँपुर	सरस्वती विद्या मन्दिर जलालाबाद में कक्ष का निर्माण कार्य।	24.995	50000.00	2354.00	04 माह
	मा0 सदस्य विधान परिषद नोडल जनपद– शाहजहाँपुर (स्वीकृति की प्रत्याशा में)					
2	शाहजहाँपुर	ग्राम अकर्रारसूलपुर वि0ख0 ददरौल में श्री अहिवरन के मकान से संविलियन विद्यालय अकर्रारसूलपुर के सामने होते हुये जलालाबाद–शाहजहांपुर मुख्य मार्ग तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	21.110	42500.00	2354.00	04 माह
3	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में रवीन्द्र वर्मा के मकान से माध्यमिक विद्यालय तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	15.30	30600.00	854.00	04 माह
4	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में चन्द्रभान (जदुवीर के खेत) से कुनेन्द्र के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	17.45	34900.00	854.00	04 माह
5	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में वेदराम के मकान से मिश्रीलाल के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	13.12	26300.00	854.00	04 माह
6	शाहजहाँपुर	ग्राम हथौडा बुजुर्ग विकास खण्ड भावलखेडा में डा0 डी0पी0सिंह महाविद्यालय की वाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	24.99	50000.00	2354.00	04 माह
		मा0 सदस्य विधान विधान परिषद क्षेत्र शाहजहाँपुर/पीलीभीत				
7	शाहजहाँपुर	ग्राम सैजना विकास खण्ड ददरौल में एक शवदाह ग्रह (अन्त्येष्ठि स्थल) का निर्माण कार्य।	25.99	50000.00	2354.00	04 माह
		विधायक निधि क्षेत्र शाहजहॉपुर				
8	शाहजहाँपुर	वार्ड सं0 18 आदर्शनगर रौजा में गली नं0 21 में 232.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण कार्य।	15.40	30800.00	854.00	04 माह
9	शाहजहाँपुर	वार्ड सं0 18 आदर्शनगर रौजा में गली नं0 20 में 220.00 मी0 सी0सी0 नाली निर्माण कार्य।	13.97	28000.00	854.00	04 माह
10	शाहजहाँपुर	ग्राम पैना बुजुर्ग वि0ख0 भावलखेडा में 03 प्लेटफार्म वाला शवदाह गृह का निर्माण कार्य।	13.17	26400.00	854.00	04 माह

02–बेव साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :– 01.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे से।
03–विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय 01.12.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
04–ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय 01.12.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
05–ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि/समय 31.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।
06–ई0–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 31.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे।
07–टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
08–निविदा की ऑन लाईन वेब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
09–निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज के अनुसार पृविष्टि/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।अधिक जानकारी के लिये कृपया वेब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें, सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि वह बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भांति पढ लें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–शाहजहाँपुर
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP – 241593 दिनांक: 27/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी सदर, लखीमपुर–खीरी

पत्रांक– 545 / मत्स्य पा0प0–नीलामी / विज्ञापन / र0का0 दिनांक– 21.11.2025

विज्ञप्ति

मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा रिट याचिका संख्या–54161/2003 इन्द्रपाल बनाम सरकार उ0प्र0 व अन्य में पारित आदेश दिनांक 14–05–2009 व सिविल रिट याचिका संख्या'–18838/2012 प्रमोद कहार व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में पारित आदेश दिनांक 16–04–2012 एवं राजस्व संहिता 2006 (यथासंशोधित) की धारा 61 के अनुपालन में तहसील लखीमपुर में मत्स्य पालन हेतु उपयुक्त तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से किये जाने हेतु तहसील मुख्यालय पर शिविर का आयोजन किया गया हैं उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) में वर्णित नियमों के अनुरूप मछुआ समुदाय, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य व्यक्तियों के मध्य नीलामी पद्धति से तालाबों का 10 वर्षीय पट्टा किया जायेगा। 2 हे0 से बड़े क्षेत्रफल के तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से पंजीकृत मत्स्यजीवी समितियों के मध्य किया जायेगा। मा0 राजस्व परिषद, लखनऊ के पत्र संख्या– आर0जी0–0211 /जी–5–23आर (रिट)/2011 दिनांक 16 जुलाई 2013 के अन्तर्गत तालाबों की सूचना नियत प्रारूप पर नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न किये जाने हेतु प्रकाशित की जा रही है, जो निम्नवत् है–

नीलामी का स्थान– तहसील सभाकक्ष लखीमपुर
नीलामी का समय– दोपहर 11 बजे से 3 बजे तक

नीलामी हेतु तालाबों का विवरण

क्र0सं0	ग्राम व परगना का नाम जहां तालाब स्थित है	तालाब/पोखर मीनाशय एवं जल प्रणालियों का विवरण: खसरा सं0	क्षेत्रफल (हे0में)	बोली बोलने के लिये जमानत राशि (आरक्षित बोली धनराशि का 10 प्रतिशत)(रू0में)	नीलामी हेतु नियत तिथि	नीलामी अधिकारी का पदनाम
1	2	3	4	5	6	7
1	मूडा अर्जुन	441/939	0.506	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
2	मूडा अर्जुन	300	0.926	500	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
3	गौरिया भीलम	819	0.202	100	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
4	गौरिया भीलम	122	0.733	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
5	गौरिया भीलम	333	0.271	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
6	सिसौरा	430	0.482	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
7	सिसौरा	965	1.181	600	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
8	बंजरिया	248	0.356	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
9	अटकोहना	408	0.304	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
10	चन्दपुरा	286	0.756	750	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
11	मौजमाबाद	282	0.862	450	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
12	अटकोहना सलारपुर	281	0.494	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
13	ज्ञानपुर	184क	0.324	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
14	ज्ञानपुर	254	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
15	ज्ञानपुर	262	0.316	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
16	ज्ञानपुर	331	0.502	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
17	ज्ञानपुर	250	0.437	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
18	बालूडीह	437	0.223	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
19	ओदरहना	602	0.320	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
20	पिपरा करमचन्द	252	0.223	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
21	लकेसर	319	0.317	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
22	महेवा	295	0.356	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
23	महेवा	172क	0.502	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
24	सुन्दरवल	32मि.	0.259	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
25	सुन्दरवल	439	0.263	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
26	सैदापुर भाऊ	972	0.304	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
27	सैदापुर भाऊ	991	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
28	मोहम्मदपुर	171	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
29	पन्यौरा	217घ	1.561	800	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
30	ढुसरू	154	0.623	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
31	कारीपोखर	385	2.063	2100	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
32	अमिरतापुर	186	0.721	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
33	बसैगापुर	332	0.239	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
34	करनपुर	803ख	0.3480	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला

माननीय उच्च न्यायालय के सिविल मिस0 रिट पिटी0 संख्या 39590/2014 श्रीमती कौशल्या देवी बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य एवं सिविल मिस0 रिट पिटी0 संख्या 41084/2014 शंकर बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय एवं जाति प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से 6 माह पुराना न हो) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता एवं शर्तें:–

1– नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं शर्तें उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) में वर्णित सुसंगत प्राविधानों के अनुरूप होगी जो तहसील मुख्यालय एवं राजस्व परिषद के वेबसाइट https://bor.up.nic.in पर उपलब्ध है।

2– राजस्व संहिता नियमावली 2006 के अनुसार 2 हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाब पट्टा नीलामी की न्यूनतम धनराशि मु0 5,000/– प्रति हे0 प्रतिवर्ष निर्धारित की गयी है। 2 हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों के लिये न्यूनतम धनराशि 10,000/– प्रति हे0 प्रतिवर्ष निर्धारित है।

3– पट्टे की शर्तों एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य प्रकार की जानकारी रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय तहसील लखीमपुर में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। विज्ञापन में वर्णित किसी भी तालाब की आवंटन अवधि शेष होने पर विज्ञापन निरस्त समझा जायेगा।

4– नीलामी होने की स्थिति में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को जमानत धनराशि बोली बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलामग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि जो तय होगी अर्थात 1 वर्ष का लगान तत्काल जमा करना होगा तथा यही धनराशि प्रतिवर्ष लगान के रूप में जमा करना होगा। नीलाम स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार एवं अन्तिम निर्णय उपजिलाधिकारी लखीमपुर में निहित है। नीलामी शिविर में कोविड–19 प्रोटोकॉल का अनुपालन किया जायेगा।

5– उपरोक्त नीलामी तिथि में जो तालाब अवशेष रह जाते हैं उनकी नीलामी उक्त विज्ञापन के अनुसार प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ मंगलवार को पुनः की जायेगी।

UP – 241604 दिनांक: 27/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

तहसीलदार लखीमपुर
उपजिलाधिकारी लखीमपुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता:– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक:–2322 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांक:– 12.11.2025

–:: निविदा सूचना द्वितीय आमंत्रण ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण:–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	शान्ति अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज रामपुर वाग, बरेली में पियाऊ निर्माण कार्य। (वि0नि0–कैण्ट क्षेत्र)	3.300	6600.00	677.00	03 माह
2	बरेली	पुलिस लाइन बरेली में पुस्तकालय का निर्माण कार्य। (सां0नि0–नगर क्षेत्र)	6.950	13900.00	766.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि रू0 दिनांक:– 08.12.2025 से 10.12.2025 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय रू0 दिनांक 11.12.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 11.12.2025 अपरान्ह 12:30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

UP – 241292 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता:– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक:– 2323 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांक:– 12.11.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण:–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	ग्राम मझौआ हेतराम के मजरा ख्वाजीपुर में शांती राठौर के मकान से विजयवीर के मकान की ओर एवं लिंक गली में नन्हें लाल राठौर के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	8.090	16200.00	766.00	03 माह
2	बरेली	ग्राम पंचायत सहोडा खुर्द के मजरा इमलिया में भगवान सिंह के मकान से हरपाल सिंह के मकान तक एवं ओमकार लोधी के मकान से शेर सिंह लोधी के माकन तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	4.346	8700.00	677.00	03 माह
3	बरेली	ग्राम पंचायत रियोना सलेमपुर के मजरा सलेमपुर में डामर रोड से मोहित सिंह के घर व कस्तूरी सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	2.890	5800.00	677.00	03 माह
4	बरेली	ग्राम पंचायत विलौआ के जमुनिया में सतीश मिश्रा के घर से डामर रोड की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	5.703	11500.00	766.00	03 माह
5	बरेली	पउनगला में कृपाल के घर से राजू सिंह के घर की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	1.100	2200.00	589.00	03 माह
6	बरेली	मेहतरपुर करोड के मजरा फतेहपुर में महावीर के घर से रज्जन के दरवाजे की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	7.734	15500.00	766.00	03 माह
7	बरेली	ग्राम–भीकमपुर में श्री रामचंद्र पंडित के मकान से श्री जय सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	3.346	6700.00	677.00	03 माह
8	बरेली	ग्राम भगवानपुर फुलवा में काले रोड़ से श्री अनिल प्रताप सिंह राणा के खेत तक खंड़जा निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	4.921	9900.00	677.00	03 माह
9	बरेली	ग्राम धनतिया विकास खण्ड– फतेहगंज पश्चिमी में शवदाह शेड का निर्माण। (एम0एल0सी0– भोजीपुरा)	3.518	7100.00	377.00	03 माह
10	बरेली	ग्राम न्योधाना विकास खण्ड फतेहगंज पश्चिमी विधानसभा भोजीपुरा में रामकिशन शर्मा की खाली जगह से राजेंद्र मिश्रा के मकान तक सी0सी0 व नाली का निर्माण कार्य। (एम0एल0सी0– भोजीपुरा)	2.170	4400.00	589.00	03 माह
11	बरेली	मोहम्मदपुर जाटव में बरेली नैनीताल मार्ग से चौ0 जितेन्द्र सिंह के खेत तक मिट्टी खडंजा कार्य (एम0एल0सी0– भोजीपुरा) (वि0ख0– भोजीपुरा)	4.087	8200.00	677.00	03 माह
12	बरेली	ग्राम चुबकिया पक्का रोड से गौटिया के स0 मुख्त्यार सिंह के मकान तक मिट्टी खडंजा कार्य (एम0एल0सी0– भोजीपुरा) (वि0ख0– बहेड़ी)	9.342	18700.00	766.00	03 माह
13	बरेली	विकास खण्ड में स्थित पर्यटन स्थल सरोवात्र लीलौर झील का सौंदर्यरीकरण/पुर्नउद्वार हेतु एक सामुदायिक विश्राम स्थल (गजीबों) का निर्माण कार्य। (वि0नि0–रामनगर)	6.420	12900.00	766.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि रू0 दिनांक:– 08.12.2025 से 10.12.2025 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय रू0 दिनांक 11.12.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 11.12.2025 अपरान्ह 12:30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

UP – 241293 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप खण्ड द्वितीय बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–04 / अधि0अभि0 / 2025–26

महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु उ0प्र0 सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु मुहरबन्द निविदायें दिनांक 09.12.2025 को अपरान्ह 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 10.12.2025 को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में अपरान्ह 12.00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.12.2025 से 09.12.2025 तक सायं 4.00 बजे तक कार्य दिवस में निर्धारित मूल्य देकर कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड द्वितीय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित (रु0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	3	4	5	6	7	8	9
1.	Providing and fixing at foundation and testing of Crab winch manual hand operated 15ton capacity drum dia 355mm,length 1000mm, flange dia 750mm and height 1700mm for Fatehganj Pump canal District Bareilly i/c loading ,unloading and all material , labour and t&p required for proper Completion of work in all respect at Fatehganj East Pump Canal District Bareilly.	As per BOQ	8.34 + जी0एस0टी0 अतिरिक्त	17000.00	30 दिवस	225+ 18% जी0एस0टी0	"ए" अथवा उच्च श्रेणी "यांत्रिकी"

UP – 241221 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनोद कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड–द्वितीय बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक :– 6214 / 352सी / ई–टेण्डर–सी0खी0 / 2025 दिनॉक 17.11.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग कार्यों हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	निर्माण की लागत (लाख में)	अनुरक्षण की लागत (लाख में)	कार्य की लागत अनुरक्षण की लागत का योग (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	खीरी/ नि0ख0–1	गुरूनानकपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	211.10	9.22	220.32	13.02	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए
2	खीरी/ नि0ख0–1	फूलपुर सिरसी गोडियनपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	233.20	10.72	243.92	14.20	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए
3	खीरी/ नि0ख0–1	रामपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	114.40	7.50	121.90	8.10	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए एवं बी
4	खीरी/ नि0ख0–1	वजीरपुरवा कोपा मार्ग से मटेही सम्पर्क मार्ग के मध्य छूटी कडी का निर्माण कार्य।	132.00	7.78	139.78	9.00	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए एवं बी

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 05.12.2025 से 15.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 15.12.2025 को समय दोपहर बाद 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को सायंकाल 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 241224 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(के0के0 झा)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
लखीमपुर–खीरी।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली। बरेली जबरदस्त तरीके से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उड़ान भर रहा है। कभी सिर्फ फर्नीचर, सुरमा, पतंग और जरी-जरदोजी के लिए पहचाने जाने वाला जिला अब खाद्य पदार्थ, तेल, मेंथा, प्लाईवुड, रसायन समेत तमाम उद्योगों का केंद्र बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण बरेली का औद्योगिक चेहरा लगातार बदल रहा है। 20वीं सदी के शुरुआत में कुछ एक इंडस्ट्री से शुरू हुआ सफर आज 250 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों तक आ पहुंचा है। इस संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बरेली की औद्योगिक यात्रा उसकी सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति की कहानी भी है। हुनर, संसाधन और नवाचार तीनों मिलकर शहर को देष के औद्योगिक नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली बन रहा औद्योगिक हबः फर्नीचर, जरी-जरदोजी और कृषि उद्योग से लेकर पेपर, खाद्य पदार्थ, रसायन उद्योग तक की दौड़

बरेलीः परंपरागत उद्यमों से माडर्न उद्योगों तक की उड़ान

बरेली में 1956 में सीबीगंज, 1960 में परसाखेड़ा के अलावा 1964 में भोजीपुरा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। फरीदुपर रोड पर रजऊ के आसपास निजी रूप से इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया गया। यहां पेपर मिल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, प्लॉईवुड समेत कई इकाइयां स्थापित हैं। परसाखेड़ा सबसे बड़ा और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र है यहां ब्रेड-बिस्कुट, खाद्य तेल, डिस्टिलरी, कन्फेक्शनरी, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, रासायनिक पदार्थ, समेत कई अन्य उद्योग हैं। सीबीगंज और भोजीपुरा में भी छोटे-बड़े कई उद्योग हैं। बरेली में कई रासायनिक और औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हुई हैं। यहाँ बनने वाले साबुन, डिटर्जेंट, दवाइयां और खाद उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

निजी इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रियल एरिया को प्रोत्साहन दे रही है। प्लेज योजना (प्रमोटिंग लीडरशिप एंड एंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजंस) के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाया जा सकता है। इसमें कई तरह की छूट और सुविधाएं मिलेगी। 10 से 50 एकड़ तक जमीन वाले लोग औद्योगिक प्लेज पार्क बना सकेंगे। इसके लिए प्रति एकड़ 50 लाख का लोन एक प्रतिशत की ब्याज दर पर सरकार जमीन के मालिक को देगी। वह प्लाट बेचकर या किराए पर देकर कमाई कर सकता है। निजी पार्क में उद्योग लगाने के लिए सरकार उद्यमी को भी छूट पर लोन देती है। उद्योगपति विमल रेवाड़ी कहतें है कि रजऊ के आसपास समेत फरीदपुर रोड पर फूड प्रोसेसिंग, पेपर मिल, मोल्डेड फर्नीचर, प्लाईवुड, खाद्य तेल समेत दर्जनों उद्योग निजी जमीनों पर ही लगाए गए हैं। हालांकि यह प्लेज योजना के अंतर्गत इसलिए नहीं क्योंकि उद्योगपतियों ने खुद ही किसानों से जमीन खरीदकर अपनी फैक्ट्रियां लगाई हैं। वह कहते हैं कि यहां बिजली, सड़कों समेत कुछ बुनियादी समस्याएं हैं जिनका निदान जरूरी है। वह कहते है कि सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए करीब 35 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन देती है।

बड़ी फैक्ट्रियों का दौर

एक समय बरेली देश के बड़े उद्योगपतियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। यहां की कत्था फैक्ट्रियां पंजाब, दिल्ली, बंगाल समते अन्य राज्यों तक सप्लाई भेजती थीं। कत्था उद्योग ने बरेली को कृषि-आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में पहचान दी। विमको ने बरेली के औद्योगिक इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ा। विमको ने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग और श्रमिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। विमको की सफलता ने यह साबित कर दिया कि बरेली में पारंपरिक कारीगरी ही नहीं मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए भी बड़ी संभावनाएं हैं। इसी समय बरेली का औद्योगिक चरित्र बदलने लगा। बरेली की औद्योगिक पहचान में एक और बड़ा नाम है इफको (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड)। 1988 में आंवला में स्थापित इफको न केवल उर्वरक उत्पादन में क्रांति लाई, बल्कि कृषि के क्षेत्र में जागरूकता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया।

एमएसएमई और आधुनिक औद्योगिक दौर

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि आज बरेली सिर्फ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। यहां एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर, प्लास्टिक, पैकेजिंग, कनफैक्शनरी, बेकरी, हैंडक्राफ्ट, फार्मा से जुड़े सैकड़ों उद्यम चल रहे हैं। "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत ज़री-ज़रदोजी उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। युवाओं में स्टार्टअप और डिजिटल कारोबार की संस्कृति विकसित हो रही है।

परंपरागत उद्योग

परंपरागत रूप से बरेली का फर्नीचर, सुरमा और जरी जरदोजी पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। सिकलापुर फर्नीचर की बड़ी मंडी है। फर्नीचर के काम में हजारों कारीगर कार्यरत हैं। बरेली की जरी-जरदोजी ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। यहाँ के उत्पाद दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे फैशन केंद्रों तक पहुँचते हैं। यहां से इसे अरब देशों समेत पश्चिम के दशों में निर्यात किया जाता है। सुरमा ने भी बरेली को बड़ी पहचान दिलाई है। एम हसीन हाशमी का सुरमा दृष्टि की बेहतरी के लिए रामबाण माना जाता रहा है। पतंग और मांझा के बिना बरेली की पहचान अधूरी है। बरेली की पतंग आसपास के जिलों के आसमान को भी रंगबिरंगा कर देती है। बरेली का मांझा भरोसे की गारंटी माना जाता है हालांकि चायनीज मांझा ने न सिर्फ यहां के मांझा का रास्ता रोक दिया है बल्कि कामगारों की भी कमर तोड़ दी।

भविष्य की संभावनाएं

भविष्य में बरेली को "रोहिलखंड का औद्योगिक हब" बनाने की दिशा में कार्य चल रहा है। यहाँ फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। सरकार की यह योजनाएं सफल रहीं, तो बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में शामिल हो जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के संबंध में बरेली को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला है। वे आ जाते हैं तो शहर का औद्योगिक नक्शा ही बदल जाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप से मिलेगी रफ्तार

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड ने शहर के विकास को नई दिशा देने के लिए दिल्ली हाईवे पर औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में 93वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए सदर तहसील के रसूला चौधरी और मीरगंज तहसील के भिटौरा नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली और रहपुरा जागीर गांवों की लगभग 125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। टाउनशिप में ट्रांसपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, डॉरमेट्री, हॉस्पिटल फैसिलिटी, बैंक, कैफेटेरिया, फायर स्टेशन, सीयूजीएल गैस लाइन, पेट्रोल व सीएनजी पंप, ई-चार्जिंग स्टेशन समेत अनेक सुविधाएं होंगी। योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सरकार का सहयोग बना रहा और इसी गति से निवेश जारी रहा तो बरेली अगले कुछ वर्षों में उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। हालांकि उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कुशल श्रमिकों की कमी समेत कई समस्याएं चिंता की बात हैं लेकिन समस्याओं से पार पाकर ही उद्योग खड़े किए जाते हैं। सरकार इसी तरह निवेश को बढ़ावा देती रही, तो बरेली को उत्तर प्रदेश का मिनी-इंडस्ट्रियल कैपिटल बनने से कोई नहीं रोक सकता। - **विमल रेवाड़ी**, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केन्द्रीय समिति के सदस्य

1950 के बाद से बरेली के उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एमएसएमई की स्थापना हुइ जिसने समय के साथ-साथ अनुधिकता को अपनाया और यूपी के तीन बड़े शहरों में खुद को स्थापित किया। प्रदेश की जीडीपी में बरेली भी बड़ा योगदान दे रहा है। बरेली में बड़ी संख्या में लघु उद्योग लग रहे हैं। राज्य सरकार ने बरेली में फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालात इसी तरह सही रहे तो बरेली उत्तर भारत का अगला इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर बन सकता है। - **मयूर धीरवानी**, चैप्टर चेयरमैन, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन

25 साल पहले इंडस्ट्री एक बुरे दौर गुजरीए उस दौरान कई बड़ी इंडस्ट्री बंद हुई तो कई बंद होने के कगार पर पहुंची। वर्तमान में भोजीपुरा और परसाखेडा जैसे औद्योगिक क्षेत्र का विकास होने के बाद उद्योग तेजी से संभले। बरेली उत्तर भारत का इंडीस्ट्रियल हब बनने के लिए तैयार है। बरेली के उद्योगों का तेजी से विकास होए इसके लिए आवश्यक है कि बरेली के लिए दूसरे बडे शहरों से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। चैंबर आफ कामर्स उद्यमियों का समस्या के समाधान के लिए हर समय तैयार है।
- **राजीव सिंघलए अध्यक्ष**, चैंबर आफ कामर्स

निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां

परसाखेड़ा में स्थापित खाद्य तेल निर्माता बीएल एग्रो भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में है। यह बैल कोल्हू ब्रांड से खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल बनाती है। नरिश ब्रांड के तहत, कंपनी आटा, चावल, दालें और घी जैसे उत्पाद बनाती है। मेवे, पापड़, अचार, मुरब्बा, मसाले और रेडी-टू-ईट उत्पाद भी इसकी सूची में शामिल हैं। रामा श्यामा पेपर मिल भी बड़ी कंपनी है जो 25 वर्षों से क्राफ्ट पेपर बनाती है जिसका उपयोग पैकेजिंग उद्योग, विशेष रूप से कोरोगेटेड बाक्सों और अन्य पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। खंडेलवाल इडेबल आयल, अशोका फोम, जल-आकाश समेत कई बड़े उद्योग बरेली की औद्योगिक पहचान में चार चांद लगा रहे हैं।

ऐसे बना उद्योगों के लिए माहौल

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य विमल रेवाड़ी बताते हैं कि सबसे बड़े क्षेत्र परसाखेड़ा में करीब 1997 तक हालात बहुत अच्छे नहीं थे। उद्योग थे लेकिन उद्यम जैसा माहौल नहीं था। जड़ता थी, उड़ान भरने का उत्साह नहीं था। तब परसाखेड़ा नगर निगम के पास था। सड़कें, नालियों समेत इंफ्रास्टक्चर बेहद खराब था। बरसात का पानी फैक्ट्रियों में घुस जाता था। माल खराब हो जाता था। हमारे संगठन के बहुत प्रयासों बाद परसाखेड़ा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम यूपीसीडा ने ले लिया। इसके बाद बदलाव आया। माहौल बना तो नए उद्यम आए। वह भाजपा सरकार को उद्योगों के लिए संजीवनी मानते हैं। कहते हैं कि अब उद्यमियों से पूछा जाता है कि आपको क्या चाहिए। वह कहते है कि हम चाहते है कि उद्योगों में 35-40 प्रतिषत की ग्रोथ हो। इसके लिए सरकार से कुछ और भी अपेक्षाएं हैं जिसके बारे में संगठन ने बात की है।

यूं हुआ औद्योगिक विकास

1900 से 1960 तक बरेली में कई बड़े उद्योग लग चुके थे। 1919 में इज्जतनगर में इंडियन वुड प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना हुई। यहां बड़े पैमाने पर कत्था निकाला जाता था। 1924 में सीबीगंज में इंडियन टरपेंटाइन एंड रोजिन (आईटीआर) की स्थापना हुई। 1938 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (विमको) लगाई गई। इस कंपनी में बनी माचिस पूरे देश में पसंद की जाती थी। नेकपुर में 1932 में एचआर शुगर फैक्ट्री की स्थापना हुई। 1940 तक बरेली ने अपनी औद्योगिक पहचान मजबूत कर ली थी। 1960 में फतेहगंज पश्चिमी में एशिया की सबसे बड़ी रबर फैक्टरी लगी। इसके बाद समय का ऐसा पहिया घूमा कि उक्त पुराने उद्योग अलग-अलग कारणों से बंद होते रहे। सबसे बड़ा झटका रबर फैक्ट्री बंद होने से लगा। हालांकि तब तक परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया विकसित हो चुका था और नए उद्योग पंख फैलाने लगे थे।

आंखों के रोगों में रामबाण माना जाता है बरेली का सुरमा

सुरमा बरेली वाला

बरेली। बरेली का सुरमा किसी पहचान का मोहताज नहीं। आंखें सुर्ख हो गई हों, पानी आ रहा हो, दर्द कर रही हों या अन्य परेशानी हो... सभी बीमारियों के उपचार में रामबाण माना जाने वाला बरेली का सुरमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। भले ही अब इसे आंख संबंधी ड्रॉप और दवाइयों समेत नए-नए सौंदर्य प्रसाधनों से भारी चुनौती मिल रही हो। परंपरागत रूप से अभी भी लोगों का भरोसा सुरमा पर कायम है। बरेली में हाशम परिवार ने 1794 में सुरमा बनाना शुरू किया। 1971 में कारोबार संभालने वाले चौथी पीढ़ी के सदस्य एम हसीन हाशमी ने इसे देश-विदेश में मशहूर किया। अक्टूबर 2021 में उनकी मृत्यु के बाद सुरमा बनाने का कारोबार पांचवी पीढ़ी संभाल रही है।

इन रोगों में लाभकारी : यह आँखों को स्वस्थ रखता है। दृष्टि में सुधार करता है। आँखों को ठंडक और राहत देता है। इसका उपयोग दवा के रूप में भी किया जाता है। मोतियाबिंद, नाखूना, आंखों में जलन, आंख का जाला, पानी आना, लालिमा, पीलापन, कालेपानी जैसी समस्याओं में इसका उपयोग करते हैं। अलग-अलग रोग के लिए अलग-अलग सुरमा इस्तेमाल करते हैं। सुरमा ममीरा नंबर 777, सुरमा ममीरा 500, सुरमा ममीरा 555, सुरमा मोती, सुरमा गुलाब खास, सुरमी के अलावा कई अन्य तरह का सुरमा तैयार किया जाता है।

उर्स के समय बढ़ जाती है मांग : बरेली में सुरमा रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।

गुणवत्ता ही पहचान : शावेज हाशमी कहते हैं कि सुरमा बनाने का सबसे बेहतरीन तरीका अपनाते हैं जिससे सुरमा बहुत असरदार हो जाता है। सुरमा बनाते वक्त उसकी सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इसीलिए बरेली का सुरमा पूरी दुनिया में पहचान बनाए हुए है। बरेली से करीब 10 किलो सुरमा प्रतिदिन सप्लाई हो रहा है। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में बरेली के सुरमा के कद्रदान हैं। पश्चिम बंगाल में इसकी मांग न के बराबर हैं क्योंकि वहां सुरमा का चलन नही है।

ऐसे बनता है सुरमा

करीब 230 सालों से चले आ रहे कारोबार को संभाल रहे पांचवीं पीढ़ी के शावेज हाशमी बताते हैं कि सुरमा बनाने के लिए सऊदी अरब, मिस्र से एक खास पत्थर कोहिनूर मंगाया जाता है। पत्थर को छह महीने गुलाब जल और सौंफ के पानी में डुबोकर रखा जाता है। पत्थर को सुखाकर पीसा जाता है। इसकी 11-12 लेयर उतारी जाती हैं। आखिर में ऐसा हो जाता है कि उंगलियों के पोरों पर भी महसूस न हों। अंतिम चरण में, इसमें सोने, चांदी और बादाम का अर्क मिलाया जाता है। इसमें गुलाबजल, कपूर, ममीरा, पीपल, सौंफ आदि यूनानी एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां भी शामिल की जाती हैं। आखों की अलग अलग बीमारियों के हिसाब से सुरमा तैयार किया जाता है। बताया कि दिन भर में एक आदमी एक-सवा किलो पत्थर पीस पाता है। बाकरगंज में 25 परिवार वर्षों से सुरमा पीसने के काम में लगे हैं। वह बताते हैं कि सुरमा को ड्रॉप में भी लाने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली में जरी जरदोजी के काम में लाखों लोगों को मिला है रोजगार

जरी-जरदोजी... सलमा-सितारों की झिलमिल चुनरिया

बरेली। बरेली परंपरागत रूप से जरी-जरदोजी का गढ़ रहा है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर जरी का काम होता रहा है। यह उद्योग शहर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें तीन से चार लाख लोग काम करते हैं। रेशम, कटदाना मोती, कोरा कसाब, तार, नक्शी, नग, मोती, ट्यूब, चनाला, जरकन नोरी, पत्तियां, दर्पण जब किसी कपड़े पर टांके जाते हैं तो मुंह से वाह-वाह निकलता है। जरी जरदोजी के कपड़ों में लहंगे, सूट, साड़ी और गाउन के अलावा सोफों के कवर, कुशन, फ्रिज कवर, जूतियां शामिल हैं, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बेचे जाते हैं। जरी की कढ़ाई वाले सूट, साड़ियों की मांग दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में सर्वाधिक हैं। अमेरिका, अरब देशों समेत यूरोप के भी कुछ देशों में भी इसकी मांग है।

घर-घर हो रहा काम : जरी-जरदोजी का काम बरेली शहर के साथ आसपास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में होता है। बरेली में खासकर पुराना शहर इसका केंद्र है। मोहनपुर ठिरिया, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर, बहेड़ी, नवाबगंज में भी बड़ी संख्या में लोग इस काम से जुड़े हैं। पुराना शहर में हजारों घरों में पूरा परिवार अड्डे पर कारचोबी करता दिखाई देता है। घर के कामों से निपटने के बाद महिलाएं-युवतियां इस काम में जुट जाती हैं और परिवार को आर्थिक संबल देती हैं। जरी-जरदोजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है।

यूं होता है जरी का काम : कपड़े को कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुआ या आरी से होती है। दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, दबका, बड़े ध्यान से लगाने पड़ते हैं। कारीगर इतने हुनरमंद हो जाते हैं कि उनकी उंगलियां रेशम, सलमा-सितारों से खेलती लगती हैं। इसके बावजूद नजर हटी और दुर्घटना घटी वाली स्थिति होती है। इतना बारीक काम है कि कारीगरों की आंखों पर समय से पहले चश्मा लग जाता है।

मशीनों ने बढ़ाई मुश्किल

कलीम खां कहते हैं कि पैटर्न बदल रहा है जिसका असर कारोबार पर पड़ा है। कंप्यूटर से डिजाइन और मशीनों से कढ़ाई ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इससे अड्डों में बहुत कमी आई है जिससे रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं कि पशमीना शॉल पर जरी की कढ़ाई होती है। एक शॉल की कीमत 30 हजार रुपये तक है। कारीगर को भी अच्छा पैसा मिलता है लेकिन ये शाल आम चलन में नही है इसलिए बहुत लाभ नहीं। ऐसे ही कुछ अन्य कपड़े भी हैं जिनसे हमें अच्छा लाभ हो सकता है लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर होने के कारण हमें आर्डर नहीं मिलते। वह कहते हैं कि जरदोजी के काम में आने वालें कच्चे माल की बढ़ रही कीमतों से भी परेशान हैं। इसके मुकाबले तैयार माल की कीमत में कोई खास बढ़त नहीं हुई।

दूसरे काम तलाश रहे कारीगर

जरी के काम में उस्ताद यूसुफ कारीगर निराशा जाहिर करते हैं। वह कहते हैं कि पहले जरी का काम घर-घर होता था। कोई चार से पांच लाख लोग इस काम में लगे थे। पूरा परिवार अड्डे पर बैठा दिखाई देता था। लेकिन अब वैसे हालात नहीं। अब साड़ियों की मांग कम हुई है। महिलाएं सूट या गाउन पहनती हैं। वैवाहिक आयोजन में लहंगा का चलन है। वे भी मशीनों से तैयार होने लगे हैं। लिहाजा कारोबार पर असर पड़ा है। दिन भर में 300 से 400 रुपये तक अड्डा उतार पाते हैं। इससे घर कैसे चलेगा। बड़ी संख्या में कारीगर ऑटो चलाने लगे या दूसरे काम कर रहे हैं। घरों में महिलाओं के जिम्मे ये काम हो गया है, ज्यादातर पुरुष दूसरे काम करने लगे। यहां के कारीगर अब पंजाब, दिल्ली समेत दूसरे शहरों में काम कर रहे हैं।

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण खाका

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण होता है खाका। बटर पेपर पर डिजाइन तैयार कर कपड़े पर छापा जाता है इसके बाद कढ़ाई शुरू की जाती है। खाका कारीगर राजू भाई कहते हैं कि बटर पेपर पर पेंसिल से डिजाइन बनाते हैं। इस डिजाइन को पिन या सुई से छेद कर लेते हैं। इसके बाद खाका को अड्डे पर लगे कपड़े पर छाप लेते हैं। छापने के लिए खड़िया, मिट्टी के तेल का घोल बनाते हैं। वह कहते हैं कि कंप्यूटर डिजाइन ने मुश्किलें बढ़ाई है। लोग कंप्यूटर से ही डिजाइन का प्रिंट निकलवा लेते हैं। हालांकि बरेली में अभी कंप्यूटर से प्रिंट निकलवाने का काम उतना ज्यादा नहीं है। फिर भी असर पड़ा है।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

अमृत विचार

शनिवार, 29 नवंबर 2025

अगर आप केवल भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे,
तो वर्तमान को भी खो देंगे।
–गुरु गोबिंद सिंह

अंतरिक्षीय अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री द्वारा विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक निर्णायक मोड़ है। यह पहला अवसर है, जब किसी भारतीय निजी स्टार्टअप द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। साफ है कि देश अपने को सरकारी एजेंसी आधारित अंतरिक्ष शक्ति के रूप में सुस्थापित करने के बाद एक बहु-आयामी, नवोन्मेष–संचालित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभर रहा है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने से वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में छोटे, सूक्ष्म और नैनो उपग्रहों की मांग और उनकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दशक में, हजारों नए उपग्रह लॉन्च होंगे।

छोटे और मध्यम श्रेणी के उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए निजी कंपनियों के ऑर्बिटल लॉन्चर इसरो का भार काफी कम कर सकते हैं। यह क्षमता न केवल मिशनों की गति बढ़ाती है, बल्कि इसरो को वैज्ञानिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का अवसर भी प्रदान करती है। देश में निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष गतिविधियों में प्रवेश देने का निर्णय इसरो के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद सरकार ने इन स्पेस की स्थापना की, निजी कंपनियों के लिए परीक्षण सुविधाएं खोलीं और स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इसके परिणामस्वरूप आज सैकड़ों छोटी-बड़ी भारतीय निजी कंपनियां, उपग्रह निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, ग्राउंड–स्टेशन नेटवर्किंग, मिशन प्लानिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा लॉन्च सेवाओं तक के अनेक चरणों पर इसरो के साथ मिल कर कार्य कर रही हैं। इसी नयी खुली व्यवस्था का प्रभाव यह है कि आज भारतीय निजी रॉकेट कंपनियां विदेशी उपग्रहों को भी प्रक्षेपित कर रही हैं, विदेशी विश्वविद्यालयों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के तकनीकी परीक्षण कर रही हैं और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही हैं। इससे भारत विश्व निवेशकों के लिए एक आकर्षक अंतरिक्ष-गंतव्य बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप में निवेश कई गुना बढ़ा है और यह क्षेत्र अब देश की उभरती 'न्यू स्पेस इकॉनमी' का नया केंद्र बनने लगा है।

सरकार की अंतरिक्षीय अपेक्षा है कि जैसे नासा और स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियां साझेदारी में काम करती हैं, वैसा मॉडल विकसित करे। देश में इस तरह की साझेदारी संरचना संभव है, बशर्ते विनियामक ढांचा अधिक आधुनिक एवं तेजी से निर्णय लेने वाला और प्रतियोगी हो। हमें इस दिशा में कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाने होंगे। अंतरिक्ष बीमा को विकसित करना, टेक–टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, निजी खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक नीति–स्थिरता सुनिश्चित करना और छोटे–मध्यम उपग्रह बाजार के लिए प्रोत्साहन योजना लागू करना, इस पूरे ईकोसिस्टम को और मजबूत कर सकता है। फिलहाल विक्रम–1 का अनावरण केवल एक रॉकेट की 'मुंह दिखाई' नहीं बल्कि यह भारत के 'नए अंतरिक्ष युग' का उद्घोष है। एक ऐसा युग, जिसमें सरकारी अनुसंधान और निजी नवाचार मिलकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रसंगवश

भारत में जेआरडी टाटा ने शुरू की आठ घंटे की शिफ्ट

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान उद्योगपति जेआरडी टाटा (जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा) का निधन हो गया था। वे हमारे देश की उन महान शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी। उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। भारत रत्न पाने वाले वह पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया। उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल, यूएनओ के एविएशन सम्मान और फ्रांस का लीजन डी'होनूर भी मिला।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'ऑनरेरी एयर कमोडोर' के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था। जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था- पत्र पढ़ना और लिखना। वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी 'पीपल-फर्स्ट' सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं, कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्स वेलफेयर स्कीम, वर्कर्स इंश्योरेंस, टाटा स्टील में आठ घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार), उद्योग में जन-कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएं उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।

वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जेआरडी टाटा लाइसेंस संख्या '1' के साथ भारत के पहले पायलट बने। 1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की। इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी, जो स्वयं जेआरडी टाटा ने उड़ाई थी। बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जेआरडी टाटा लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।

1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने। उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।

वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे। उनका विचार था कि जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।

नई श्रम संहिताएं सुधारों की ऐतिहासिक पहल

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

भारत के श्रम कानूनों को काफी पुराना माना जाता है। आजादी के बाद से कामगार वर्ग की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, फैक्ट्री अधिनियम 1881 का अपडेट 1948 प्रभावी रूप से लागू हुए, उस समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न थी। उस समय देश में असंगठित क्षेत्र का विस्तार काफी बड़ा था, मजदूरों का कानूनी संरक्षण कमजोर था और वेतन निर्धारण के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय ढांचा मौजूद नहीं था उस दौर में इन अधिनियमों ने मजदूरों को कानूनी शक्ति दी।

समय के साथ अर्थव्यवस्था के बदलते ढांचे, लगातार बढ़ता औद्योगिकरण, सेवा क्षेत्र का विस्तार, अनौपचारिक श्रम की बढ़ती संख्या, आधुनिक कार्य स्थलों की ज़रूरतें यह स्पष्ट कर रही थी कि 1948 के कानून आज की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सीमित हैं। इस दिशा में वर्ष 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने श्रम कानूनों के सलीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिसका काफी लाभ श्रमिकों को मिला।

इस वर्ष 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताएं संसद द्वारा पांच-छः वर्ष पूर्व पारित की गई थीं, जिसमें वेज कोड-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संगीता-2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य स्थल स्थित संहिता- 2020 दशकों पुराने बिखरे हुए और जटिल श्रम कानून में बदलाव कर उन्हें आज के परिदृश्य के अनुरूप तैयार किया गया था। संसद से पारित होने के उपरांत पिछले पांच वर्षों से लगातार श्रमिक संगठनों और विभिन्न स्टेट होल्डर्स के साथ संवाद एवं चर्चा करने के बाद अब लागू किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। ये चार श्रम संहिताएं स्वतंत्रता के बाद अलग-अलग कालखंड में लगभग 40 से 77 वर्ष पुराने समय में बने 29 कानूनों को आज की तकनीक चलित, सेवा क्षेत्र प्रधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाली अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार किया गया है।

यह मुख्यतः वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता हैं, इन संहिताओं से श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य स्थल और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी सुनिश्चित होगी। इन संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सरलता और एकरूपता है, जिससे नियमों का अनुपालन अधिक पारदर्शी होगा। इससे कर्मचारियों को अपने अधिकार समझने में आसानी होगी और नियोक्ताओं को कानून की अस्पष्टताओं से मुक्ति मिलेगी। नए श्रम सुधार केवल कानूनों में परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि देश के श्रम बाज़ार, औद्योगिक संरचना और सामाजिक सुरक्षा के भविष्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास हैं।

इन श्रम सुधारो का प्रभाव संक्षेप में निम्नवत समझा जा सकता है-

1. श्रम कानूनों का सरलीकरण- श्रमिकों के अधिकारों का सुदृढ़ीकरण न्यूनतम वेतन, समान वेतन, समय पर भुगतान जैसे अधिकार अधिक स्पष्ट और लागू करने योग्य बने हैं। ई-पंजीकरण और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण पारदर्शिता बढ़ेगी तथा श्रमिकों का शोषण कम होगा। ठेका श्रमिकों, प्लेटफॉर्म व गिग वर्करों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में प्रावधान किए गए हैं।

2. वेज कोड (वेतन कोड) सामाजिक सुरक्षा संहिता- ईएसआई, ईपीएफओ, मातृत्व लाभ, ग्रेच्युटी जैसी योजनाओं में अधिक श्रमिकों को शामिल करने की व्यवस्था असंगठित क्षेत्र को इसमें शामिल करना, जो भारत के कुल श्रमिकों का लगभग 90% से अधिक है, वे अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

3. उद्योगों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' अनुपालन की प्रक्रियाएं डिजिटल होने से उद्योगों पर प्रशासनिक बोझ घटेगा। निरीक्षण का जोखिम और पारदर्शी सिस्टम भ्रष्टाचार को रोकेगा। इससे निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

4. औद्योगिक संबंधों में स्थिरता विवाद समाधान, पुनर्गठन, छंटनी और पुनर्नियोजन से जुड़े प्रावधानों को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। स्थायी उद्योगों में स्ट्राइक/लॉकआउट से संबंधित नियमों को संतुलित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे उत्पादन बाधित होने की संभावना कम होगी। इससे उद्योग और श्रमिक—दोनों के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण बनाना आसान होगा।

5. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस, हर प्रकार के खतरनाक, निर्माण संबंधी, फैक्ट्री और बहु-प्रतिष्ठान कार्यों में सुरक्षा मानकों पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश और आधुनिक तकनीक को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा नियमों को समाहित किया गया है, इससे मजदूरों के हित सुरक्षित होंगे।

6. असंगठित और नई अर्थव्यवस्था के श्रमिकों को पहचान, गिग वर्कर, प्लेटफॉर्म वर्कर, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार- इन सबके लिए डेटाबेस, पोर्टल और सुरक्षा योजनाएं सुनिश्चित करने का रास्ता खुलेगा जो भविष्य में काम की बदलती प्रकृति (Digital Economy, App-based Work) के लिए कानूनों के ढांचे से सुरक्षित करेगा।

7. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में सरल कानून और सुरक्षित श्रमिक से दोगुना लाभ होगा यह रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। यह सुधार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं। इनका लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और दूसरी ओर श्रमिकों को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

आमने

किसी परिवार में आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण पिता अपनी बेटी का दान न कर दे और वह उनके साथ रिश्ता न जोड़े। रोटी-बेटी का रिश्ता होने तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण जारी रखा जाना चाहिए।
–संतोष वर्मा
आईएएस, मध्य प्रदेश

सामने

एक आईएएस अधिकारी द्वारा 'बहन एवं बेटियों' को लेकर की गई टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है।
–राजेंद्र शुक्ल
डिप्टी सीएम, मध्य प्रदेश

खतरनाक होगा मेहमान पंछियों का फिर न आना

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इस साल प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत में जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है। 2019 में तो यहां हजारों पक्षी मारे गए थे। पिछले साल यहां कोई 200 पक्षियों के मरने का आंकड़ा दर्ज है। इस साल मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सैंपल सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए, तो आशंका पुष्ट हो गई कि पक्षियों की मौत का कारण वही एवियन बोटुलिज्म है, जिसके कारण बीते कई सालों से मेहमान परिंदों के लिए सांभर झील कब्रगाह बनती जा रही है।

इस बात की परवाह किसी को नहीं है कि भारत में विदेशी पक्षियों के सबसे बड़े ठिकाने में से एक सांभर झील आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही हैं। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही है। शायद कुदरत ने इन बेजुबान जानवरों को संभावित खतरे को भांपने की क्षमता भी दी है, तभी वे झील के नैसर्गिक स्वरूप में हो रही छेड़छाड़ से शायद सशंकित हो रहे हैं। यह सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिगरी तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़ कर आते हैं, किस तरह ठीक उसी जगह आते हैं, जहां उनके दादा-परदादा आते थे, विज्ञान के लिए अनसुलझी पहेली की तरह है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'सांभर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। सन् 1996 में 5,707.62 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र वाली यह झील सन् 2014 में 4700 वर्ग किमी में सिमट गई। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ फीसदी- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की जमीन पर कब्जा करता रहता है।

इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बना रहे, इसके लिए इसमें मैया, रूपनगढ़, खारी, खंडेला जैसी छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है, तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली बीतते ही यहां विदेशी मेहमानों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नाम के बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सांभर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है।

पुराने अनुभव बताते हैं कि यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देतें हैं व उनके पंख और पैर में लकवा हो जाता है। कमजोरी के चलते उनके प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो यही हुआ है कि पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाइपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पंछियो ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हो गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. आबिद आली के मुताबिक साल 2024 की तरह 2025 में त्रासदी का प्रारंभ सांभर के नमक वाले इलाके से हुआ है। झील में प्रवेश करने वाला औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। याद करें सन् 2010 में भी लगभग इसी तरह हुई पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ।

दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने सांभर झील को रामसर साईट घोषित किए जाने के बाद अर्थात 24 मार्च 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार ने आधी अधूरी जानकारी दी और झील का पानी और खराब होता गया। सांभर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो सांभर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए, जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुंए और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। फिर परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है।

विशाल झील को छूने वाले किसी भी नगर-कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिशोधित करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

प्रवासी पक्षियों का आना शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत के जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है।

सोशल फोरम

आर्किमिडीज की दो हजार साल पुरानी किताब

14 अप्रैल, 1229: लगभग 800 साल पहले एक भिक्षुक ने कुछ पुराने चर्मपत्रों को साफ करके, उन पर लिखी लिपि को मिटाकर, एक नयी प्रार्थना पुस्तक लिखी थी। उस समय पुस्तकों का ऐसा पुनर्प्रयोग एक आम बात थी। 800 साल के बाद यह पुस्तक वर्तमान के तुर्की में एक डेनिश वैज्ञानिक 'योहान लुडविग' को मिली। पुस्तक के सूक्ष्म निरीक्षण से उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि अक्षरों के नीचे मिटाए गए कुछ ऐसे धुंधले इंप्रेशंस थे, जो यह इशारा कर रहे थे कि पुस्तक का संबंध प्राचीन ग्रीस से है। मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और एक्स-रे तकनीक की सहायता से यह पता चला कि यह पुस्तक वास्तव में कैल्कुलस की मूल अवधारणाओं पर लिखी गई किताब थी, जिसे 2000 साल पहले महान ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने लिखा था।

विजय सिंह ठकुराय
ब्लॉगर

अगर उस भिक्षुक ने इस पुस्तक को नष्ट नहीं किया होता तो क्या कैल्कुलस न्यूटन से कई शताब्दी पहले ही खोज लिया जाता? क्या हम ज्ञान-विज्ञान के स्तर पर समय से आगे होते? यकीन के साथ तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि कुछ दुर्योग अपरिहार्य हैं, इतिहास के कुछ पन्ने खो जाना ही शायद नियति का अंग है।

समूचे ब्रह्मांड का आकार निरंतर बढ़ रहा है। प्रति दस लाख प्रकाश वर्ष के क्षेत्र में हर क्षण लगभग 22 किमी का नया 'स्पेस' ब्रह्मांड के आकार में जुड़ जाता है। वर्तमान में हम किसी भी दिशा में ब्रह्मांड के 47 अरब प्रकाश वर्ष लंबे हिस्से को टेलिस्कोप की मदद से देख सकते हैं। इस सीमा का दायरा भविष्य में अधिकतम 62 अरब प्रकाश वर्ष होगा। अर्थात, 62 अरब प्रकाश वर्ष के परे का ब्रह्मांड हमारे लिए सदैव एक रहस्य ही रहेगा। कारण- 62 अरब प्रकाश वर्ष के बिंदु से परे का ब्रह्मांड प्रकाश गति से भी तेज हमसे दूर भाग रहा है। हमने ब्रह्मांड के बारे में आज तक जो जाना, उसका एकमात्र स्त्रोत आसमान में आकाशगंगाओं के रूप में अपनी आभा बिखेरती ये अनंत रोशनियां ही हैं। पर एक समय ऐसा आएगा, जब देखने के लिए क्षितिज पर कुछ होगा ही नहीं। आज से कुछ अरब साल बाद हमारे लोकल ग्रुप की 50 आकाशगंगाएं मिलकर एक महाविशालकाय संयुक्त गैलेक्सी को जन्म देंगी, पर ब्रह्मांड की अन्य समस्त आकाशगंगाएं क्षितिज से ओझल हो चुकी होंगी।

समय का चक्र अटल है। संयोग और दुर्योग घटित होते हैं और समय के कुछ पन्ने हमेशा के लिए खो जाना ही नियति है।

सामयिकी

गुम होते इंसान और खामोश पड़ा तंत्र

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से चर्चा में है। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर पहुंचा दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है। उनका रिकवरी रेट भी बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग न लगना, अपने आप में चौकाता है। जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बांग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा बढ़ा है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में आठ हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके।

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं, जो या तो पार्कों में खलने गए या ट्यूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौंकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिलीं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती भी रहती हैं कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किडनी गिरोह सक्रिए है? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं।

देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। पहली जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच सात हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

मेघालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊंची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सन्नाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर रौनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन केले के पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान हैं, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। अथिति गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ियों के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झरने मनमोहक हैं।

यहां गिरी थी देवी सती की बाईं जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाईं जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाख्या के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

अखंड ज्योति, पूजा-अर्चना और बलि भी

इस मंदिर में नवरात्र में उत्सव के दौरान बलि भी दी जाती है और इसके लिए खासतौर पर स्थान बनाया गया है। भजन-कीर्तन, पूजा, साधना और भंडारा होता है। देवी को अर्पण करने के लिए श्रृंगार का सामान मिलता है। ताजे फूल तो अमूमन नवरात्र में मिलते हैं। यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासतौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।

इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुहावटी तक ट्रेन या हवाई जहाज तक पहुंच सकते हैं। फिर टैक्सी से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। चाहें तो शिलांग ठहर कर वहां के नजारे देख सकते हैं और फिर वहां से चेरापूंजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक जाते हैं।

सारा मोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाग्य रेखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्नातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उम्र बमुश्किल चौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रानुसार था। यहां उम्रानुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरा शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट पैक की तरह नहीं था, लेकिन ऐसा भी दुबला-पतला नहीं था कि कोई देखते ही मुझे दधीचि कह दे।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किताब लिखने वाले कुछ एक बड़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी पर पहले दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खूब पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉवर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध बिल्डिंग को सरकारी आदेश पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैराग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाएं तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटमैन जब नीचे से लेकर ऊपर तक आपको ऐसे देखे कि जैसे वह आपका एक्सरे निकाल रहा हो तब ऐसे में आप क्या करें?

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच सा एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था, जबकि इस शूट को खरीदने और सिलवाने के लिए मैंने शहर के सारे शूट स्पेशलिस्ट के यहां ऐसे यात्रा की कि जैसे कोई आधुनिक विदेशी यात्री ह्वेनसांग भारत में नौकरी पर पहले दिन शूट पहनकर जाने का वर्णन अपनी किसी शूट यात्रा की किताब में करने के लिए के लिए वह भारत की यात्रा पर आया हो। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी झिझक छिपाते हुए गेटमैन से कहा कि मैं बैंक की इस शाखा का नया पीओ हूं, तो वह ससम्मान अपनी जगह से उठा और मुझे अपनी निर्धारित सीट पर बिठा आया।

अभी मुझे अपनी कुर्सी पर बैठे कुछ ही देर हुआ था कि एक-एक कर सारे कर्मचारी आकर अपनी-अपनी निर्धारित सीट पर बैठ गए, लेकिन एक बात जो मैंने उन सभी की आंखों में नोट की वह बात उन सभी का हूबहू गेटमैन की तरह ही मुझे अपनी तरफ देखना था। उनके इस तरह से देखने की वजह से मेरी हथेली मेरे लाख प्रयास करने के बावजूद भी थोड़ी बहुत पसीने से भीग चुकी थी, जबकि उस समय ऑफिस का एसी चल रहा था। अभी मैं इस हादसे से दो-चार था ही कि तभी मेरी मेज के पास आकर चपरासी ने जैसे ही कहा कि सर! आपको मैनेजर साहब ने अपनी केबिन में बुलाया है। यह सुनते ही मेरे चेहरे की दिवाल घड़ी जो अभी तक ठीक-ठाक चल रही थी, वह ऐसे हो गई जैसे बारह बजने वाले कांटे पर आकर बिगड़ गई हो।

अब चूंकि मैनेजर साहब ने बुलाया था, तो जाना ही था। सो कुर्सी से उठने से पहले मैंने अपने कंपनग्रस्त पैरों के अघोषित कंपन के प्रभाव को कम करने के लिए मैंने अपने जीवन की पहली बांधी हुई टाई को तीन-चार बार दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे ऐसे खींचा की जैसे इसके खींचने से मेरे आत्मविश्वास का गिरा हुआ प्लेटलेट साढ़े तीन लाख पार कर जाएगा। फिर मैं मैनेजर के केबिन की तरफ ऐसे चल पड़ा कि जैसे सोलह वर्ष के सचिन तेंदुलकर को मैंने पहली बार बैटिंग करने के लिए क्रिकेट मैदान में उतरते हुए टीवी पर देखा था।

मै आई कम इन सर? यस! कम इन। टेक योर सीट। मैं उनके इतना कहते ही कुर्सी पर ऐसे बैठ गया कि जैसे मैं किसी रिमोट से कुर्सी पर उठने और बैठने के लिए ही बना हुआ हूं या बनाया गया हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरी तरफ देखा और चपरासी को बुलाकर उन्होंने मिठाई और नमकीन का ऑर्डर देने के साथ ही उन्होंने चपरासी से कहा कि इसे लेने जाने से पहले सभी को मेरी केविन में भेज दो। जब सभी लोग केबिन में आ गए, तो उन्होंने मेरा सभी से परिचय इतनी आत्मीयता और सहजता से कराया कि जैसे मैं उन सभी का कोई अपना ही हूं। इस बीच मैंने यह भी महसूस किया कि मैनेजर साहब बात में से बात निकालने और बनाने के पूरे सिद्ध पुरुष हो, क्योंकि उनकी हर तीसरी और चौथी बात पर सारा स्टॉप ऐसे हंस रहा था कि उतना तो शायद इस समय टीवी पर आ रहे कपिल शर्मा के लाफ्टर शो को देखने के बाद भी लोग नहीं हंसते होंगे। फिर मुझे थोड़ी देर बाद लगा कि जैसे उन्होंने जान बूझकर अपने हंसने और हंसाने की मात्रा थोड़ी सी कम कर दी हो ताकि उस केबिन में उनके हंसने और हंसाने की वजह से कोई हंसियोचित दुर्घटना न घटित हो जाए। इस बीच मैं कब सहज हो गया इसका मुझे कुछ पता ही नहीं चला। तभी उन्होंने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा कि बरखुरदार! उनका बरखुरदार कहने का अंदाज भी बिल्कुल हिंदी सिनेमा के अजीत की तरह था।

उन्होंने मुझे कलम पकड़ाते हुए कहा, "आप अपनी नौकरी के पहले दिन का यह बेशकीमती तोहफा मेरी तरफ से कुबूल करें और यह हमेशा याद रखें, जब हम नौकरी के समय अपनी कुर्सी पर बैठकर इस कलम को खोलते हैं तब हम सभी उम्र नहीं उस नौकरी और उस कुर्सी की जिम्मेदारी होते है। नौकरी में हर दिन हम नया सीखते हैं।" मैं उनकी बातों से समझ गया कि उनकी अनुभवी आंखें यह भांप गई हैं कि अपनी नौकरी के पहले दिन कैसे जाएं? इस पर मैं मोटिवेशन की कोई किताब पढ़कर आया हूं। उनकी वह कलम और मेरे नौकरी पर पहले दिन जाने की वह शूट मेरे जीवन की आज भी एक अनमोल धरोहर है।

-रंगनाथ द्विवेदी, जौनपुर

लव बर्ड्स

घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिफ्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉमन दोस्त ये पत्र पहुंचाते थे। रास्ते में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर कीं। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ऋषि ने मुझे प्रपोज किया। मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बाते पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के सहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सगाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधाम से हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी, *अयोध्या*

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,706.67	26,200.60
गिरावट	13.71	14.95
प्रतिशत में	0.02	0.06

सोना 1,30,160 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,71,200 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भांजु ने खोला टेक्सास में पहला गणित केंद्र

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे गणित सिखाने वाले मंच 'भांजु' ने अमेरिका में अपना पहला ऑफलाइन शिक्षण केंद्र शुरु किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक इस कदम से उसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार और दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को दिलचस्प और आसान बनाने में मदद मिलेगी। नया केंद्र टेक्सास के मैकिनी में शुरू किया गया है। भांजु की शिक्षण पद्धति तेज गणित, कहानियों, खेल और एआई टूल्स को मिलाकर मजेदार और तेज गति से गणित सिखाती है। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कतर, यूएई, अमेरिका सहित दुनिया के 16 देशों में प्रवासी भारतीयों के 50,000 से अधिक बच्चों ने अब तक भांजु के साथ चार करोड़ से अधिक समीकरण हल किए हैं।

बंगाल में एक लाख छात्रों के ऋण स्वीकृत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'छात्र क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत एक लाख से अधिक छात्रों के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्च शिक्षा को समर्थन देने के लिए शुरू की गई पहल के तहत छात्र मामूली ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार ब्याज पर सब्सिडी देती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना उभरती प्रतिभाओं को उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती रहेगी। देश या विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पर पैसे का बोझ कम करने के लिए यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की गई थी।

टोरेंट फार्मास्युटिकल्स पर 41 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर गलत 'रिफंड' के लिए टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अहमदाबाद दक्षिण आयुक्त कार्यालय में सामान्य न्यायनिर्णय प्राधिकरण (केंद्रीय जीएसटी) के संयुक्त आयुक्त, ने 41,33,84,165 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है।

जीडीपी आंकड़े सरकार की नीतियों–सुधारों का प्रतिबिंब : मोदी

वृद्धि को बताया उत्साहजनक, कहा- सुधारों को बढ़ावा देना और जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जोरदार वृद्धि के आंकड़ों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार की नीतियों के सुधारों को प्रतिबिंबित करते हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर काफी उत्साहजनक है। यह वृद्धि के अनुकूल हमारी नीतियों और सुधारों के असर को दिखाता है। यह देश के लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता को भी प्रतिबिंबित करता है। हमारी सरकार सुधारों को बढ़ावा देना और हर नागरिक के लिए जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेगी। सीतारमण ने एक्स पर लिखा, जीडीपी के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और गति को दर्शाते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि दर का कारण सतत वित्तीय अनुशासन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और विभिन्न सुधार हैं जिनसे उत्पादकता बढ़ी है और कारोबार की आसानी में सुधार हुआ है।

• अर्थव्यवस्था की तेज गति दर्शाते हैं ताजा आंकड़े : सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ जीडीपी के आंकड़ों वाली सरकारी विज्ञप्ति का लिंक साझा किया है। उन्होंने इस पोस्ट को शीर्षक दिया है, 'भारत की वृद्धि की रफ्तार तेज हुई'। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि विनिर्माण, निर्माण, रियल एस्टेट तथा पेशेवर सेवा आदि उत्पादकता बढ़ाने और जीवंत आर्थिक वातावरण तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतिगत स्थिरता और निरंतरता का परिणाम है जो दीर्घावधि स्थिरता और वृद्धि को बल दे रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी स्थिरता के साथ बंद

मुंबई। आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02% गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05% गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों सूचकांक बृहस्पतिवार को अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे।

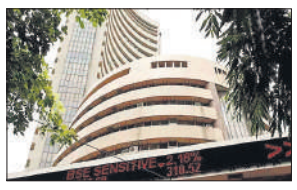

सोना-चांदी में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के कारण शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,30,160 रुपये 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 3,000 रुपये मजबूत हुई। 99.5% शुद्धता वाले सोना 700 रुपये बढ़कर 1,29,560 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6% पर

सीजीए ने जारी किए अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष के सात महीनों के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपये रहा। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा। केंद्र की कुल आय अप्रैल-अक्तूबर 2025 की अवधि में 18 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 12.74 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व, 4.89 लाख करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 37,095 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत आय शामिल है। इस दौरान केंद्र से राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 8,34,957 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1,11,981 करोड़ रुपये अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार का कुल खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 20 लाख करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 6.17 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च हुए। राजस्व व्यय में से 6.73 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.46 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी पर खर्च किए गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर और घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार के मूल्य में भारी गिरावट के कारण मुद्रा भंडार में कमी आई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर घटकर 560.6 अरब डॉलर रह गईं।आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर घटकर 104.18 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा।

भारत 7% जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों की वृद्धि में होगा अग्रणी

नई दिल्ली। भारत 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों और एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा। रेटिंग एजेंसी 'मूडीज रेटिंग्स' ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के घरेलू वृद्धि चालक इसकी आर्थिक मजबूती को बल देते हैं। हालांकि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है लेकिन फिर भी अधिकतर 'रेटेड' कंपनियों के पास सक्रिय मुद्रा जोखिम प्रबंधन या मजबूत वित्तीय भंडार हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत उभरते बाजारों और पूरे क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा जिसकी जीडीपी 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का अनुमान है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में औसत 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। 2025 में इसके 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2024 में यह 3.3 प्रतिशत थी। मूडीज ने कहा कि भारित औसत के आधार पर उभरते बाजार इस क्षेत्र में जीडीपी की वृद्धि को गति देंगे। इसकी औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत होगी जबकि उन्नत बाजारों में औसत वृद्धि 1.3% रहेगी।

मूडीज का दावा

सर्राफा हॉलमार्किंग लागू कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ, उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

• प्रयोगशाला में बने हीरे का भी बनाया जा सकता है मानक

हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है।उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।

खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

एप्पल नोएडा में खोलेगा पांचवां भारतीय स्टोर

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने जा रहा है। कंपनी के बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

सोशल मीडिया पर नाम, पंजीकरण संख्या दिखाना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली। सेबी ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया कि उसके नियंत्रण वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट (म्यूचुअल फंड वितरक, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा वितरक आदि) अपने सोशल मीडिया मंच के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी देनी होगी।

यह प्रस्ताव इसलिए आया है क्योंकि सेबी ने पाया कि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का कंटेंट मौजूद है, जिससे निवेशक गुमराह हो रहे हैं। ऐसे में नाम और पंजीकरण संख्या दिखाने से निवेशकों को तुरंत पता चल जाएगा कि कंटेंट किसी अधिकृत संस्था का है या नहीं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर डाला जाने वाला कोई भी 'कंटेंट' पक्के प्रतिफल का वादा न करे, ऐसी कोई बात न कही जाए तो कानूनन प्रतिबंधित हो और निवेशकों में जानकारी की कमी का फायदा उठाने की कोशिश न की जाए।

सेबी ने दिया प्रस्ताव

राष्ट्रीय

बौद्धों ने हिंदू कानूनों से मांगी मुक्ति विधि आयोग को भेजा गया मामला

सुप्रीम कोर्ट ने बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी की याचिका पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विधि आयोग से एक बौद्ध समूह की उस याचिका पर विचार करने को कहा है, जिसमें कहा गया है कि बौद्धों पर भी लागू होने वाले 'हिंदू पर्सनल लॉ' के कुछ प्रावधान धर्म की स्वतंत्रता के साथ उनके मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 'बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधि आयोग से इसे एक प्रतिवेदन के रूप में मानने को कहा कि कुछ मौजूदा कानूनी प्रावधान बौद्ध समुदाय के मौलिक अधिकारों और सांस्कृतिक प्रथाओं के विपरीत हैं, जिसके मद्देनजर इसमें संवैधानिक और वैधानिक बदलावों की आवश्यकता है।

बौद्ध भी हिंदुओं के लिए बने कानूनों के दायरे में आते हैं, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और हिंदू दत्तक ग्रहण और देखभाल अधिनियम, 1956 द्वारा निर्दिष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 25 में बौद्धों, जैनियों और सिखों को इन कानूनों के प्रयोजनों के लिए 'हिंदू' की परिभाषा में शामिल किया गया है। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने याचिका में मांगी गई राहत की प्रकृति पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बौद्ध एक अलग समुदाय है और यह मुद्दा कई बार उठाया गया है।पीठ ने कहा कि विधि आयोग देश में एकमात्र विशेषज्ञ निकाय है और आमतौर पर इसका नेतृत्व उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। उन्होंने कहा, वे आप जैसे व्यक्ति का स्वागत करेंगे और सहायता प्राप्त करेंगे। विधि आयोग ऐसे संवैधानिक संशोधनों के लिए सिफारिशें कर सकता है। पीठ ने कानून और न्याय मंत्रालय के दिसंबर 2024 के एक पत्र पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि 21वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर अपने विचार-विमर्श में इस मुद्दे पर भी ध्यान दे रहा है और विभिन्न हितधारकों के विचार मांगे गए हैं।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों को दी अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दे दी हालांकि यह स्पष्ट कर दिया कि परिणाम राज्य के संशोधित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को चुनौती देने वाले मामले के अंतिम नतीजे पर निर्भर करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने बांठिया आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ओबीसी के लिए एक नए आरक्षण ढांचे को लागू करने के महाराष्ट्र के फैसले पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने निर्देश दिया, नगर पंचायतों और नगर निगमों के चुनाव होंगे। हालांकि, 40 नगर निगमों और 17 नगर पंचायतों के परिणाम अंतिम फैसले के अधीन रहेंगे। पिछले सप्ताह, उच्चतम न्यायालय ने उन खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी कि उसके पहले के निर्देशों की गलत व्याख्या की जा रही है।

रिपोर्ट की अनदेखी करने पर केरल के राज्यपाल को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर कार्रवाई में देरी पर शुक्रवार को केरल के राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई। न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वह समिति की सिफारिशों पर बिना किसी और देरी के फैसला लेंगे। राज्यपाल मामले को अनिश्चित काल तक लंबित नहीं रख सकते। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी न्यायाधीश धूलिया की रिपोर्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान की। गौरतलब है कि न्यायाधीश धूलिया को उप कुलपतियों की नियुक्तियों की कानूनी मान्यता और औचित्य की जांच करने का काम सौंपा गया था। पीठ ने कहा कि मामले का समय पर समाधान होना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि लंबे समय तक अनिश्चितता विश्वविद्यालय के कामकाज पर असर डालती है।

• कुलपतियों की नियुक्ति का मसला कहा- राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए नहीं रोक सकते मामला

सिद्दारमैया सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान

उडुपी। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने शुक्रवार को राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना की घोषणा की है। पार्टी ने इसका मुख्य कारण राज्य नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी कलह के कारण प्रशासनिक विफलता को बताया है।

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए, सरकार को 'दु:शासन प्रशासन' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस शासन में लगभग 90 प्रतिशत मंत्री विधानसभा अनुपस्थित रहते हैं। कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद को बड़े पैमाने पर मैसूर तक ही सीमित कर लिया है, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लगातार नई दिल्ली की यात्रा करते रहते हैं, जिससे व्यवस्था अस्तव्यस्त हो गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के भीतर शीत युद्ध की ओर भी इशारा किया और कहा कि यह स्थिति अव्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण है।

आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा– खून से सने हैं सीईसी के हाथ

• पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत होने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते तृणमूल सांसद।

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के ''हाथ खून से सने हैं।''

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर की प्रक्रिया बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन के नेतृत्व में पार्टी के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों में शताब्दी रॉय, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल, साजदा अहमद और महुआ मोइत्रा तथा राज्यसभा सदस्यों में डोला सेन, ममता ठाकुर, साकेत गोखले और प्रकाश चिक बडाइक थे। ओब्रायन ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी ने पांच सवाल उठाए, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनका कोई जवाब नहीं दिया। ओब्रायन ने कहा, हमने बैठक की शुरुआत ही यह कहते हुए की कि सीईसी के हाथ खून से सने हैं। हमने पांच सवाल उठाए। इसके बाद करीब 40 मिनट में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और ममता बाला ठाकुर ने अपनी बात रखी और जो कहना था वो कहा।

उन्होंने कहा, इसके बाद सीईसी ने एक घंटे तक बिना रुके बात की। जब हम बोल रहे थे, तब हमें भी नहीं टोका गया, लेकिन हमें हमारे पांच सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला।

दिल्ली : स्कूलों में नर्सरी के प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं।

द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किमी के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किमी दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किमी से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किमी के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। बच्चे की स्थिति श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

गुजरात में दिल के दौरे से बीएलओ की मौत, विपक्ष ने साधा निशाना

मेहसाणा। मेहसाणा जिले में एसआईआर के लिए बीएलओ के रूप में कार्यरत एक शिक्षक की शुक्रवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। विपक्षी दल कांग्रेस और शिक्षक संघ ने बीएलओ की मौत का कारण अत्यधिक काम का दबाव और सुविधाओं की कमी बताया।

सतलासना थाने के एक उपनिरीक्षक ने बताया, सुदासना गांव निवासी दिनेश रावल (50) की बृहस्पतिवार रात्रि घर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। जाला ने बताया कि रावल की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें वडनगर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया है तथा उनके परिवार ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। हालांकि, कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने का भारी दबाव है। गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने कहा कि उन्हें अन्य शिक्षकों से पता चला है कि रावल बीएलओ संबंधी कार्य के कारण दबाव में थे।

भ्रष्टाचार मामले हस्तांतरित करने की राबड़ी की याचिका पर सीबीआई-ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीन मामलों को किसी दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली उनकी याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए इन मामलों को दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ ये तीन मामले ज़मीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला से संबंधित हैं। इनमें से दो मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, जबकि एक की जांच सीबीआई कर रही है।अदालत ने अगली सुनवाई छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की है।

श्री राम की सबसे ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है।

निजी स्टार्टअप : अंतरिक्ष में लंबी छलांग

भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 250 स्टार्टअप चल रहे हैं जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन स्टार्टअप का उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने और देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने में मदद करना है।

सरकार ने इन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख कदम है 1000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना, जो इन स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों और पहलों की भी शुरुआत की है।

- **अंतरिक्ष अनुसंधान :** निजी स्टार्टअप्स के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें नए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकसित करने का मौका मिलता है ।
- **उत्पादन :** निजी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादन एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में उतारने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।
- **निर्यात :** निजी स्टार्टअप्स के लिए निर्यात एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को विदेशी बाजारों में बेचने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।

निजी स्टार्टअप से देश को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निजी स्टार्टअप्स के माध्यम से देश में आर्थिक विकास हो सकता है, क्योंकि वे नए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी में उन्नति :** निजी स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी में उन्नति को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की प्रौद्योगिकी क्षमता में सुधार होता है।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि :** निजी स्टार्टअप्स अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की अंतरिक्ष क्षमता में सुधार होता है।

सरकार की सहायता

- **आईएन-स्पेस :** सरकार ने आईएन-स्पेस की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करता है।
- **वेंचर कैपिटल फंड :** सरकार ने वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को वित्तीय समर्थन प्रदान करता है ।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना :** सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जो निजी स्टार्टअप्स को उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है ।

प्रमुख स्टार्टअप

- **कैटालिक्स स्पेस :** इसके स्व-ऑपरेटिंग स्पेस लैब्स आपके विचारों को अंतरिक्ष में ले जाते हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाते हैं।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस :** यह स्टार्टअप लॉन्च वाहनों को विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष में सस्ती पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पिक्सेल :** यह स्टार्टअप एक उच्च रिज़ॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बना रहा है।
- **न्यू स्पेस :** यह स्टार्टअप अगली पीढ़ी की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है ।
- **अग्निकुल :** यह माइक्रो-नैनो सैटेलाइट्स के लिए ऑर्बिटल क्लास रॉकेट बना रहा है।
- **सैटश्योर :** यह सैटेलाइट डेटा से कृषि व जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने की बुद्धिमत्ता देता है।
- **ध्रुव स्पेस :** यह स्पेस आधारित अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत समाधान देता है, जिसमें सैटेलाइट, अर्थ स्टेशन, और लॉन्च सेवाएं शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आईएनएस करमुक ने अभ्यास में लिया भाग

सिंगापुर। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सेहत बेहद गंभीर है। उनके एक करीबी सहयोगी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खालिदा जिया (80) के सीने में संक्रमण के कारण हृदय और फेफड़े दोनों प्रभावित होने पर उन्हें रविवार की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस ने बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के हवाले से कहा कि कल रात चिकित्सकों ने बताया कि जिया की स्थिति बेहद गंभीर है।

रूस-वेनेजुएला में 19 समझौतों पर हस्ताक्षर

मॉस्को। रूस और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडलों ने शिक्षा, अनुसंधान, युवा नीति, तेल उत्पादन, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले तीन समझौतों सहित कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी रूसी-वेनेजुएला आयोग की बैठक के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही 15 सहयोग समझौतों पर भी दोनों हस्ताक्षर किए गये हैं। हस्ताक्षर समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री दिमित्री चेर्निशेंको ने किया।

तुर्किये में पोप लियो का गर्मजोशी से स्वागत

इस्तांबुल। पोप लियो 14वें ने तुर्किये की अपनी पहली विदेश यात्रा में कैथोलिक समुदाय को देश में अपनी छोटी आबादी को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा का उद्देश्य ईसाइयों को प्रोत्साहित करना और एकता कायम करने के सदियों पुराने प्रयासों को आगे बढ़ाना है। यात्रा के पहले दिन इस्तांबुल में स्थित कैथेड्रल ऑफ द होली स्पिरिट के अंदर पोप के समर्थन में नारे लगे।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज

चाणक्य रक्षा संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-हमारा शांति और वार्ता में विश्वास

- **राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं**

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई समझौता नहीं करता। चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा ग्लोबल साउथ के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। सिंह ने कहा कि भारत स्टार्ट-अप, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रहा है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे। डीप टेक से तात्पर्य उन कंपनियों और स्टार्टअप से है, जो महत्वपूर्ण वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग नवाचार, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग या जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। रक्षामंत्री ने भारत को नए दौर के लिए तैयार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इन सुधारों की बदौलत ही भारत सशक्त, सुरक्षित और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 'सुधार से बदलाव' की बात करते हैं, तो हम सिर्फ़ प्रक्रिया या नीति की बात नहीं कर रहे होते। हम सिर्फ़ मौजूदा हालात में बदलाव की बात नहीं कर रहे होते। हम भारत को एक नए दौर के लिए तैयार करने की बात कर रहे हैं जो इसे सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत में बदल देगा।

नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य रक्षा संवाद 2025 का उद्घाटन करते हुए रक्षामंत्र राजनाथ सिंह। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे।

व्यापक सुधार एक रणनीतिक जरूरत

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत बनाने के लिए सेनाओं सहित सभी संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर देते हुए कहा है कि ये विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। कहा कि जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ़ हो जाती है, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुरानी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर सकते।

कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 की मौत

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से संपर्क किया है तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रैम्पटन में हुई विनाशकारी आग की घटना में भारतीय नागरिकों की मौत से हम बहुत दुखी हैं।

वाणिज्य दूतावास शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक आग 19-20 नवंबर की देर रात 2.15 बजे मैकलॉघलिन और रिमेंबरेंस रोड के क्षेत्र में 12 बनस वे पर लगी। आग की घटना में तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। पूरे प्रकरण की जांच ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय द्वारा की जा रही है। कांस्टेबल टायलर बेल ने बताया कि घटनास्थल पर ही तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

हांगकांग में आग मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग। हांगकांग में बहुमंजिला आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते 128 लोगों की मौत हो गई। हांगकांग की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इमारत के मरम्मत कार्य से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया है अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

श्रीलंका में तूफान दितवा का कहर, 56 लोगों की गई जान

कोलंबो, एजेंसी

- **मदद के लिए आगे आया भारत राहत सामग्री, दवाएं भेजी**

चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने श्रीलंका में भीषण तबाही मचाई है तथा अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 21 लोग लापता और 14 घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार चक्रवाती तूफान से करीब 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार भारी बारिश और तेज हवाओं से कई जिलों में नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ने निकटतम समुद्री पड़ोसी के प्रति एकजुटता जताते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत राहत सामग्री और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता भेजी है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती दितवा के कारण हुई तबाही में अपने परिजनों को खोने वाले श्रीलंका के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बचाव और राहत अभियानों में भारत अपना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को भी तैनात करेगा।

श्रीलंका की सरकार ने केलानी नदी घाटी के कई निचले इलाकों में अगले 48 घंटे के भीतर बाढ़ की आशंका जताते हुए कोलंबो सहित कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा है। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अत्यधिक बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीती रात से 15 उड़ानों को तिरुवनंतपुरम और कोचिन की ओर मोड़ा गया।

अमेरिका करेगा नौसेना के हेलीकॉप्टरों का रखरखाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ का समझौता**

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है।

कपिल शर्मा के रेस्तरां में गोलीबारी में गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

थर्ड वर्ल्ड देशों के प्रवासियों पर लगाएंगे रोक : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिका में प्रवेश को लेकर राष्ट्रपति ने की घोषणा**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी थर्ड वर्ल्ड देशों से आने वाले प्रवासियों को स्थायी रूप से रोक देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो सुरक्षा के लिए खतरा साबित होते हैं। थर्ड वर्ल्ड शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस

गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की कड़े तरीके से पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं।

ग्रीन कार्ड की कठोर समीक्षा का निर्देश

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुनः समीक्षा का निर्देश दिया है। एडलो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे। नई नीति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और यह 27 नवंबर 2025 या उसके बाद दायर किए गए अथवा लंबित सभी अनुरोधों पर लागू होगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 23.15 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

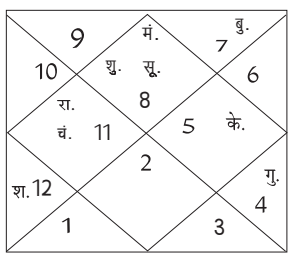

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 30 नवंबर 02.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज व्यवसाय में कुछ धीमापन रहेगा, लेकिन काम में अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में तेजी आएगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। छोटी बातों को लेकर झगड़ा करने से बचें। अनावश्यक बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

कर्क — आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। अवैधानिक कार्यों की ओर आकर्षित होने एवं उनमें रुचि लेने से बचें। आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर भी परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने से आप प्रसन्न होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज कुछ महत्वपूर्ण अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होगा। रियल एस्टेट से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट संबंधी और रिश्तेदार आ सकते हैं।

तुला — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। परिवार में कुछ समस्या हो सकती है। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

धनु — आज मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

मकर — आज आवश्यक कार्य लंबित हो सकते हैं। दूसरों के काम में कमियां न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच संबंधों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुए मामलों को सुलझा लें।

कुंभ — आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का कार्य करेंगे।

मीन — आज आपको आराम अवश्य करना चाहिए। नए कार्यों में रूचि लेंगे। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का भाव रहेगा। दिनचर्या कुछ अव्यवस्थित हो सकती है। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू -175

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
		7			8			
3				1				
						7		
				5				
						3		
			2					
								5

सुडोकू - 174 का हल

1	5	8	2	7	3	9	4	6
4	7	6	9	8	1	2	5	3
3	9	2	6	5	4	1	7	8
8	1	7	4	3	2	6	9	5
9	4	3	5	6	7	8	1	2
2	6	5	8	1	9	4	3	7
6	3	4	1	2	5	7	8	9
7	8	1	3	9	6	5	2	4
5	2	9	7	4	8	3	6	1

भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को गर्व से भर देता है।

– नीरज चोपड़ा

हाईलाइट

अंडर-19 एशिया कप में कप्तानी करेंगे आयुष

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

पुर्तगाल बना फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन

दोहा। पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को खेले गये खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है।

कमिंस की वापसी का इंतजार बढ़ा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में होने वाले दिन-रात्रि एशेज टेस्ट के लिए शुक्रवार को घोषित 14 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे चोटिल कप्तान पैट कमिंस के वापसी का इंतजार और बढ़ गया। कमिंस की गैरमौजूदगी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में आठ विकेट से जीत दिलाई और मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि अभ्यास के लिए ब्रिसबेन जाएंगे।

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद की क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा

गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा-ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर जोर

रांची, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

रविवार को होने वाली सीरीज के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है।

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट सीरीज जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा।

2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर्कल ने कहा मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। मोर्कल ने कहा कि रात में खेले जाने वाले मैचों को देखते हुए रांची की परिस्थितियों का ध्यानपूर्वक आकलन करना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी। एजेंसी

पंत-राहुल ऑर ऑलराउंडर के चयन पर होंगी नजरें

रांची : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच से पूर्व भारत को चयन से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकादश में ऋषभ पंत की जगह पक्की नहीं है जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच अतिरिक्त ऑलराउंडर की जगह के लिए कड़ा मुकाबला है। टीम प्रबंधन जब चयन से जुड़े सवालों का जवाब ढूंढेगा तो सफेद गेंद के सत्र की जरूरतें भी उनके दिमाग में होंगी। संतुलन और यहां की परिस्थितियां काफी हद तक चयन तय करेंगी लेकिन कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के साथ सीरीज का पहला मैच चयनकर्ताओं की मध्यावधि योजना की एक झलक दे सकता है। चर्चा का केंद्र यह है कि अगर पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है तो भी क्या वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ एकादश में फिट हो सकते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जिस तरह से पंत आउट हुए उसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई है लेकिन वह हमेशा से इसी तरह का क्रिकेट खेलते रहे हैं। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो थिंक-टैंक के सामने एक रणनीतिक दुविधा होगी कि क्या वे पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। दोनों को एक साथ खिलाना नामुमकिन नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि रांची में शाम को ठंडे मौसम में भारत को बल्लेबाजी में कितनी गहराई चाहिए जहां लक्ष्य का पीछा करने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत पड़ सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ महिला टी-20 श्रृंखला दिसंबर में

नई दिल्ली, एजेंसी

- विशाखापत्तनम व तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे पांच मुकाबले

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा।

बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक बोर्ड ने आगामी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 सीरीज खेली थी। टीम ने श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

कार्यक्रम

1- 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
2- 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
3- 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
4- 28 दिसंबर तिरुवनंतपुरम
5- 30 दिसंबर तिरुवनंतपुरम

सम्मान

पहले दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित नोरा सोलोमन फाउंडेशन ने सम्मानित किया। ● एजेंसी

उन्नति–तन्वी चमकीं, श्रीकांत पहुंचे सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- महिला युगल में त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद एवं मिश्रित युगल में हरिहरन - त्रिशा भी अंतिम चार में

अमृत विचारः शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और देश की राइजिंग बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। इसी के साथ महिला युगल में पिछली विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के साथ मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और त्रिशा जॉली भी अंतिम चार में पहुंच गई। वहीं पुरुष एकल में विश्व के पूर्व नंबर वन के.श्रीकांत ने प्रतिद्वंद्वी प्रियांशु राजावत के मैच छोड़ने के चलते सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी अब हमवतन मिथुन मंजूनाथ से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल खेले गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की उन्नति हुड्डा व सातवीं वरीय भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस मैच में उन्नति ने 21-15, 13-21, 21-16 से जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर 28 उन्नति का पिछले साल सेमीफाइनल में सफर ओलंपिक में दोहरे पदक विजेता पीवी सिंधु के हाथों हार से समाप्त हो गया था। अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन से भिड़ेंगी जिन्होंने एक अन्य रोमांचक मैच में भारत की इशारानी बरुआ को 21-19, 13-21, 21-15 से हराया। ओलंपिक पदक विजेता को हराने वाली भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने हांगकांग चीन की लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ 21-13, 21-19 से जीत दर्ज की। तन्वी अब पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची से भिड़ेंगी, जिन्होंने तीसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-8, 21-15 से हराया।

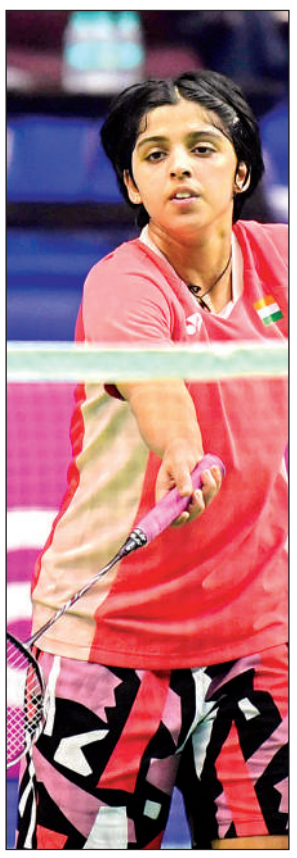

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणाम

मिश्रित युगल : सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन ने मलेशिया की वी यी हर्न व वानी गोबी को 21-14, 21-11 से हराया।
चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाज़ा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता ने भारत के निथिन एचवी व श्रीनिधि नारायणन को 21-11, 21-12 से हराया।
आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने तीसरी वरीय मलेशिया के तियेन सी व लिम चिउ सिएन – मलेशिया को 21-15, 12-21, 21-10 से हराया।

महिला युगल : सातवीं वरीय मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग ने भारत की श्रुति मिश्रा व प्रिया कोंजेंगबम को 21-13, 22-20 से हराया।
दूसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन और यू चिएन हुई ने चीनी ताइपे की ही लिन जिआओ मिन और वांग यू किआओ को 21-9, 21-10 से हराया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : उप्र ने जम्मू-कश्मीर को 109 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

आर्यन जुयाल के लगातार दूसरे अर्धशतक और प्रशांत वीर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में जम्मू-कश्मीर को 109 रन से मात दी।

यह उत्तर प्रदेश की लगातार दूसरी जीत है जिससे टीम आठ अंक के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गोवा के खिलाफ मैच विजयी 93 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद आत्मविश्वास से भरे विकेटकीपर-बल्लेबाज जुयाल ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 51 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को छह विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर के उमरान मलिक तीन विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिन-ऑलराउंडर वीर ने बाद में 20 रन देकर तीन विकेट झटके और महज 10 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए जिसमें अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज औकिब नबी के खिलाफ 24 रन बनाना शामिल रहा।

जम्मू-कश्मीर के लिए तीन विकेट लेने वाले उमरान मलिक। एजेंसी

इससे पहले कप्तान करण शर्मा (24 रन) और जुयाल ने 73 रन की भागीदारी कर टीम को तेज शुरुआत कराई। उमरान मलिक ने जुयाल को उनके अर्धशतक के तुरंत बाद आउट कर दिया। उत्तर प्रदेश ने 24 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। लेकिन वीर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सिद्धार्थ यादव (24 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवर में तूफानी बल्लेबाजी कर मैच की दिशा बदल दी। जम्मू-कश्मीर की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम सिर्फ महज 84 रन पर सिमट गई।

कप्तान शुभम खजूरिया चोट के कारण बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। लेग स्पिनर विप्रज निगम तीन विकेट और वीर ने मिलकर बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया।

वहीं, महाराष्ट्र के लिए पृथ्वी साव ने धमाकेदार वापसी करते हुए ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा जबकि आर्शिन कुलकर्णी ने 89 रन बनाए जिसकी बदौलत टीम ने 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया।

जूनियर विश्व कप : जर्मनी ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया

मदुरै, एजेंसी

गत चैंपियन जर्मनी ने शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 4-0 से हराकर एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की।

सात बार के चैंपियन जर्मनी की ओर से जस्टस वारवेग ने 19वें और 56वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि बेन हैशबैक (43वें मिनट) और पॉल ग्लेंडर (44वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक-एक गोल किया। पूल ए के पहले मैच में आयरलैंड ने कड़े मुकाबले में कनाडा को 4-3 से हराया। आयरलैंड को 13वें मिनट में लुई रोव से बढ़त दिलाई लेकिन गुरनूर भुल्लर ने 26वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। रोव ने 33वें मिनट में एक और मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-1 किया जबकि ग्रेगरी विलियम्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आयरलैंड को 3-1 से आगे कर दिया। माइलो थॉम्पसन ने एक और मैदानी गोल दागकर आयरलैंड की बढ़त को 4-1 किया। लेटन डिसूज़ा ने 48वें और 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर कनाडा को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

पूल डी के में स्पेन ने मिस्र को 8-0 से हराया, बेल्जियम ने नामीबिया को 12-1 से रौंद दिया। स्पेन की ओर से ब्रूनो एविला ने पेनल्टी कॉर्नर पर तीन गोल दागकर हैट्रिक लगाई जबकि जोसेप मार्टिन ने दो गोल किए।

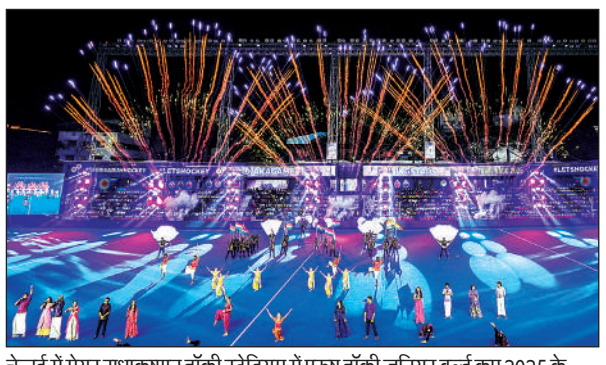

चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के शुभारंभ के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए। एजेंसी

जिम्मेदारी

स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर किया था काम

सैंटियागो भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है। उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे। नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं।

ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक से आगे ले जाना है नीवा का लक्ष्य

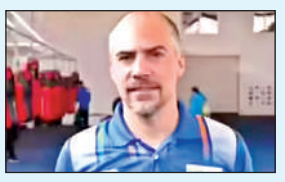

नई दिल्ली : भारतीय महिला मुक्केबाजी के नव नियुक्त मुख्य कोच सैंटियागो नीवा का मानना है कि मौजूदा टीम में काफी प्रतिभा है और उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में कांस्य पदक से आगे बढ़कर इतिहास रचना है। नीवा पहले 2017 से 2022 तक भारत के 'हाई परफॉर्मेंस' निदेशक के तौर पर काम कर चुके हैं जिसमें उन्होंने ज्यादातर काम पुरुष टीम के साथ किया था और अब उन्हें महिला टीम का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। नीवा ने ऑस्ट्रेलिया से पीटीआई को बताया भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम बहुत मजबूत है और मुझे लगता है कि ओलंपिक पदक जीतना बहुत जरूरी है। मैंने सोचा कि महिला टीम में काफी प्रतिभा है तो मैं वहां योगदान देना चाहूंगा ताकि हम लॉस एंजिलिस में इतिहास बना सकें और कांस्य पदक से आगे जा सकें। अब तक सिर्फ तीन भारतीय मुक्केबाजों ने ओलंपिक पदक जीते हैं जिसमें विजेंदर सिंह (2008), एमसी मैरीकॉम (2012) और लवलीना बोरगोहेन (2020) को कांस्य पदक मिले हैं। पेरिस ओलंपिक से भारतीय मुक्केबाज खाली हाथ लौटे थे। उनके मार्गदर्शन में अमित पंघाल ने पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला और एकमात्र रजत पदक जीता था जबकि तोक्यो ओलंपिक में अब तक सबसे ज्यादा भारतीय मुक्केबाजों की हिस्सेदारी रही थी। वह एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट के 2026 सत्र से पहले जुड़ रहे हैं तो उनके एजेंडे में सबसे पहली चीज चयन नीति को समझना होगा। उन्होंने कहा मुझे यह देखना होगा कि वे किस मॉडल का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह कैसे काम करता है। जरूरी बात यह है कि हम सबसे अच्छे मुक्केबाज चुनें। नीवा ने कहा फिर देखना होगा कि चल रहे सभी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के साथ क्या व्यावहारिक है।